नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

सूर्य नगरी देव सज-धज कर तैयार : खरना आज

• बोकारो, रविवार, 26 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 159 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड में तेजी से हो रहा मतदाता मैपिंग का कार्य : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की तैयारी तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने शनिवार को राज्य में मतदाता सूची के विशेष व्यापक पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने बताया कि राज्य में मतदाता मैपिंग की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। के. रवि कुमार ने कहा, "झारखंड में मतदाता मैपिंग की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। इस कार्य में मतदाताओं को उनके पूर्व रिकॉर्ड से सटीक रूप से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि दस्तावेज संबंधी समस्याओं का समाधान हो सके। इसमें माता-पिता और संतान के आधार पर लिंकिंग की जा रही है, जिससे मतदाता सूची अधिक सटीक और पूर्ण बन सके। उन्होंने बताया कि यह कार्य मतदान क्षेत्र अधिकारी (बी.

एल.ओ.) एप, मैनुअल पद्धति और सारणी (एक्सेल शीट) के माध्यम से किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे। निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है और लक्ष्य है कि नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले सभी श्रेणियों की मैपिंग पूरी कर ली जाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश काम पूरा हो चुका है और शेष भाग बुधवार तक समाप्त होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की तैयारी पूरी करें। हाल ही में नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आई.आई.आई.डी.ई.एम.) में आयोग की दो दिवसीय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की, जबकि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी उपस्थित थे। इस दौरान आयोग ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़ी शंकाओं का समाधान किया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि यह पुनरीक्षण प्रक्रिया मतदाता सूची की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आगामी चुनावों की तैयारियां और अधिक मजबूत होंगी।

मुसलमान व्यापारी मो. कलाम की दुकान में झलकती आस्था और एकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। लोक आस्था और सामाजिक सद्भाव का महापर्व छठ, रांची के हरमू बाजार में अलग ही छवि प्रस्तुत करता है। यहां मो. कलाम पिछले 41 वर्षों से छठ के अवसर पर अपने परिवार के साथ दुकान लगाकर बांस के बने वर्तन, जलावन और अन्य पूजा सामग्री देवघर और अन्य स्थानों से मंगाकर लोगों तक पहुंचाते हैं। मो. कलाम की यह पहल मजहबी भेदभाव को तोड़कर छठ पूजा को सामाजिक एकता का प्रतीक बनाती है। हरमू बाजार में यह एकमात्र मुसलमान व्यापारी की दुकान होते हुए भी वे छठ सामग्री में दूसरों पर भारी हैं। ग्राहक उन्हें जानते हैं और छठी मैया के प्रति वही श्रद्धा और सम्मान रखते हैं जो किसी हिन्दू श्रद्धालु के मन में होती है। पीढ़ी दर पीढ़ी मो. कलाम और उनके परिवार ने इस परंपरा को जारी रखा है। वे कहते हैं, "पूरे साल हम छठ का इंतजार करते हैं। कभी एक वक्त का भोजन कैसे मिलेगा, इसकी चिंता होती थी। अब छठी मैया की कृपा से सब ठीक है। इसलिए हम परिवार के साथ यह सेवा करते हैं, व्यवसाय नहीं। केवल लागत से थोड़ी अधिक राशि लेकर ही सामान देते हैं।" स्थानीय श्रद्धालु भी मो. कलाम की मेहनत और सेवा की सराहना करते हैं। छठव्रती सुनयना देवी कहती हैं, "पर्व के दौरान कोई भेदभाव नहीं होता। मो. कलाम हर साल यहां आते हैं और सभी के लिए सामग्री लाते हैं।" धर्मशीला देवी, जो पिछले 22 साल से छठ करती हैं, कहती हैं, "सब छठी मैया की कृपा से होता है, भले ही समुदाय अलग हो।" हरमू बाजार में मो. कलाम की दुकान सिर्फ वस्त्र और सामग्री बेचने की जगह नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और आस्था का जीता-जागता उदाहरण बन गई है। यह छठ पूजा का पर्व न केवल सूर्य देव की आराधना का, बल्कि सामुदायिक एकता और स्वच्छता का संदेश भी देता है।

सूर्य नगरी देव में चार दिवसीय कार्तिक छठ मेला शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक स्थल देव में चार दिवसीय कार्तिक छठ मेला आज से नहाय-खाय के साथ प्रारंभ हो रहा है। मेले का विधिवत उद्घाटन आज किया जाएगा। गौरतलब कि देव में छठ व्रत करने की विशिष्ट महत्ता है और इसकी गूंज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया तक है। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि देव कार्तिक छठ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं तथा छठव्रतियों के लिए पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, यातायात, सुरक्षा आदि के समुचित प्रबंध किये गये हैं। उन्होंने बताया कि मेला में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए जगह-जगह दंडाधिकारियों के नेतृत्व में सशस्त्र बल की तैनाती की जायेगी। कार्तिक छठ व्रत के अवसर पर त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर को अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया गया है। देव छठ मेला में देश के विभिन्न प्रांतों तथा राज्य के कोने-कोने से श्रद्धालुओं एवं व्रतधारियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। चार दिनों का यह पवित्र अनुष्ठान आज नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया, जो 28 अक्टूबर को प्रातः उदयाचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित किये जाने के साथ सम्पन्न होगा। सुप्रसिद्ध सौर तीर्थस्थल देव में चैती छठ व्रत करने अब तक यहां आये पूर्वोत्तर भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बंगाल, उत्तरांचल एवं बिहार के विभिन्न जिलों के श्रद्धालुओं तथा छठव्रतियों ने देव के ऐतिहासिक तथा त्रेतायुगीन पश्चिमाभिमुख सूर्य मंदिर में सूर्यदेव की पूजा-अर्चना की। गौरतलब है कि कार्तिक छठ व्रत के दौरान सूर्य नगरी देव आकर छठ व्रत करने की विशिष्ट धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता है। कहा जाता है कि यहां प्रति वर्ष दो बार कार्तिक एवं चैत माह में छठ व्रत के दौरान छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को सूर्यदेव की उपस्थिति की साक्षात अनुभूति होती है। विदित हो कि प्रवासी भारतीय विदेशों में भी छठ मनाते हैं। इस बार करीब 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं को देव में पहुंचने की संभावना है। छठ व्रत करने वाले लोग अपने सुविधाओं के साथ देव पहुंच रहे है। जिला प्रशासन ने छठ व्रतियों को कोई असुविधा न हो, इसका खास ख्याल रख रही है। पार्किंग से लेकर आवासन की व्यवस्था की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मेला परिसर व दोनों कुंड की बैरिकेडिंग की गई है। ड्रॉप गेट स्थल का निर्माण कराया गया। छठ व्रतियों, यात्रियों एवं पर्यटकों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मेला परिसर में अस्थाई मेडिकल कैंप लगाया गया है। आकस्मिकता से निपटने के लिए एंबुलेंस, स्ट्रेचर, जीवन रक्षक दवा के साथ महिला पुरुष विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपलब्ध है। श्रद्धालुओं को पार्किंग से आवासन स्थल तक या सूर्य कुंड तालाब तक पहुंचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला परिसर के अंदर कुछ यात्री बस व ऑटो को परिचालन की अनुमति दी गई है। इनमें से कुछ वाहन निशुल्क श्रद्धालुओं को पार्किंग स्थल से आवश्यक स्थल या सूर्य कुंड तालाब तक पहुंचाएंगे।

मंदिर का पौराणिक महत्व

दंतकथाओं के अनुसार क्षेत्र के राजा 'ऐल' एक बार जंगल में शिकार खेलने गए थे। इस दौरान उन्हें काफी जोर का प्यास लगी जिसके बाद उन्होंने अपने सेवादार को पानी लाने को कहा। सेवादार पानी की तलाश करते हुए एक जलकुंड के पास पहुंचा जिसके बाद उसने राजा पीने के लिए जल दिया। राजा को कुष्ठ रोग था। राजा ने कुंड में स्नान किया और उनका कुष्ठ रोग ठीक हो गया जिसके बाद राजा के स्वप्न में स्वयं भगवान भास्कर आए और कुंड से तीन मूर्तियों को निकालकर मंदिर बनाने का आदेश दिया जिसके बाद राजा ने वहां पर एक भव्य मंदिर बनवाया।

देव छठ मेला में 525 स्काउट गाइड श्रद्धालुओं की करेंगे मदद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड औरंगाबाद जिला के नेतृत्व में जिले के प्रसिद्ध छठ मेला देव में आज से शुरू हो रहे चार दिवसीय कार्तिक छठ महोत्सव में श्रीनिवास कुमार जिला संगठन आयुक्त स्काउट गाइड के नेतृत्व में 525 स्काउट गाइड सेवा शिविर के लिए देव पहुंच चुके हैं। यह सभी स्काउट गाइड पूरे मेला क्षेत्र में एक तरफ रास्ता नियंत्रण, मंदिर प्रांगण में तथा गर्भ गृह में सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी श्रद्धालुओं को कोई कठिनाई नहीं हो। साथ ही भूले भटके को उचित स्थल पर पहुंचाना तथा चोर पॉकेट मार से श्रद्धालुओं को सुरक्षा देना सबों का प्रमुख कार्य होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम कुमार, लव कुमार, दीपक कुमार, धर्मेंद्र कुमार, शत्रुंजय कुमार, अमन कुमार, राहुल कुमार, शिल्पा कुमारी, खुशी कुमारी, स्मृति कुमारी, अंशु कुमारी, आयुष कुमार, अभय कुमार, प्रियंका कुमारी आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

तेजी से बदला बिहार, हर गांव में पहुंची सड़क और बिजली : नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बक्सर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को डुमरांव में आयोजित एक विशाल जनसभा में एनडीए सरकार के विकास कार्यों को विस्तार से जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि बिहार आज तेजी से बदल रहा है और एनडीए सरकार ने राज्य को नई दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले लोग बिजली और सड़कों के लिए तरसते थे, लेकिन अब हर गांव में पक्की सड़कें हैं और हर घर में बिजली पहुंच चुकी है। हमारा लक्ष्य है कि हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएँ मिलें और बिहार आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। बालिका साइकिल योजना और पोशाक योजना को उन्होंने बेटियों की शिक्षा में "मील का पत्थर" बताया। नीतीश कुमार ने कहा कि जीविका समूहों की दीदियों को अब तक 10 हजार रुपये की सहायता दी जा चुकी है और आगे उन्हें 2 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि "महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही हैं, और सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में उद्योगों के विस्तार के लिए निवेश का माहौल लगातार बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, सिंचाई और बिजली जैसे बुनियादी ढाँचे के विकास ने राज्य को निवेश के लिए उपयुक्त बनाया है। "हमारी प्राथमिकता है कि हर जिले में उद्योग बढ़ें और युवाओं को रोजगार मिले," उन्होंने कहा। सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने एनडीए के उम्मीदवारों — राजपुर से संतोष कुमार निराला, बक्सर से आनंद मिश्रा, डुमरांव से राहुल सिंह और ब्रह्मपुर से हुलास पांडेय — को जनता के समक्ष प्रस्तुत किया और अपील की कि उन्हें भारी मतों से विजयी बनाकर बिहार के विकास की गति को और मजबूत करें। कार्यक्रम में पूर्व शिक्षा मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा ने भी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास धरातल पर दिख रहा है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यालयों में नामांकन बढ़ने को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कुशवाहा ने कहा कि "जो लोग आज आलोचना कर रहे हैं, वही कभी बिहार को पिछड़ेपन की ओर ले गए थे, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया है। सभा के अंत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपेन्द्र कुशवाहा और अन्य नेताओं ने जनता का अभिवादन स्वीकार किया।

नागपुर-दिल्ली एयर इंडिया विमान को उड़ान के बाद पक्षी टकराने से लौटना पड़ा, यात्री सुरक्षित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नागपुर से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को शनिवार को उड़ान भरने के तुरंत बाद पक्षी टकराने की घटना के कारण नागपुर हवाईअड्डे पर लौटना पड़ा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान सुरक्षित रूप से उतारा गया और बाद में तकनीकी जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया। इस वजह से उड़ान रद्द करनी पड़ी। सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें हवाईअड्डे पर भोजन और सहायता उपलब्ध कराई गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, "24 अक्टूबर को नागपुर से दिल्ली जाने वाली उड़ान एआई-466 को उड़ान के तुरंत बाद पक्षी टकराने की घटना का सामना करना पड़ा। सुरक्षा के मद्देनजर चालक दल ने मानक संचालन प्रक्रिया के तहत विमान को नागपुर लौटाने का निर्णय लिया। विमान की लैंडिंग सुरक्षित रही, लेकिन रखरखाव जांच में अधिक समय लगने के कारण उड़ान रद्द करनी पड़ी। इसी बीच, एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 26 अक्टूबर से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआई), दिल्ली पर चल रहे टर्मिनल-3 के विस्तार कार्य के समर्थन में उसकी 180 में से 60 घरेलू उड़ानें अब टर्मिनल-2 से संचालित होंगी। हालांकि सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें टर्मिनल-3 से ही जारी रहेंगी। एयर इंडिया ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी संपर्क जानकारी अपडेट रखें और उड़ान व टर्मिनल की जानकारी एयरलाइन की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या 24×7 ग्राहक सहायता से प्राप्त करें।

मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से भारत को सुरक्षित बनाया : अमित शाह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खगड़िया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खगड़िया में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके निर्णायक कदमों की सराहना की। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जो कड़े और साहसिक फैसले लिए हैं, उन्होंने भारत को दुनिया में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। शाह ने कहा कि जब देश पर उरी, पुलवामा और पहलगाम में आतंकी हमले हुए, तब प्रधानमंत्री मोदी ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी कार्रवाई कर यह स्पष्ट कर दिया कि अब भारत आतंकियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। पहले की सरकारें आतंकियों के डर से चुप रहती थीं, लेकिन अब भारत जवाब देता है। उन्होंने कहा कि अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी, के बाद 7 मई को शुरू हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर हद तक जा सकता है। अमित शाह ने कांग्रेस और राजद पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यूपीए सरकार के समय पाकिस्तान रोजाना हमला करता था, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह और लालू प्रसाद यादव की सरकारें चुप रहती थीं। "वोट बैंक के लालच में देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों को जनता ने बार-बार नकारा है। बिहार की जनता भी इस बार महागठबंधन को उसी तरह जवाब देगी," उन्होंने कहा। राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस घुसपैठियों की रक्षा के लिए यह यात्रा निकाल रही है। उन्होंने सभा में उपस्थित जनता से सवाल पूछा, "क्या बिहार के मतदाता सूची से घुसपैठियों के नाम हटने चाहिए या नहीं?" उन्होंने वादा किया कि अगर राज्य में फिर से एनडीए की सरकार बनी तो एक-एक घुसपैठिए को बिहार से बाहर निकाला जाएगा। गृह मंत्री ने मोदी सरकार की आर्थिक उपलब्धियों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, "मोदी जी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे पर पहुंची है। 2027 से पहले भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। आज देश की पहचान नयी सड़कों, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर अभियान और तेज विकास दर से होती है। शाह ने आगे कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुरक्षा और स्वाभिमान तीनों मोर्चों पर ऐतिहासिक प्रगति की है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे बिहार को "भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति" से मुक्त रखने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए को पुनः सशक्त बनाएं। इस मौके पर मंच पर बड़ी संख्या में भाजपा और जदयू के नेता मौजूद थे।

विश्व शांति स्तूप : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर स्थित रत्नागिरी पर्वत पर शनिवार को विश्व शांति स्तूप का 56वां वार्षिकोत्सव समारोह अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा रत्नागिरी पर्वतीय परिसर 'ना म्यो हो रें गे क्यो' और 'बुद्धं-धम्मं-संघं शरणं गच्छामि' के पवित्र उच्चारणों से गुंजायमान हो उठा। आयोजन राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी, पटना तथा बिहार पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में जापान सहित कई बौद्ध देशों के प्रमुख धर्मगुरु, भिक्षु और अनुयायी शामिल हुए। बौद्ध रीति-रिवाज के अनुसार पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान संपन्न किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान ने कहा कि राजगीर का विश्व शांति स्तूप आज वैश्विक स्तर पर करुणा, अहिंसा और सद्भाव का संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच मित्रता का यह अटूट बंधन विश्व समुदाय के लिए शांति और सहयोग का आदर्श है। बुद्ध ने जो शिक्षा दी, वह आज भी प्रासंगिक है किसी बात को अंधविश्वास से मत मानो, उसे परखो और समझो, फिर उस पर अमल करो। राज्यपाल ने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई और जापान के परम पूज्य निचिदात्सु फ़ूजी गुरुजी के मार्गदर्शन में स्थापित राजगीर बुद्ध विहार सोसायटी ने आधी सदी से अधिक समय से भारत-जापान मैत्री को सशक्त करने और विश्व शांति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। जापानी प्रतिनिधि ने दी श्रद्धांजलि, कहा — निचिरेन बोधिसत्व की भविष्यवाणी हो रही पूर्ण सीजीसी कंपनी जापान के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर एवं शांतुको पिलग्रिमेज मिशन ऑफ इंडिया के लीडर केन्सुके होरियूचि ने कहा कि साढ़े सात सौ वर्ष पूर्व जापान के संत निचिरेन बोधिसत्व ने जिस भविष्यवाणी में बौद्ध धर्म के पुनरुत्थान की बात कही थी, वह आज सत्य हो रही है। उन्होंने विश्व शांति स्तूप को भारत-जापान की आध्यात्मिक एकता का प्रतीक बताया। निप्पोनज़न म्योहोजी के वरिष्ठ भिक्षु रेवरेंड एम. असाई ने गुरु फ़ूजी के उपदेशों का पाठ करते हुए कहा कि 'ना म्यो हो रें गे क्यो' का जाप विश्व में सद्भाव, पवित्रता और सकारात्मक विचारों के प्रसार का माध्यम है। इस अवसर पर नालंदा डीएम कुंदन कुमार, एसपी भारत सोनी, डीडीसी दीपक मिश्रा, विश्व शांति स्तूप के मठाधीश टी. ओकोनोगी, महाबोधि मंदिर बोधगया के मुख्य भिक्षु चालिन्दा भंते, एसडीएम आशीष नारायण, डीएसपी सुनील कुमार सिंह, थानाध्यक्ष रमण कुमार, रोपवे प्रबंधक दीपक कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुंगेर विश्वविद्यालय ने छठ से पहले कर्मचारियों के खाते में भेजा वेतन, 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता भी शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों का अक्टूबर 2025 माह का वेतन शनिवार को उनके खातों में भेज दिया गया। छठ महापर्व से पहले वेतन भुगतान होने से कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। ज्ञात हो कि राज्य सरकार ने 21 अक्टूबर को छठ पर्व को देखते हुए सभी कर्मचारियों को अक्टूबर माह का वेतन अग्रिम भुगतान करने का आदेश दिया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने 24 अक्टूबर को निदेशक प्रोफेसर नवीन कुमार अग्रवाल के माध्यम से पत्र जारी कर विश्वविद्यालयों को 58% महंगाई भत्ते के साथ वेतन भुगतान का निर्देश दिया था। निर्देश मिलते ही मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भुगतान प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय, वित्त पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद, लेखा शाखा के अधिकारी गुंजेश कुमार सिंह, मोहम्मद सफीक, राकेश कुमार और राजकुमार के संयुक्त प्रयास से अवकाश के बावजूद 25 अक्टूबर को सभी कर्मचारियों के खातों में वेतन हस्तांतरित किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि समय पर वेतन भुगतान से कर्मचारियों को छठ पर्व की तैयारियों में सुविधा होगी। विश्वविद्यालय ने यह भी कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को पारदर्शिता और तत्परता से पूरा किया जाएगा।

छठ व्रतियों को बादशाह इंडस्ट्रीज ने वितरित की पूजा सामग्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर बादशाह इंडस्ट्रीज की ओर से छठ व्रतियों को 2,500 सूप पूजन सामग्री वितरित की गई। धुप-अगरबत्ती और हवन सामग्री के निर्माता कंपनी के संस्थापक सरदार जगजीवन सिंह एवं उनके परिवार ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक कुमार चौधरी, विधान पार्षद संजय सिंह, धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष रणवीर नंदन, नगर परिषद के छोटू सिंह, आसिफ कमाल, ओम प्रकाश सेतु, सुषमा साहू, अनजुम आरा, मनवीर सिंह, स्वर्ण सिंह, अनिल यादव, कवलजीत सिंह, रणजीत सिंह छाबड़ा, गुरमेज सिंह, कमलजीत सिंह बग्गा, राजीव कुमार (बुल्लू जी) सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में कंपनी के प्रबंध निदेशक सरदार जगजीवन सिंह, मनबीर सिंह और स्वर्ण सिंह ने बताया कि यह परंपरा पिछले 17 वर्षों से लगातार जारी है। उन्होंने छठ व्रतियों से जल संरक्षण के लिए हर व्यक्ति कम से कम एक पेड़ लगाने का संकल्प लेने की अपील की।

माले के सदस्य और समर्थक गिरिडीह नगरनिगम के लगभग सभी घाटों का निरीक्षण करेंगे : राजेश सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि नगरनिगम क्षेत्र के लगभग सभी छठ घाटों में घूम कर सफाई का जायजा लिया जाएगा,आखिर किस जगह क्या कमी रह गई है वह नगरनिगम के अधिकारियों को सूचित करेगा माले,गिरिडीह नगर के माले के साथियों से अपील किया गया है कि अपने आस पास के घाटों का निरीक्षण करें और वस्तुस्थिति बताया जाय,हालांकि नगरनिगम के के अधिकारी, कर्मी, संवेदक तेजी से कार्य कर रहे है,सफाई करवाना, छठव्रतियों के रास्ते को आरामदायक बनाना,नाली का कचड़ा हटवाना,कचड़ा को सही जगह जगह पहुंचना ,खुला नाली को सीमेंट से ढकने की बात करना प्राथमिकता है,किंतु कई घाट यदि उपेक्षित रह जाते है तो माले के सदस्य जगह जगह अपने लेवल से जांच कर, फोटो वीडियो नगरनिगम को भेज देंगे नगरनिगम के पास 24 घंटे से भी ज्यादा समय होगा, जिससे समय पर सब बेहतर हो सके,हम सब प्रयास करेंगे। माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि दुर्गापूजा में क्या काम हुआ क्या नहीं हुआ इसकी भी समीक्षा बैठक होती तो पता चल पाता कहा चूक हुई है, किसी भी पर्व के पहले यदि बैठक हो रही है तो बाद में भी सभी प्रतिनिधि को बुलाकर एक बार सभी अधिकारियों के द्वारा समीक्षा बैठक होनी चाहिए थी जो नहीं हो पाती गिरिडीह में,हालांकि नगरविकास मंत्री के द्वारा बेहतर पहल लगभग प्रत्येक साल निरीक्षण किया जा रहा है,राज्य की सत्ता परिवर्तन से पहले ऐसी व्यवस्था नहीं थी,अब बेहतर सुधार है,किंतु अब भी कई अखबारों में,कई फोन कोल में कमी की बात की गई है जिसको चिन्हित कर कार्य को करें प्रशासन। सिन्हा ने सभी घाटों की समितियों से अपील की है कि खुलकर बात करें,गलत कार्य हो रहा है तो विरोध करें,कार्य में तेजी आएगी।

काझा कोठी के पास भीषण सड़क हादसा ओटो चालक की घटनास्थल पर मौत, धनतेरस के दिन खरीदा था नया वाहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केनगर /पूर्णिया। शुक्रवार की रात्रि करीब नौ बजे एसएच-65 मार्ग पर काझा कोठी स्थित नर्सरी के पास एक भीषण सड़क हादसे में ओटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गणेशपुर पंचायत वार्ड संख्या 17 निवासी मन्नी पासवान के 30 वर्षीय पुत्र विपिन पासवान के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विपिन पासवान ने धनतेरस के दिन ही नया सीएनजी चालित ऑटो खरीदा था और वह स्वयं चलाकर यात्रियों को लाने-ले जाने का कार्य करता था। शुक्रवार की शाम वह सवारी को पूर्णिया छोड़कर घर लौट रहा था, तभी विपरीत दिशा से तेज रफ़्तार और अनियंत्रित पीकअप वैन ने उसके ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और चालक विपिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पीकअप वैन चालक वाहन समेत फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। काझा पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार साह, गणेशपुर पंचायत के मुखिया अंजनी पासवान, उपसरपंच कलानंद पासवान, अभिमन्यु पासवान सहित स्थानीय लोगों की सहायता से पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, पूर्णिया भेज दिया।

भाजपा नेता विनय कुमार सिंह ने सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की पवित्रता एवं स्वच्छता को देखते हुए सभी छठवांतियों के घरों में लगभग 15 दिन पूर्व से ही साफ सफाई का कार्य होने लगता है एवं सभी छठ घाटों के समितियों द्वारा भी अपने-अपने घाटो के समतलीकरण एवं सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया जाता हैं, इस क्रम में सेवानिवृत्ति इंजीनियर विनय कुमार सिंह भाजपा नेता के द्वारा बनखंजो, अमित बरदियार छठ घाट शास्त्रीनगर, शिव घाट मेट्रोकसगली ,अरगाघाट , शिव शक्ति घाट ,लखारी तालाब आदि छठ घाटो का निरीक्षण कर बताया गया कि संबंधित घाटों के छठ पूजा समिति द्वारा पूरी मेहनत कर छठव्रतीतो को सुविधा प्रदान करने हेतु हर छठ घाट पर साफ सफाई का कार्य तेजी से कराया जा रहा हैं उक्त कार्य को जिला प्रशासन, एवं नगर निगम द्वारा भी अपने स्तर से देखा जा रहा हैं ,निरीक्षण के क्रम में कई घाटों पर अभी सफाई एवं समतलीकरण का कार्य पूरा नहीं हुआ है इसके संबंध में सिंह द्वारा बताया गया की हर घाटों की सफाई एवं समतलीकरण समय पर पूरा कराने हेतु नगर निगम गिरिडीह के नगर उप आयुक्त प्रशांत कुमार एवं संबंधित संवेदक सुनील कुमार से बातचीत हुई जिनके द्वारा बताया गया की छठ पूजा से पहले सफाई पूरा कर लिया जाएगा लखारी तालाब की स्थिति अच्छी नहीं है जिसके तरफ संबंधित संवेदक को धयानाकृषट कराया गया, इस क्रम में कमेटी के सदस्य प्रदीप यादव रंजय बरदियार नवीन सिन्हा राहुल तांती सुनील राम आदि समिति के सदस्यों से बातें हुयी,

कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह ने धनवार प्रखंड का दौरा किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। धनंजय सिंह इस क्रम में वे मजलाडीह, पलंगी,हेमरोडीह, खेशरंभा ,नावाडीह गांव गए आम जनता एवं कार्यकताओं से मुलाकात किया।

सिंह ने कहा कि बिहार के चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनने वाली है।

सिंह ने पत्रकारों को बताया कि धनवार प्रखंड जिला बनने की पूरी अहर्ता रखती हैं, इस संबंध मे पार्टी फॉर्म में और संबंधित मंत्री से बात की जाएगी सिंह गरडीह गांव गए जहां पिछले दिनों गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दी गई थी,मृतक रवि सिंह के परिवार वालों से मुलाकात किया, उसके बाद प्रदेश के चर्चित छठ घाट गए भी गए वहां के समिति के अध्यक्ष अनूप संथालिया से मिले उन्होंने इनके कार्य

को सराहा सिंह ने बताया कि अनूप संथालिया 1988 से इस पवित्र कार्य से जुड़े हुए हैं फिर एक सामाजिक कार्यक्रम में धर्मपुर गांव गए। साथ में राहुल सिंह, विकास यादव थे।

नहाय खाय के साथ सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा स्थापित, चार दिनों तक पूरे विधि-विधान के साथ की जाएगी पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। छठ महापर्व की पवित्र शुरूआत नहाय खाय के अवसर पर मेट्रोस गली स्थित अपने आवासीय परिसर में शालिनी बैसखियार द्वारा सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। सूर्य देवता की प्रतिमा स्थापना के साथ ही चार दिनों तक चलने वाले व्रत की धार्मिक विधियों की शुरूआत हो गई है इस दौरान शालिनी वैशखियार ने बताया कि पूजा-अर्चना का कार्य प्रतिदिन तय समयानुसार किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र की कई श्रद्धालु महिलाएं शामिल रहेंगी। पारन के दिन शाम को सूर्यदेव की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया जाएगा इस अवसर पर परिसर का वातावरण पूर्णतः भक्ति और उत्साह से सराबोर दिखा। स्थानीय महिलाओं ने

एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और छठ मइया के गीतों के साथ माहौल को और अधिक श्रद्धामय बना दिया। यह आयोजन पूरे इलाके में आस्था का विशेष केंद्र बन गया है।

रूपौली में संवाद और समर्थन का नया परिदृश्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रूपाली/ पूर्णिया। रूपौली विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों राजनीतिक तापमान धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। यहाँ जनता का रुझान अब सामान्य बहस से आगे निकलकर गहन संवाद के रूप में दिख रहा है। शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह के जनसंपर्क अभियान के दौरान जो दृश्य सामने आया, उसने यह संकेत दिया कि क्षेत्र में इस बार मतदाताओं का मूड पारंपरिक सीमाओं से अलग हो चुका है।

ग्रामीण इलाकों में हुए संपर्क कार्यक्रमों के दौरान लोगों की उपस्थिति और उत्साह उल्लेखनीय रहा। स्थानीय नागरिकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास जैसे बुनियादी मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। मौके पर शंकर सिंह ने कहा कि 'रूपौली की जनता अपने अधिकारों और जरूरतों को लेकर पहले से कहीं अधिक सजग हो चुकी है। लोकतंत्र की असली ताकत यही जनजागरण है, जहाँ लोग स्वयं मुद्दे तय करते हैं और जिम्मेदारी की मांग करते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'यह समय किसी टकराव का नहीं, बल्कि संवाद और समाधान का है। क्षेत्र की असली प्रगति तभी संभव है जब जनता, जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक साझा सोच के साथ आगे बढ़ें।' शुक्रवार की शाम मेंहदी स्थित सांस्कृतिक मंच पर आयोजित कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में युवाओं और कलाकारों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद मंच पर स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक कला और लोकसंस्कृति की प्रस्तुति दी। शंकर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि 'रूपौली की मिट्टी में कला, संस्कृति और संस्कार की अनमोल विरासत है। अगर इसे सही दिशा दी जाए, तो यह क्षेत्र न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी सशक्त बन सकता है।' जनसंपर्क और सांस्कृतिक कार्यक्रम दोनों में यह साफ झलकता रहा कि रूपौली के लोग इस बार अपने प्रतिनिधियों से अपेक्षा कर रहे हैं कि वे केवल वादे नहीं, बल्कि व्यवहारिक योजनाओं के साथ आगे आएँ। रूपौली की गलियों में अब जो चर्चा चल रही है, वह किसी दल या प्रतीक से अधिक उस सोच की है जो जनता को केंद्र में रखती है। शंकर सिंह का संवाद उसी दिशा की ओर इशारा करता है।

पचम्बा गौशाला मेला की तैयारी को ले प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पचम्बा स्थित ऐतिहासिक गौशाला मेला (128वां) को लेकर आज जिला प्रशासन की ओर से गौशाला समिति के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सदर एसडीएम श्रीकांत यशवंत बिस्पुते ने की बैठक में मेला की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। एसडीएम ने मेला परिसर का निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात नियंत्रण एवं बिजली-पानी की उपलब्धता जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने मेला आयोजन समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

आस्था के महापर्व छठ पूजा पर छठ व्रतियों के लिये बादशाह इंडस्ट्रीज की ओर से पूजन सामग्री का वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। धुप अगरबत्ती हवन सामग्री के निर्माता बादशाह इंडस्ट्रीज के संस्थापक जगजीवन सिंह एवं समस्त बादशाह परिवार के सौजन्य से आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर छठ व्रतियों के सेवार्थ 2500 सूप-पूजन सामग्री सहित वितरित किया गया।

इस अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक कुमार चौधरी, विधान पार्षद के अध्यक्ष रणवीर नन्दन, नगर परिषद छोटू सिंह, आसिफ कमाल, ओम प्रकाश सेतु, सुषमा साहु, अनजुम आरा, मनवीर सिंह, स्वर्ण सिंह, अनिल यादव, कवलजीत सिंह, रणजीत सिंह छाबड़ा, गुरमेज सिंह कमलजीत सिंह बग्गा, राजीव कुमार (बुल्लू जी) एवं मां वैष्णो देवी सेवा समिति, श्री श्री राम नवमी शोभा यात्रा अभिनंदन समिति, भारत विकाश परिषद, लायन क्लब फैवरिट श्री गुरुसिंह सभा

गोविन्द नगर चितकोहरा एवं समाज सेवी लोगों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक सरदार जगजीवन सिंह, मनबीर सिंह, स्वर्ण सिंह ने बताया कि यह पूजन सामग्री पिछले 17 वर्षों से लगातार आस्था के इस माहपर्व पर छठ वर्तियों के बीच पूजन सामग्री वितरित किया जा रहा है। खासकर इस महान पर्व पर पूरे देश एवं बिहार वासियों से सरदार जगीवन सिंह ने हाथ जोड़कर विनती कि हम सब मिलकर संकल्प ले कि एक पेड़ अवश्य लगाये ताकि जल का संरक्षण हो सके अमलोगों के जीवन में जल बहुत जरूरी है जल है तो जीवन है जल संरक्षण के लिए हरियाली बहुत जरूरी है और हरियाली के लिए एक पेड़ आवश्य लगायें। बादशाह अगरबत्ती का विनम्र संदेश (जीते जी रक्त दान, मृत्युपरांत अंग दान) छठ मैया से बिहार कि दिन-दुनी, रात चौगुनी तरक्की की कामना की है।

असभ्य व्यक्ति से सरेआम माफी मंगवा कर महिला सम्मान का अच्छा उदाहरण दिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज मैं कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतीश केडिया एवं दिनेश यादव को गिरिडीह महिलाओं के तरफ से आभार व्यक्त करती हूं इन्होंने महिलाओं की हौसला टूटने नही दिया पिछले दिनों एक असभ्य व्यक्ति ने हमारे ऊपर अभद्र टिप्पणी की थी वो अभद्र टिप्पणी सिर्फ मेरे ऊपर नहीं बल्कि सभी कांग्रेस समर्थित महिलाओं पर की गई थी इससे दुखित होकर मै गिरिडीह महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दी थी परन्तु आज केडिया एवं यादव ने उस असभ्य व्यक्ति से सरेआम माफी मंगवा कर महिला सम्मान सर्वोपरी का अच्छा उदाहरण दिया इससे सिर्फ मै नहीं बल्कि गिरिडीह की समस्त महिला संतुष्ट होंगी श्री केडिया जी का प्रस्ताव है कि हम महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद पर कार्य करती रहूं हमने उनसे कहा कि मेरे लिए महिला सम्मान सर्वोपरी है इसलिए उनका प्रस्ताव हमें मंजूर है परंतु मैं अपने साथ सभी महिलाओं से चर्चा करने के बाद ही अपने पद पर कार्य करूंगी मैं सभी महिलाओं से कहना चाहुंगी कि अपनी प्रतिष्ठा के लिए डरे नहीं शर्माए नहीं।

लोकआस्था का महापर्व छठ, नहाय-खाय की तैयारियों के साथ हुआ शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लोक आस्था का महापर्व छठ बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ शुरू हो गया है। आज नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय इस पर्व की शुरूआत हुई, जिससे पूरे जिले का वातावरण भक्तिमय हो उठा है। घर-घर में छठी मइया के गीतों की गूंज सुनाई दे रही है और बाजारों में छठ से संबंधित खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ पड़ी है। बाजारों में सब्जियों की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई

है। जानकारी के अनुसार नया आलू 50 रुपये किलो, कद्दू 40 से 50 रुपये किलो, कोहड़ा 60 रुपये किलो, धनिया पत्ता 300 रुपये किलो और मूली 40 रुपये किलो बिक रही है। बावजूद इसके श्रद्धालु उत्साह से भरे हुए हैं और पूरी निष्ठा से पर्व की तैयारियों में जुटे हैं। महिलाएं पूरे श्रद्धा भाव से नहाय-खाय की विधि पूरी करने में व्यस्त हैं, जिससे घर-आंगन में भक्ति और आस्था का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

नहाय खाय के साथ शुरू हुआ लोकआस्था का महापर्व छठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नहाय खाय के साथ चारदिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ व्रत शनिवार से शुरू हो गया। पूरे उत्तर भारत में मुख्य पर्व के रूप में मनाया जाने वाला छठ महापर्व को लेकर लोगों में एक अलग ही उत्साह है। गिरिडीह में भी शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में छठ महापर्व को लेकर लोगों में एक अलग सा उत्साह देखा जा रहा है।सूर्य उपासना का महापर्व छठ के पहले दिन शनिवार को वर्तियों ने अहले सुबह नदी व तालाबों में स्नान करने के बाद नहाय खाय के प्रसाद के रूप कद्दू भात बनाने में जुट गई। दोपहर तक वर्तियों ने पूरी शुद्धता के साथ कद्दु भात के अलावे विभिन्न प्रकार के व्यजंन तैयार किया और भगवान सूर्य का ध्यान करने के बाद पहले वर्तियों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ स्वजनों व परिचितों ने भी व्रतियों के घर पर पहुंचकर नहाय खाय का प्रसाद ग्रहण किया।

किन्नर आशा सिंह व डॉ. रेशम प्रिया ने छठ व्रतियों के बीच वितरित किया कद्दू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। छठ महापर्व में छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं के बीच कई सामाजिक सांस्कृतिक व स्वयंसेवी संगठन आगे बढ़ चढ़कर छठ व्रतियों की सेवा में लगे रहते हैं। इनमें कुछ ऐसे लोग भी हैं जो व्यक्तिगत तौर पर भी छत व्रतियों को कई तरह से सुविधा प्रदान करने का काम करते हैं। ऐसा ही कुछ नजारा शनिवार को पलामू जिला मुख्यालय मेदिनी नगर शहर के वेलवाटिका चौक पर देखने को मिला किन्नर आशा सिंह व डॉक्टर रेशम प्रिया ने छठ व्रतियोंके बीच कद्दू का वितरण किया। सैकड़ों की संख्या में छठ व्रतियों ने कद्दू प्राप्त किया। साथ ही घर पर जाकर प्रसाद ग्रहण किए। किन्नर आशा सिंह व डॉक्टर प्रिया द्वारा किए गए सामाजिक काम के लिए कई लोगों ने उन्हें बधाई दी है। इस महान कार्य में कुशवाहा मेडिकल हॉल के संचालक व उनके पुत्र ने काफी मदद की है।

नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/ बक्सर। चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व छठ का अनुष्ठान शनिवार से नहाय-खाय के साथ आरंभ गया है। पहले दिन व्रतियों ने स्नान किए जाने के बाद नए वस्त्र धारण किए। इसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर बने कद्दू और चना दाल की सब्जी एवं चावल का भोग लगाया और उसे स्वजनों के साथ प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। रविवार की शाम लोगों के घरों में खरना का प्रसाद बना और इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो गया। इसके अगले दिन सोमवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिए जाने के बाद चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हो जाएगा। इधर चुनावी व्यस्तता के बीच अधिकारियों का ध्यान छठ पूजा की तैयारियों पर पिछले आयोजनों की अपेक्षा इस बार काफी कम है। शनिवार को रेडक्रास के सचिव श्रवण तिवारी और नगर परिषद की मुख्य पार्षद कमरुन निशा के प्रतिनिधि नियामतुल्ला फरीदी ने छठ घाटों का जायजा लिया। साथ ही कमियां दूर करने के लिए नगर परिषद के कर्मचारियों को निर्देशित किया। लोक आस्था व सूर्योपासना का महापर्व छठ प्रकृति का पर्व है, और विशेष बात तो यह है कि यह पर्व बिना किसी कर्मकांड के संपन्न होता है, जिसमें सूर्य की उपासना तो की ही जाती है, प्रसाद के रूप में मौसमी फल, सब्जी और अनाज का उपयोग किया जाता है। महापर्व छठ का उत्साह देखते ही बन रहा है, शायद ही कोई घर बचा है जो इस अनुष्ठान को पूरा करने से बचा हो। शहर से लेकर कस्बाई इलाकों तक छठ गीतों की मधुर संगीत सुनाई पड़ रही है। सभी जगह फलों की दुकानें सज-धज कर तैयार हैं। सीताफल, गागर नींबू, अनानास, आम, आलू बुखारा आदि फल जो दीपावली से पहले तक बाजार में उपलब्ध नहीं थे उन सबों की भी आवक पर्याप्त मात्रा में हुई है। छठ में पवित्रता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस कारण नहाय-खाय से पहले घर के कोने-कोने की लोगों ने बेहतर ढंग से साफ-सफाई पूरी की।

उपायुक्त ने की छठ पर्व की तैयारियों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। छठ महापर्व की तैयारियों के दृष्टिगत समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी आर. रॉनिटा द्वारा की गई। बैठक में जिले के प्रमुख छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, नदी व तालाब घाटों की साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, मेडिकल रिस्पॉन्स टीम की उपलब्धता, गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति, यातायात ट्रैफिक व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था समेत सभी आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छठ घाटों पर बैरिकेडिंग, उचित लाइटिंग एवं अग्नि सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित हो, संवेदनशील घाटों पर गोताखोरों की टीम की तैनाती रहे। नगर पंचायत द्वारा वार्ड स्तर पर व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। चिकित्सा विभाग द्वारा एंबुलेंस, प्राथमिक उपचार एवं मेडिकल टीम घाटों पर उपलब्ध रहें। विद्युत विभाग निर्बाध बिजली आपूर्ति की सुनिश्चितता करे और सभी घाटों पर अस्थायी प्रकाश व्यवस्था लगाई जाए। नगर पंचायत क्षेत्र में लगे सभी सीसी टीवी को सक्रिय रहे।

उपायुक्त ने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसलिए सभी विभाग समय पर कार्य पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की वह छठ घाटों का भ्रमण कर उक्त निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। निरंतर निगरानी की जाए तथा विभागीय समन्वय के माध्यम से छठ पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। बैठक में उपस्थित अधिकारियों से उपायुक्त ने फील्ड में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण तैयारी रखने को कहा। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, डीसीएलआर अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत खूंटी, कार्यपालक अभियंता विद्युत, बीडीओ खूँटी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रंगदारी नहीं देने पर दुकान में लगायी आग

जमशेदपुर। साकची थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास स्थित पलंग मार्केट में शनिवार की मध्यरात्रि आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की इस घटना में दो दुकानों के छह पलंग और गद्दे जलकर खाक हो गए। घटना में दुकानदार मानगो निवासी मोहम्मद इस्लाम तथा उनके पड़ोसी दुकानदार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को खबर दी गई। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास की छायाबस्ती में रहने वाले लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। दुकानदार मोहम्मद इस्लाम ने आरोप लगाया कि क्षेत्र का एक युवक सीने अक्सर उनसे रंगदारी की मांग करता था। शुक्रवार शाम उसने शराब पीने के लिए 50 रुपये की मांग की थी। जब इस्लाम ने पैसे देने से इंकार कर दिया तो युवक ने धमकी दी थी कि वह दुकान में आग लगा देगा। इस्लाम का कहना है कि उसी युवक ने घटना को अंजाम दिया है। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

मतदाताओं की मैपिंग के लिए दिए गये निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए आवश्यक सभी तैयारियां पूरी कर लें। एसआईआर के क्रम में कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज समर्पित करना पड़े इसके लिए 2003 के मतदाता सूची से उनकी पैतृक मैपिंग आवश्यक है। श्री कुमार शनिवार को निर्वाचन सदन से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिलों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्प डेस्क मैनेजर के साथ समीक्षा बैठक के साथ साथ पैतृक मैपिंग की ट्रेनिंग भी दे रहे थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि आयोग द्वारा मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाए जाने हेतु तैयारियां की जा रही है। इसके क्रम में राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में आवश्यक तैयारियों को ससमय पूरा करने के निर्देश प्राप्त है। राज्य में अभी भी मैपिंग का कार्य जारी है इसे गति देने के उद्देश्य से सभी पंचायत एवं वार्ड के स्तर पर कैंप लगाकर कार्य करना है। मैपिंग के क्रम में इस बात का ध्यान रखें कि सभी वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं को आयोग द्वारा बताए गए दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए कार्य किए जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं के पैतृक मैपिंग करते हुए उनके भौतिक एवं बीएलओ ऐप पर मार्किंग करना सुनिश्चित करें जिससे गहन पुनरीक्षण के कार्य के लिए त्रुटिरहित डेटा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर सहित ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पडेस्क मैनेजर उपस्थित रहे।

चेरो जनजातीय महासंघ ने श्रमदान कर बनाया पथ

- जनसमस्याओं का हर हाल में होगा समाधान : अर्जुन सिंह
- ग्रामीणों की परेशानी को देख बनाया गया पथ : मुखिया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी हृदया सिंह, पलामू जिला अध्यक्ष सह मुखिया पति सुआ उपाध्या सिंह, सदर उप प्रमुख चेरो शीतल सिंह निराला, मुखिया दुलारी देवी के पहल पर सदर प्रखंड के पंचायत सुआ में कोयल नदी श्मशान घाट व छठ घाट तक पथ निर्माण कराया गया। पूर्व में उक्त जगहों पर जाने के लिए सड़क नहीं रहने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। यह मुद्दा पिछले दो-तीन दशक से चलते आ रहा था, जिसे रोड निकालने में राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ के प्रयास से लगभाग 1.25 किलोमीटर दूरी का रोड ग्रामीणों के बीच बैठक में समन्वय बनाकर जन सहयोग से बनाया गया। इसमें सुआ मुखिया दुलारी देवी ने जेसीबी से रोड बनाने में आर्थिक सहयोग किया।

महासंघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी हृदया सिंह ने एक पुलिया देकर रोड को बनवाया। सुआ के टोला बुढ़वा पीपल के ग्रामीणों ने चंदा लगाकर व श्रमदान कर पथ चलने लायक बनाया।

श्मशान घाट जाने व वर्तमान में छठ घाट जाने में काफी सहूलियत होगी। पथ बन जाने से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया । मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने कहा कि जनसमस्याओं का हर हाल में निदान किया जायेगा। पथ नहीं रहने से लोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही थी। मुखिया दुलारी देवी ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा छठ पर्व व किसी के देहांत होने पर जाने के लिए रोड बनवाने का मांग किया जा रहा था।

घाटशिला उपचुनाव को ले प्रशासन ने की बैठक

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने 45 घाटशिला विधानसभा उप चुनाव, 2025 की तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम को आवश्यक निर्देश दिए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उप चुनाव की तैयारी में पारदर्शिता और पीठासीन पदाधिकारियों के प्रशिक्षण की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पीठासीन पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के दौरान यह अनिवार्य किया है कि सभी पीठासीन पदाधिकारी मतदान का 'मॉक ड्रिल' करें। इस ड्रिल में कम से कम 100 वोट डालकर उनके वीवीपैट स्लिप्स का मिलान किया जाना है। सीईओ ने इस संबंध में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

इसके अतिरिक्त, आयोग ने कम से कम 50 पीठासीन पदाधिकारियों का इस मॉक ड्रिल के संबंध में 'टेस्टीमोनियल' तैयार कर जिला निर्वाचन पदाधिकारी के सोशल मीडिया हैंडल्स और वेबसाइट पर पोस्ट किए जाने का भी निर्देश दिया है। श्री कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी से कहा है कि आयोग द्वारा निर्देशित मॉक ड्रिल सुनिश्चित कराते हुए इससे संबंधित प्रतिवेदन और टेस्टीमोनियल तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए व्यापक रूप से प्रसारित किया जा सके।

होटल पर छापेमारी

बोकारो। शनिवार को बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने पेटरवार प्रखंड के लेपो गांव स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 23 पर स्थित लक्ष्मी लाइन होटल पर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में यह पाया गया कि होटल में बिना मीटर विद्युत का अवैध उपयोग किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि होटल में लगी मीटर के माध्यम से विद्युत उपभोग लगभग 1,50,000 रुपए की राशि में छुपाया गया था और वर्तमान में मीटर को किसी अन्य स्थान पर ले जाया गया है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता पहल के तहत मानव श्रृंखला का आयोजन सिंटर प्लांट एवं सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सिंटर प्लांट के मुख्य मार्ग पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों और नारों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश दिया।कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक पी. चौधरी उपस्थित रहे। साथ में महाप्रबंधक आई. मुखर्जी, महाप्रबंधक अंशुमाली, महाप्रबंधक राजेश कुमार, सहायक महाप्रबंधक मनोज कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा श्रमिक उपस्थित थे। सभी ने सुरक्षा तख्तियों और बैनरों के माध्यम से सड़क पर सतर्कता बरतने, यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया।

इस पहल का उद्देश्य प्लांट के कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करना था। बोकारो स्टील प्लांट सदैव अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता आया है ।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सं. डीसीपीएम-जीएस-ईएनजी-एसडीएएच-07-25-26 (दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदा), दिनांक 16.10.2025. उप सीपीएम/ जीएसयू/ इंजी, पूर्व रेलवे, सियालदह, आरएमएस भवन (तीसरी मंजिल), कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में सरगाछी और कासिमबाजार स्टेशन में सभी मौसम रोधी पूर्णतः कवर किए गए माल शेड का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य:** रु. 27,03,39,280.14; **बयाना राशि:** रु. 15,01,700.00; **निविदा दस्तावेज की कीमत :** शून्य। **पूर्णावधि :** 12 (बारह) माह। **खुलने की तारीख :** 12.11.2025 को 15:00 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली उपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के माध्यम से प्रस्तुत की जानी है। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और यदि कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं कियाया जाएगा तथा उसे सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

(SDAH/237/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एईएन/शॉप/ईओटी क्रेन गैन्ट्री/एलएलएच/25-26, दिनांक: 24.10.2025. मुख्य निर्माण प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा रेलवे के प्रतिष्ठित अनुमोदित और योग्य ठेकेदारों और सरकारी विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की उपयुक्त सूची के लोगों से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:- **निविदा सं. एवं कार्य का नाम:** एईएनशॉपईओटीसीजी-एलएलएच-25-26 और लिलुआ के लिए खुली ई-निविदा-सी शॉप के पीछे और पुराने एमआईडीसी गैस गोदाम और ई शॉप ऑफिस के बीच नए शेड (23.0एम x 10.0एम) का निर्माण, विद्युतीकरण कार्य के साथ 2टी क्षमता ईओटी क्रेन क्वांटरव के प्रावधान के साथ गोदाम; **निविदा मूल्य:** रु. 50,00,315.19; **निविदा दस्तावेज की लागत:** शून्य; **बोली सुरक्षा (रु.) :** 1,00,000.00; **निविदा दस्तावेज की लागत:** शून्य; **समापन अवधि: 270 दिन; निविदा बंद होने की तिथि और समय: 17.11.2025 को 12.00 बजे तक।** निविदा का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) के साथ उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(MISC-253/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

भाजपा ने झामुमो पर साधा निशाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश वर्मा ने बिहार विधानसभा चुनाव के निमित्त इंडिया गठबंधन से राजद व कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा झारखंड के मुख्य सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा को बाहर किए जाने पर झामुमो को चिंता व चिंतन करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि झामुमो शुरू से इंडिया गठबंधन को मजबूती प्रदान करते हुए झारखंड में कांग्रेस व राजद को औकात से अधिक चुनावी हिस्से व सत्ता की भागीदारी में स्थान देखकर मान सम्मान दिया। मगर बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए राजद- कांग्रेस द्वारा झामुमो को बिहार में कुछ सीट देने की बात आई तो दूध में गिरे मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया।

अविनाश वर्मा ने पूछा कि क्या यह झारखंड के उन पार्टियों में आस्था व्यक्त करने वाले लोगों का अपमान नहीं है। क्या यह दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन का अपमान नहीं है। क्या यह झारखंड के 3.5 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा मुख्यमंत्री का अपमान नहीं है।कहा कि हर बात में अपने दल से जुड़ी सभी चीजों को झारखंडी अस्मिता का हवाला देने वाली झामुमो को अब इन सभी प्रश्नों का उत्तर बिहार चुनाव परिणाम से पहले व गठबंधन की समीक्षा किए वगैर अविलंब कांग्रेस-राजद को बाहर का रास्ता दिखाते हुए पूरे देश के सामने अपनी दृढ़इच्छा शक्ति का उदाहरण पेश करना चाहिए। अविनाश वर्मा ने अंदरुनी बातों का हवाला देते हुए कहा कि झारखंड में राजद कोटे के एक मात्र मंत्री पुत्र को बिहार में टिकट देने के कारण पूरे झामुमो को ठेंगा दिखा दिया गया। मंत्री पुत्र को कांग्रेस के परंपरागत सीट कहलगांव से राजद ने उम्मीदवार बना दिया। ऐसी स्थिति में गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व या झारखंड में राजद कोट के मंत्री द्वारा रत्ती भर भी झामुमो की भावनाओं का ख्याल नहीं किया। इस तरह अपने पुत्रमोह में झामुमो को औकात बता दिया।उन्होंने झारखंड के मंत्री पर चुटकी लेते हुए कहा कि पिता व पुत्र बिहार निवासी और झामुमो को ही कर दिया बाहर। इस तरह के अपने अपमान का बदला, गठबंधन में शामिल दलों को संदेश, झारखंडी अस्मिता, झारखंड के नायक रहे गुरु जी के द्वारा गठित पार्टी के सम्मान के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री को युवा तुर्क की परिभाषा को परिभाषित करते हुए ऐसा निर्णय लेना चाहिए।

लोगों ने की छठ घाट की सफाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के पंडवा प्रखंड क्षेत्र के पंडवा में छठ घाट की सफाई की जा रही है। शनिवार को पंडवा के छठ घाट पर फेयर माइन कार्बन कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी व स्थानीय लोगों ने मिलकर कर सफाई की। फेयर फेयर माइन कार्बन कंपनी के जीएम सुभाष कुमार सिन्हा व पीआरओ अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि सीएसआर के तहत कंपनी पंडवा के छठ व्रतियों को सुविधा को देखते हुए घाट पर सफाई, लाइटिंग, दरी, समियाना के साथ- साथ फल वितरित निस्वार्थ भाव से कर रही है। कहा कि पंडवा गांव स्थित सभी छठ घाट पर सुविधा उपलब्ध कराया गया है। मौके पर कंपनी के लाइजनिंग पदाधिकारी शशांक कुमार सिंह, माइंस मैनेजर संजय कुमार, आशीष कुमार उपाध्याय, सिद्धार्थ दुबे, समाजिक कार्यकर्ता जयपाल सिंह, अजय कुमार चौहान, विरेन्द्र कुमार चौहान, रबिंद्र कुमार चौहान, प्रियांशु पाठक समेत कई सफाई कार्यक्रम में शामिल थे।

हस्तशिल्प मेला में उमड़ रही भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ के छावनी परिषद फुटबॉल मैदान में हस्तशिल्प मेला का विधिवत उद्घाटन जिले के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने किया। इस दौरान उनके साथ मेले के आयोजक के अलावा भारी संख्या में जिले के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस मेले में सहारनपुर के सोफे राजस्थान का चूर्ण एवं देश के विभिन्न प्रदेशों के सभी अच्छे उत्पाद के करीब दो दर्जन से ज्यादा स्टॉल लगाए गए है। मौके पर मेला घूमने आई एक युवती ने बताया कि मैं मेला घुमने आई हूं इस मेला का नाम हस्तशिल्प मेला है। और हस्तशिल्प का मतलब होता है हाथों से बनाया गया वस्तु जिसे आप देख सकते हैं। इतना सुंदर कारीगरी अपने हाथों से बनाई गई जैसे प्रधानमंत्री राज्य मंत्री के द्वारा बनाए कार्यक्रम इस मेले को काफी प्रभावित करता है। मेरा आप सबों से अनुरोध है कि आप मेला में आएं और यहां के वस्तुओं को खरीदे और देखें और यहां एक नया शो जलपरी भी आया है।

मेले के आयोजक ने बताया कि इस मेले का उद्देश्य इसके नाम से ही दिख रहा है जैसे इसका नाम हस्तशिल्प मेंला है, हमारे देश के प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री का सपना है कि हस्तशिल्प को किसी भी तरह से आगे बढ़ाया जाए यहां मिलने वाली सभी चीजे हाथ से बनी हुई है और आज भी ग्रामीण लोग अपने घरों में कुछ ना कुछ हाथों से बनाया करते हैं जिनको अच्छा बाजार नहीं मिल पाता है हम मेले के माध्यम से हस्तशिल्प को एक अच्छा बाजार दे रहे हैं यहां के सारे प्रोडक्ट हस्त निर्मित है यहां सहारनपुर का फर्नीचर मिलेगा क्योंकि इसमें जो कशीदाकारी है वह पूरे भारत में कहीं नहीं है यहां घर में बनाया हुआ राजस्थान का चूर्ण है हमारे मेले में सभी वस्तुएं हस्तशिल्प हैं और खरीदारी करने वाले को यहां मनोरंजन के साथ व्यंजन भी मिलेगा, रामगढ़ में पहली बार जलपरी का शो लोगों को देखने को मिलेगा।

मेले में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिले के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि 1 महीने तक चलने वाले इस मेले में कई चीजे अपने आप में अनूठी हैं जलपरी यहां आकर्षण का केंद्र है मेरे द्वारा आयोजन को या निर्देश दिया गया है कि झूले और बाकी चीजों की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाय ताकि कोई हादसा ना हो पाए, भारतवर्ष शुरू से ही काफी समृद्ध रहा है हस्तशिल्प और कई अनूठे कशीदाकारी के मामले में हस्तशिल्प से जुड़े व्यापारों को सरकार भी प्रमोट कर रही है यह सभी हस्तशिल्प हम लोगों के बीच में बचा हुआ रहे इसके लिए काफी प्रयास किया जा रहा है सरकार के द्वारा इस हस्तशिल्प को बनाने में लगे हुए वैसे लोग जो इसको रोजगार बनाए हैं इससे ही उनका घर चलता है इसलिए लोगों से गुजारिश है कि लोग उनकी खरीदारी करें क्योंकि वैसे मजदूरों का परिवार इसी से चलता है।

पूर्व रेलवे

सं.ओएएच/2/1/जीईएनएल. दिनांक : 23.10.2025। वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी/हावड़ा,पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा समान प्रकृति के कार्य का अनुभव रखने वाले और आवश्यक वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदाकारों से निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिनमें सिंचाई / सीपीडब्ल्यूडी / एसईबी / एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में पंजीकृत निविदाकार भी शामिल हैं: **वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी/एचडब्ल्यूएच के अधीन। एनआईटी सं.: 161_2025-26; कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 किग्रा / 52 किग्रा (90 यूटीएस / 72 यूटीएस, आर 260), (न्यू / एसएच / एसआर / एसडब्ल्यूआर / एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग; **अनुमानित लागत:** रु. 3,15,01,404.78; **बयाना राशि:** रु. 3,07,500.00; **निविदा प्रपत्र लागत (रु.) :** शून्य; **पूर्ण होने की अवधि:** 09 (नौ) महीने। **निविदा की अंतिम तिथि एवं समय :** 12.11.2025, 14.00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित समापन तिथि किसी भी कारण से अवकाश/बंद/ हड़ताल घोषित हो जाती है, तो ऑनलाइन निविदा बंद करने की तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट पर आवेदन निविदा की समापन तिथि और समय के बाद कोई प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देता है। हालाँकि, ऑनलाइन निविदा अगली कार्य तिथि को खोली जाएगी। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें। **ई निविदा के संबंध में ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**, बयाना राशि जमा [ईएमडी] और निविदा दस्तावेज लागत [टीडीसी] का भुगतान केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाना चाहिए। कोई भी मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(HWH-358/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: एफ/सीआर/डब्ल्यूसी/122, दिनांक: 23.10.2025। मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्व रेलवे लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर उक्त कार्य या समरूप कार्य के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी संसाधन रखने वालों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:** जमालपुर वर्कशॉप/पूर्व रेलवे में 8 चक्कों वाला डीईटीसी के एसएस पाइपिंग सहित एयर ब्रेक सिस्टम का प्रावधान तथा सम्बंधित कार्य एवं विद्युतीय उपकरणों की विद्युतीय केबलिंग, फर्निशिंग, जांच एवं शुरुआत। **मात्रा :** 19 (उन्नीस) अदद। **निविदा मूल्य:** रु. 3,90,42,492। **बोली प्रतिभूति:** रु. 3,45,200। **निविदा दस्तावेज की कीमत (रु.):** शून्य (जीसीसी, अप्रैल 2022 के भाग I के कार्य हेतु निविदा के क्लॉज़ 03 के अनुसार)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 14.11.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **कार्य पूरा करने की तारीख:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 24 महीनों के भीतर कार्य के अवसर के अनुसार सम्पूर्ण कार्य पूरा करना होगा। ठेकेदार को जांच एवं अंतिम निरीक्षण सहित कार्य के अवसर के अनुसार प्रत्येक टावर वैगन का सम्पूर्ण कार्य टावर वैगन पर कार्य शुरू करने की लिखित सूचना की तारीख से 30 कैलेंडर दिनों के भीतर पूरा करना होगा। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। निविदा दस्तावेज़ वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होगा। "कार्य की समान प्रकृति" की परिभाषा: "लोकोमोटिव / ईएमयू / डीईएमयू / कोचों / टावर वैगन पर न्यूमैटिक पाइप लाइन / ब्रेक उपकरणों का फिटमेंट / प्रावधान / मरम्मत/ रूपांतरण। या लोकोमोटिव / ईएमयू / डीईएमयू/ कोचों / टावर वैगन से सम्बंधित इलेक्ट्रिकल फर्निशिंग / ट्रैक्शन इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट का फिटमेंट / इलेक्ट्रिकल केबलिंग कार्य।" "भारतीय रेल की किसी भी इकाई या उत्पादन इकाइयों या केंद्र/राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों या 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक का औसत वार्षिक कारोबार करने वाली सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी/ट्रस्ट में निष्पादित उपरोक्त कार्यों में से किसी एक या अधिक पर विचार किया जाएगा।"

(MISC-251/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की घाटशिला विधानसभा उप चुनाव की तैयारियों संबंधित बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उप चुनाव को प्रभावित करने वाले सभी अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाना सुनिश्चित करें। श्री के. रवि कुमार शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी पूर्वी सिंहभूम के साथ 45-घाटशिला विधानसभा उप चुनाव हेतु समीक्षा बैठक कर रहे थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान से लेकर मतगणना तक की प्रत्येक गतिविधि के लिए विस्तृत मॉड्यूल और दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन दिशा-निदेशों का पूरी तरह से अनुपालन करते हुए मतदान एवं मतगणना की तैयारी को समय पर पूरा करें। उन्होंने पदाधिकारियों को उप चुनाव की प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहभागिता बनाए रखने पर विशेष जोर देने को कहा। बैठक में श्री कुमार ने उप चुनाव के सभी पहलुओं, जैसे मतदाता सूची, मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम/वीवीपैट की तैयारी, प्रशिक्षण कार्यक्रम, और आदर्श आचार संहिता के अनुपालन की गहन समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उप चुनाव में कुछ नवाचार किए गए है जैसे सभी आई टी एप्लिकेशन को एकत्रित करते हुए एक प्लेटफार्म के रूप में कार्य किए जा रहे है इसकी जानकारी निर्वाचन कार्य में लगे पदाधिकारियों एवं मतदाताओं तक प्रसारित करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों द्वारा लगाए जाने वाले कैंप को अब मतदान केंद्र से 100 मीटर के बाहर लगाने संबंधित दिशा निर्देश जारी किए गए है इस हेतु मतदान केंद्र पर मार्किंग की ससमय व्यवस्था कर लें। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों के अंदर एवं बाहर की ओर सीसीटीवी कैमरा लगाया जाना है जिसकी वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी इस हेतु भी व्यवस्था पूरी कर लें। इस अवसर पर आईजी धनंजय कुमार, नोडल पदाधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय देव दास दत्ता सहित ऑनलाइन माध्यम से पूर्वी सिंहभूम जिला के निर्वाचन सम्बन्धी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डायन-बिसासी का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। झारखंड में डायन-बिसाही का मामला समाज के लिए कोढ़ बन गया है। आए दिन डायन बिसाही को ले मारपीट व हत्या होती रही है। ऐसा ही एक मामला हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत उरीमारी जामुन टोला में शुक्रवार को सामने आया है। अपने ही सगे बड़े भाई ने परिवार के साथ मिलकर छोटे भाई व उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला बोला है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: ईएलएसबी-25-वेल्डर-11/टीएन, दिनांक 23.10.2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.च.स्टा.), विद्युत लोको शेड, बोकारो स्टील सिटी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सूचना सं.: ईएलएसबी-25-वेल्डर-11 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** विद्युत लोको शेड, बोकारो के लिए गैस कटर सह वेल्डरों को किराए पर लेना। **अवधि:** 24 माह। **अनुमानित मूल्य:** रु.43,41,795.84, **ईएमडी:** रु.86,800/-, **निविदा प्रपत्र की लागत:** रु.3,540/-, **अंतिम तिथि:** 19.11.2025, निविदा कागजात आईआरईपीएस वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर दिनांक 19.11.2025 को 11.00 बजे तक उपलब्ध होगा। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समय:** दिनांक 19.11.2025 को 11.00 बजे तक। **निविदा के खुलने की तिथि/समय:** दिनांक 19.11.2025 को 11.00 बजे (निविदा बंद होने के तुरंत बाद)। सभी प्रतिष्ठित, अनुभवी और इच्छुक निविदाकार इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। (PR-765)

संक्षिप्त समाचार

सहरसा में खड़ी ट्रेन में लगी आग, युवक झुलसा :एक बोगी जलकर राख

सहरसा, एजेंसी। सहरसा के सोनवर्षा कचहरी स्टेशन पर शुक्रवार की शाम जनसेवा एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लग गई। इस दौरान स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन से यात्री कूद कर इधर-उधर भागने लगे। हादसे में सुपौल के डुमरी गांव के रहने वाले सत्यम कुमार (15) झुलस गया। घायल युवक ने बताया कि एक यात्री मोबाइल चार्ज कर रहा था। इसी दौरान मोबाइल चार्जिंग सॉकेट में ब्लास्ट हुआ और बोगी में आग लग गई।सत्यम अंबाला में रहता है। वो अंबाला से छठ पर्व के लिए घर लौट रहा था।बताया जा रहा है कि जनसेवा एक्सप्रेस (14618) अमृतसर से चलकर पूर्णिया कोर्ट जा रही थी। सहरसा स्टेशन पर ट्रेन पहुंची तो बोगी नंबर 247271में अचानक आग लग गई।

शॉर्ट सर्किट से डीवीसी के बंद आवास में लगी आग

बोकारो, एजेंसी। बोकारो थर्मल के मुर्गी फार्म स्थित आवासीय कॉलोनी के आवास संख्या एचएमटी-11 बी में बुधवार की रात शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया. आग से हुई क्षति का आकलन करनेवाला घर का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था. उक्त आवास पिछले सात वर्षों से ताला लगा हुआ था. आसपास के लोगों ने घर से धुआं और आग की लपटें निकलते देख सीआईएसएफ फायर ब्रिगेड के निरीक्षक एके शर्मा को सूचना दी. निरीक्षक एके शर्मा के नेतृत्व में सीआइएसएफ फायर की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. लोगों ने घटना की सूचना डीवीसी के वरीय प्रबंधक मैकेनिकल मनीष कुमार चौधरी को भी दी. स्थानीय लोगों ने बताया कि यह आवास डीवीसी की रिटायर्ड महिला कर्मी माया देवी का था. उनके पति और पुत्र के देहांत के बाद से घर में ताला लगा हुआ है. घटना की सूचना मिलने पर भू-संपदा विभाग के कर्मी सुब्रतो पाल ने मौके पर आकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पुन- आवास में ताला लगा दिया.

सहरसा से चलेगी भारत गौरव ट्रेन, दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों का कराएगी दर्शन

सहरसा, एजेंसी। दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन करने के इच्छुक यात्रियों के लिए आईआरसीटीसी ने एक बड़ा अवसर प्रदान किया है। इस बार सहरसा से 'भारत गौरव ट्रेन' के माध्यम से दक्षिण भारत टूर आयोजित किया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन 5 दिसंबर की सुबह सहरसा से खुलेगी और यात्रियों को 12 रात 13 दिन की धार्मिक यात्रा पर ले जाएगी। सहरसा शहर के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता के दौरान आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों के बीच सांस्कृतिक एकता को सशक्त बनाना है। ट्रेन का बोर्डिंग सहरसा, निर्मली, झंझारपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और प्रयागराज छिवकी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होगा। यात्रा के दौरान यात्री तिरुपति बालाजी मंदिर, रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग, मदुरै का मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी का विवेकानंद रॉक मेमोरियल, तिरुवनंतपुरम का पद्मनाभस्वामी मंदिर और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों का दर्शन करेंगे। ट्रेन के डिब्बों को विशेष रूप से मॉडिफाई किया गया है, जिनमें यात्रियों के लिए कैंटीन, सुरक्षा व्यवस्था और एक छोटा मंदिर भी बनाया गया है, ताकि श्रद्धालु प्रतिदिन पूजा-अर्चना कर सकें। यह यात्रा भारत सरकार की देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के तहत आयोजित की जा रही है। आईआरसीटीसी ने बताया कि बुकिंग के लिए यात्री आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय कार्यालय (बिस्कोमान टॉवर, गांधी मैदान) से संपर्क कर सकते हैं या ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

पति ने नशे में पत्नी पर किया चाकू से हमला

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के भगवानपुर थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में बुधवार सुबह एक पति ने शराब के नशे में अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सुबह लगभग 8 बजे की बताई जा रही है। घायल महिला की पहचान मोहनपुर निवासी दिलीप कुमार गौतम की 23 वर्षीय पत्नी मुन्नी कुमारी के रूप में हुई है। मुन्नी कुमारी ने बताया कि, उनके पति अक्सर शराब पीकर घर आते हैं और झगड़ा करते हैं। बुधवार को भी वह नशे में घर लौटे। जब पत्नी ने शराब पीने पर आपत्ति जताई और उन्हें समझाने की कोशिश की, तो पति ने आपा खो दिया। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पत्नी द्वारा विरोध करने पर पति ने चाकू निकालकर उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला ने यह भी बताया कि, इससे पहले भी उनके पति ने कई बार मारपीट की थी। इस संबंध में महिला थाना में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। दोनों के बीच कई बार समझौता भी हुआ, लेकिन पति के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। मुन्नी कुमारी के अनुसार, उनके पति अक्सर कहते थे कि घर परिवार के सभी लोगों को लेकर चलेंगे, लेकिन तुम्हें नहीं रखेंगे।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था के महापर्व छठ का शुभारंभ

पटना , एजेंसी। लोक आस्था का सबसे महान पर्व छठ आज से नहाए खाए के साथ प्रारंभ हो गया। छठ महापर्व में श्रद्धालु उनकी आराधना करते हैं और विशेष तौर पर सूर्य देव को अर्घ्य देकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य सप्तमी को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होता है। इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करना बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत को कठोर नियमों के अनुसार 36 घंटे तक रखा जाता है। छठ मैया की भक्ति में समर्पण, पवित्रता और अनुशासन का विशेष महत्व है। पटना समेत बिहार के सभी जिलों में छठ को लेकर सारी तैयारी पहले ही पूरी हो चुकी है।

छठ का इतना महत्व क्यों है? : ज्योतिष-कर्मकांड विशेषज्ञ पंडित अरुण कुमार मिश्रा के अनुसार, यह लोक आस्था का महापर्व है। मतलब, यह बिहार और पूर्वांचल के लोगों की आस्था का प्रतीक है। आस्था पर न तो सवाल किया जा सकता है और न ही इसका कोई जवाब हो सकता है। जहां तक महत्व का सवाल है तो यह प्रकृति को चलाने वाले सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। यह देवी कात्यायनी से आशीर्वाद मांगने का पर्व है। छठ दिखाता है कि जिसका अंत है, उसका उदय भी होगा।

दानापुर से पटना सिटी तक 109 घाट तैयार : छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। पटना में दानापुर से पटना सिटी तक 109 छठ घाट तैयार किए गए हैं। राजधानी के 109 गंगा घाटों, 63 तालाबों और 45 पार्कों में महापर्व हो रहा है। इनमें मुख्य रूप से कलेक्ट्रेट घाट, महेंद्रु घाट, दीघा घाट, जेपी सेतु घाट, दीघा पाटलिपुल घाट, मीनार घाट और गाय घाट पर काफी भीड़ उमड़ने वाली है।

पटना में दानापुर से दीदारगंज तक 30 किमी हिस्से में गंगा घाटों पर 25 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य देंगे। इसकी तैयारी जिला प्रशासन ने पूरी कर ली है। घाटों पर महिला व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम, सुरक्षा को लेकर वाच टावर, शौचालय, पीने के पानी, मेडिकल कैंप, भीड़ नियंत्रण के लिए जगह-जगह माइक, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की गई है। पार्किंग से गंगा घाटों की दूरी 200 से 500 मीटर है।पटना के जिलाधिकारी त्याग राजन और वरीय आरक्षी अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा लगातार छठ घाटों पर भ्रमण करके सभी स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें : पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि पटना में छठ घाट पर सुरक्षा की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जगह पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर ली गई है। महिला, पुरुष पुलिस बल के साथ-साथ गस्ती पार्टी, पैदल लाठी पार्टी और पेट्रोलिंग गाड़ी को भी लगातार पेट्रोलिंग का निर्देश दिया गया है। कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। सभी घाटों पर वॉच टावर भी लगाए गए हैं। सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। लोगों से अपील है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी समस्या के लिए पुलिस से संपर्क करें।

गंगा घाटों पर स्वच्छता कलश रखा, 444 गोताखोर तैनात

पटना, एजेंसी। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर गंगा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने अभिनव पहल की है। निगम ने गंगा घाटों पर स्वच्छता कलश स्थापित किया है, जिसमें श्रद्धालु पूजा के बाद निकलने वाले फूल-माला, दीप एवं अन्य विसर्जन सामग्री डाल सकेंगे।

गंगा नदी किनारे स्वच्छता को बेहतर रखने के लिए यह कदम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। स्वच्छता कलश की स्थापना कलेक्ट्रेट घाट, गांधी घाट, कंगन घाट, भद्र घाट और 93 नंबर घाट पर की गई है। इसके साथ ही गंगा घाटों पर किसी भी आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 09 टीम (277 सदस्य), एसडीआरएफ की 09 टीम (36 सदस्य), 444 गोताखोर, 323 नाव तथा सिविल डिफेंस के 149 वोलेंटियर्स तैनात रहेंगे। रिवर पेट्रोलिंग भी की जाएगी। नावों का परिचालन प्रतिबंधित है। अवैध परिचालन के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

550 घाटों पर पर्व होगा, भीड़ प्रबंधन की तैयारी में प्रशासन

पटना जिला में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के लगभग 550 घाटों पर छठ होगा। पार्क एवं तालाबों में भी छठ होगा। इसमें पटना नगर निगम क्षेत्र में गंगा किनारे के लगभग 102 घाट, 45 पार्क एवं 63 तालाब शामिल हैं। सार्वजनिक स्थानों पर भीड़-प्रबंधन के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार तेजी से सभी जगह तैयारी अंतिम

चरण में है। इसके लिए जिला प्रशासन, नगर निगम, पटना स्मार्ट सिटी और ट्रैफिक पुलिस के बीच समन्वय बैठक की जा रही है।

गंगा को निर्मल रखने की मुहिम

प्रत्येक दिन इन स्वच्छता कलश को नगर निगम की टीम खाली करके साफ करेगी, ताकि गंगा में प्रदूषण न हो। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने स्वच्छता कलश को लेकर कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और स्वच्छता का संगम है। नगर निगम श्रद्धालुओं को सुविधाजनक एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। गंगा घाट पर स्थापित स्वच्छता कलश इस दिशा में सार्थक कदम है। श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि वे गंगा में सीधे पूजन सामग्री विसर्जित न करें। लोगों को स्वच्छता कलश का विकल्प दिया गया है।

बेगूसराय में चुनाव ड्यूटी में लगे सुरक्षाबलों के बस पर भीड़ का हमला

बेगूसराय , एजेंसी। बिहार के बेगूसराय जिले में शुक्रवार देर शाम भीठ पुल के पास पुलिस टीम पर हमला हो गया। इस हमले में करीब पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना उस समय हुई जब पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर अवैध देसी शराब बनाने वालों पर छापेमारी की।

पुलिस ने छापेमारी में दो लोगों को शराब बनाते हुए पकड़ा। लेकिन जब पुलिस उन्हें लेकर लौट रही थी, तो उपद्रवियों ने पुलिस गाड़ी पर पथराव कर दिया, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति को संभालने के प्रयास में पुलिस ने मामला शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साई भीड़ ने सड़क जाम कर दिया।

इसी दौरान चुनाव ड्यूटी पर लगी पुलिस बस मौके पर पहुंची, तो भीड़ ने उस बस पर भी ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इसमें बीएमपी के तीन जवान, दो महिला पुलिसकर्मी और एक चौकीदार घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, शराब कारोबारी की ओर से तीन राउंड गोली भी चलाई गई। स्थिति बिगड़ते देख पुलिसकर्मियों ने खुद की सुरक्षा के लिए पांच राउंड हवाई फायरिंग की।

सूचना मिलते ही तेघड़ा डीएसपी कृष्ण कुमार, वीरपुर सीओ भाई वीरेंद्र, भगवानपुर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह और तेघड़ा ओपी प्रभारी निकिता भारती सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाए। फिलहाल पुलिस ने दो महिला समेत चार लोगों को हिरासत में लिया है और पूछताछ शुरू की है। घायलों में बीएमपी के जवान राजू कुमार, चिंकू कुमार सिंह, मिंटू कुमार, महिला सिपाही काजल कुमारी, आरती कुमारी और चौकीदार रविंद्र शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल है और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मधुबनी भेजा जा रहा 7600 बोतल कफ सिरप जब्त, दो गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। चौक थाना और धवलपुरा टीओपी की टीम ने बस में छापेमारी कर 76 कार्टन में बंद 7600 बोतल कफ सिरप जब्त किया। बस के चालक वैशाली के विजय पांडेय और खलासी मधुबनी के शंकर झा को गिरफ्तार कर लिया। कोडिनयुक्त इस कफ सिरप का इस्तेमाल नशेड़ी करते हैं।

इसे 250 से 300 रुपए प्रति बोतल बेचा जाता है। जब्ती की जानकारी ड्रग डिपार्टमेंट को दी गई। ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने भी इसकी जांच की। इसे पटना सहिब रेलवे स्टेशन के पास से मधुबनी भेजा जा रहा था। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना पर टीम ने कार्रवाई की। बरामद कफ सिरप शिड्यूल एच ड्रग की श्रेणी में आता है। इसे बिना प्रिस्किप्शन नहीं बेचा जाना है। नशेड़ी इसका इस्तेमाल करते हैं। भेजने वाले और मधुबनी में इसे लेने वाले धंधेबाजों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

हिमाचल की दो कंपनियों को नोटिस

भेजा जाएगा, धंधेबाज ने चालक-खलासी को दिए थे 10 हजार रुपए

बरामद कफ सिरप दो दवा कंपनियों के हैं। हिमाचल के बद्दी स्थित विंग्स बायोटेक और सिरमौर स्थित विदित हेल्थ केयर में बने हैं। ड्रग डिपार्टमेंट की टीम दोनों कंपनियों को नोटिस भेज कर पूछेगी कि इन दवाओं की आपूर्ति बिहार में कहां-कहां की गई थी? इसके बाद पुलिस उस थोक विक्रेता पर भी कार्रवाई करेगी, जिसके यहां से यह कफ सिरप नशे के धंधेबाजों तक पहुंचा। असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर चुनिंद्र महतो ने कहा कि दोनों दवा कंपनियों से बैच नंबर भेजकर जानकारी ली जाएगी और उसके बाद कार्रवाई होगी।

जय माता दी बस का चालक विजय और खलासी शंकर झा कई बार कफ सिरप की खेप मधुबनी ले जा चुका है। धंधेबाज पटना सहिब रेलवे स्टेशन के पास कफ सिरप की खेप लेकर आया और बस में लोड की गई। इसके लिए चालक और खलासी को धंधेबाज ने 10 हजार रुपए दिए थे। मधुबनी में जिस व्यक्ति को कफ सिरप लेना था, उसका नंबर चालक को दिया गया था। पुलिस पटना और मधुबनी के दोनों धंधेबाजों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस शंकर और विजय के मोबाइल की सीडीआर भी खंगाल रही है। दोनों कब से इस धंधे में शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है।

हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में प्रचार सामग्री पर रोक, तय समय पर होगा आयोजन

छपरा, एजेंसी। बिहार का ऐतिहासिक और एशिया का प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2025 इस वर्ष भी भव्य और पारंपरिक रूप में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, मेला विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान लागू आदर्श आचार संहिता की अवधि में पड़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन ने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करते हुए मेला आयोजित करने की अनुमति दी है।

मेला इस वर्ष 09 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। निदेशक पर्यटन विभाग ने जिला प्रशासन को स्पष्ट किया है कि आयोजन के दौरान किसी भी मंच या सार्वजनिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजनीतिक लाभ से मेले को नहीं जोड़ा जाएगा। सभी संबंधित अधिकारियों और आयोजन समिति को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा।

सारण जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि प्रभावी आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के साथ हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2025 का आयोजन सुनिश्चित है। पर्यटन विभाग ने भी जिला प्रशासन को जानकारी दी कि मेले में किसी भी प्रचार सामग्री पर मंत्री या राजनीतिक व्यक्ति का फोटो, नाम या संदेश नहीं होगा। आदर्श आचार संहिता की अवधि में कोई भी राजनीतिक पदाधिकारी सार्वजनिक भाषण या प्रेस संवाद में इस संबंध में कोई संदर्भ नहीं देगा।

सोनपुर मेला का आयोजन पूरी तरह सांस्कृतिक, पारंपरिक और धार्मिक स्वरूप में ही किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की राजनीतिक भागीदारी या चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। मेला परिसर में पशु बाजार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यापारिक स्टॉल, सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता अभियान जैसी व्यवस्थाएं जिला प्रशासन की देखरेख में संचालित होंगी।

सारण के जिलाधिकारी अमन समीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, सोनपुर की एसडीओ एवं एसडीपीओ ने संयुक्त रूप से हरिहर नाथ और पहलेजा थाना क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों और कार्तिक पूर्णिमा के गंगा स्नान स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान घाटों की सुरक्षा, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, भीड़ प्रबंधन और यातायात नियंत्रण की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने कहा कि गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएंगी।

पैराशूट प्रत्याशी बने पार्टियों के लिए जंजाल

पटना, एजेंसी। 17 अक्टूबर, दिन- शनिवार। राजद कार्यालय में बैठे मीडिया रणनीतिकार पटना के स्थानीय चैनलों के शाम के शो में भेजने के लिए प्रवक्ताओं का ड्यूटी चार्ट बना रहे थे। ऋषि मिश्रा की ड्यूटी भी एक चैनल के लिए तय की गई। इसी बीच एक कॉल आता है। कॉल कटते ही वे कहते हैं कि ऋषि जी अब जाले से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

मिनटों पहले कांग्रेस से वफादारी जताते ही ऋषि उम्मीदवारी पाने वाले भाग्यवानों में शुमार हो गए। दादा पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्र की सियासी विरासत के रसूख को देखते हुए राजद से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस ने उन्हें प्रत्याशी बना दिया। ऐसे कई पैराशूट प्रत्याशी हैं, जो पार्टी ज्वाइन करते ही टिकट पा गए। हालांकि, ऐसे उम्मीदवार अब पार्टियों के लिए जंजाल साबित हो रहे हैं। उम्मीदवार बनने में दलीय निष्ठा पर इनकी निजी क्षमता जरूर भारी पड़ी है, परंतु चुनावी बिसात पर शह-मात के खेल में स्थानीय कार्यकर्ताओं की वफादारी जुटाने में इन पैराट्रूपर्स को मशक्कत करनी पड़ रही है।

कोमल सिंह, मां वीणा देवी लोजपा सांसद हैं। राजपूतों को लुभाने के लिए जदयू ने प्रत्याशी बनाया है।संजीव सिंह, परबत्ता से जदयू विधायक विश्वास मत में पलट गए थे। राजद ने इसी का इनाम दिया है।अजीत कुमार, दो दिन पहले तक भाजपा में थे। भूमिहार वोटों के लिए जदयू ने प्रत्याशी बनाया है।

रमा निषाद, घर-गृहस्थी में रमी थीं। भाजपा ने औराई से उतारकर चौंका दिया। रमा पार्टी में नहीं थी।राहुल कुमार, जदयू में थे। पिता जगदीश शर्मा के भूमिहारों में जनाधार को ले राजद ने उतारा है।

भाजपा प्रचार वाहन चालक से मारपीट, पोस्टर फाड़े:हाजीपुर में बदमाश बोले-पोस्टर वाहन दिखा तो गोली मार देंगे;मोबाइल छीना

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी।

हाजीपुर के दौलतपुर में भाजपा के प्रचार वाहन के चालक और उसके साथी के साथ मारपीट की गई। अज्ञात बदमाशों ने वाहन के पोस्टर फाड़ दिए, मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के दुर्गा मंदिर दौलतपुर के पास बुधवार शाम को हुई।

हरे गमछे बांधे 4-5 अज्ञात बाइक सवार ने किया हमला

मनुआ पोखर निवासी मोहन राय के पुत्र मेघन कुमार ने इस संबंध में सदर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मेघन कुमार ने बताया कि वह भाजपा पार्टी के प्रचार वाहन के रूप में टोटो चला रहे थे। बुधवार शाम को दुर्गा मंदिर दौलतपुर के पास चार-पांच अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति आए, जिन्होंने हरे गमछे बांध रखे थे। बदमाशों ने मेघन कुमार और उनके साथी रविन्द्र कुमार, पिता शिवनाथ पासवान का मोबाइल छीन लिया और पार्टी के पोस्टर फाड़ दिए। उन्होंने दोनों के साथ गाली-गलौज और हाथापाई भी की। मेघन कुमार के अनुसार, उनके पैर पकड़कर गिड़गिड़ाने के बाद बदमाशों ने उन्हें छोड़ा और मोबाइल वापस कर दिया। बदमाशों ने धमकी दी कि, अगर अगली बार बीजेपी का पोस्टर वाहन दिखा तो गोली मार देंगे। इसके बाद वे राजद जिंदाबाद के नारे लगाते हुए मौके से फरार हो गए। सदर थाना अध्यक्ष यशोधानंद पांडे ने बताया कि दौलतपुर दुर्गा मंदिर के निकट बीजेपी के प्रचार वाहन में पोस्टर फाड़ने की सूचना मिली है।

खगड़िया में तेजस्वी की सभा रद्द, बोले- ये तानाशाही, शाह के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग के चलते नहीं मिली परमिशन

पटना, एजेंसी। खगड़िया में आज होने वाली तेजस्वी यादव की सभा को रद्द कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने उनके हेलिकॉप्टर को लैंडिंग की परमिशन नहीं दी है। दरअसल संसारपुर खेल मैदान में हेलीपैड बना है केंद्रीय गृहमंत्री की भी उसी इलाके में सभा है। संसारपुर खेल मैदान में होने वाली सभा रद्द होने पर तेजस्वी ने कहा कि ये तानाशाही है। तेजस्वी की 3 और सभाएं होनी है अभी ये साफ नहीं है कि ये कार्यक्रम होंगे या कैंसिल होंगे।

पैसे बांटने पर पप्पू यादव को इनकम टैक्स का नोटिस : पैसे बांटने को लेकर पप्पू यादव को इनकम टैक्स ने नोटिस भेजा है। सांसद ने अपने एक्सअकाउंट से इसकी जानकारी दी है।। उन्होंने नोटिस की कॉपी शेयर करते हुएअ लिखा- मुझे इनकम टैक्स का नोटिस मिला है, बाढ़ पीड़ितों की मदद में रुपए बांटने को अपराध बताया है। यह अपराध है तो मैं हर वंचित पीड़ित की सहायता का अपराध सदैव करता रहूंगा। वैशाली जिले के नयागांव पूर्वी पंचायत अंतर्गत मनियारी गांव के बाढ़ पीड़ितों जिनका घर-द्वार सब गंगाजी में विलीन हो गया, उनकी मदद न करता तो क्या गृह राज्य मंत्री, स्थानीय एमपी जैसे स्वघोषित सीएम उम्मीदवारों की तरह मूकदर्शक बना रहता।

छठ पर मोदी ने शेयर किए वीडियो, लालू ने कसा तंज : आज से आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत हो गई है। चुनाव के बीच छठ पर भी बिहार में सियासत हो रही है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने छठ को लेकर 6 पोस्ट किए और दिवंगत लोकगायिका शारदा सिन्हा का गाना शेयर किया। वहीं लालू यादव ने ट्रेनों में भीड़ को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राजद सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर लिखा- झूठ के बेताज बादशाह और जुमलों के सरदार ने शेखी बघारते हुए कहा था कि देश की कुल 13198ट्रेनों में से 12000 रेलगाड़ियां छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए चलाई जाएंगी। यह भी सफेद झूठ निकला। उन्होंने एनडीए को बिहार विरोधी बताया है।

आरजेडी के पोस्टर में तेजस्वी बिहार के नायक : पटना में आरजेडी ऑफिस के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं। जिसमें तेजस्वी यादव को बिहार का नायक बताया गया है। ये पोस्टर राजद नता वसीम सैयद अंसारी की ओर से लगाए गए हैं।

तेजस्वी बोले- प्रधानमंत्री के भाषण के हर शब्द नकारात्मक थे : तेजस्वी ने प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, कल प्रधानमंत्री यहां आए। उनके भाषण का हर एक वाक्य और शब्द नकारात्मक था। उन्होंने कुछ भी सकारात्मक नहीं कहा। प्रधानमंत्री से हम पूछना चाहेंगे कि पिछले 11 साल से आप प्रधानमंत्री हैं लेकिन बिहार को आपने दिया क्या है? आप गुजरात में फैक्ट्री लगाएं लेकिन आप बिहार में जीत चाहते हैं तो ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने बिहार को केवल ठगा है,बिहार हर मामले में गुजरात से बड़ा है। हर दसवां व्यक्ति देश के बिहार से है। जितना उन्होंने गुजरात को दिया है, उसका 1प्रतिशत भी बिहार को नहीं दिया है। बिहार की जनता हर चीज का हिसाब मांग रही है और प्रधानमंत्री के पास कोई जवाब नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

50 रुपये न देने पर युवक ने लगाई आग, पलंग मार्केट में लाखों रुपए का नुकसान

जमशेदपुर, एजेंसी। साकची थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास स्थित पलंग मार्केट में शनिवार की मध्यरात्रि आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की इस घटना में दो दुकानों के छह पलंग और गद्दे जलकर खाक हो गए। घटना में दुकानदार मानगो निवासी मोहम्मद इस्लाम तथा उनके पड़ोसी दुकानदार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को खबर दी गई। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान आसपास की छायाबस्ती में रहने वाले लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की।

झारखंड आंदोलनकारी महासभा का एक दिवसीय धरना 29 अक्टूबर को

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड आंदोलनकारी महासभा, लोहरदगा जिला कोर कमिटी की बैठक शुक्रवार को जिलाध्यक्ष अनिल कुमार भगत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय प्रधान महासचिव मो. कयूम खान, कार्यकारी अध्यक्ष अमर किन्डो, सचिव विशेषण भगत, कोषाध्यक्ष कृष्णा कुमार ठाकुर, विलियम कुजूर, शाहिद अंसारी समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में 24 सितम्बर को आयोजित जिला कमिटी की बैठक में लिए गए निर्णय की समीक्षा की गई, जिसमें 29 अक्टूबर को धरना-प्रदर्शन आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। समीक्षा उपरांत कोर कमेटी ने निर्णय लिया कि यह धरना-प्रदर्शन 29 अक्टूबर को समाहरणालय, लोहरदगा के समक्ष पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में कार्यक्रम की लिखित सूचना अनुमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा को भी सौंप दी गई है। कोर कमेटी ने जिले के सभी चिन्हित एवं चिन्हित आंदोलनकारियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

पलामू की तत्कालीन डीईओ की बर्खास्तगी का आदेश रद्द

रांची, एजेंसी। हाईकोर्ट ने पलामू की तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) मीना कुमारी राय की बर्खास्तगी रद्द करने के एकलपीठ के फैसले को सही ठहराया है। जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने इस मामले में सरकार की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा-काम में लापरवाही, प्रक्रियात्मक गलती या अधीनस्थ कर्मचारियों से सख्ती जैसे आरोपों के लिए किसी कर्मचारी को बर्खास्त करना बहुत ही कठोर सजा है। 31 साल की बेदाग सेवा के बाद किसी को बर्खास्त कर पेंशन जैसे लाभों से वंचित करना कठोर कदम है। मीना कुमारी 1988 से बिहार शिक्षा सेवा में कार्यरत थीं। झारखंड बनने के बाद वह झारखंड कैडर में आ गई। पलामू डीईओ रहने के दौरान उनपर काम में लापरवाही बरतने, अधीनस्थों का वेतन रोकने और सरकारी आदेशों का पालन ठीक से न करने के आरोप लगे। इसके बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। मीना ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकलपीठ ने कहा कि आरोप इतने गंभीर नहीं कि नौकरी से बर्खास्त किया जाए। कोर्ट ने उनकी बर्खास्तगी रद्द करते हुए विभाग को दोबारा विचार करने को कहा था। इसके खिलाफ सरकार ने अपील दायर की थी।

सर्दी चौखट पर, 22 लाख बच्चों को नहीं मिले स्वेटर व जूते-मोजे

रांची, एजेंसी। सर्दी दस्तक देने लगी है। लेकिन राज्य के 22 लाख से अधिक बच्चों को अभी स्वेटर, जूते-मोजे और ड्रेस के पैसे नहीं मिले हैं। क्योंकि झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के पास पैसे ही नहीं हैं। बच्चों को ये कब मिलेंगे, इसके बारे में भी कोई खुलकर बताने को तैयार नहीं है। दरअसल चालू वित्तीय वर्ष में जेईपीसी को 445 करोड़ रुपए मिले थे। इनमें केंद्र के हिस्से के 271 करोड़ और राज्य के हिस्से के 171 करोड़ रुपए थे। यह राशि दूसरी योजनाओं पर खर्च हो गई। अब जेईपीसी के पैसे पैसे ही नहीं बचे हैं। वह दूसरी किस्त की प्रतीक्षा में है। इसका असर सरकारी स्कूलों के बच्चों पर पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों में पढ़नेवाले करीब 24 लाख से अधिक बच्चों को ड्रेस, स्वेटर, जूते-मोजा की राशि उनके खाते में भेजी जा चुकी है। पर, 22 लाख छात्र अब भी पैसे से वंचित हैं। दूसरी किस्त मिलने के बाद ही बच्चों को यह राशि मिलने की उम्मीद है। लेकिन दूसरी किस्त कब मिलेगी, इसका कोई अता-पता नहीं है।पहली से पांचवीं कक्षा तक के हर विद्यार्थी को दो सेट पोशाक, स्वेटर व जूते-मोजे के लिए सरकार 600 रुपए देती है। छठी से आठवीं के छात्रों को दो सेट पोशाक के लिए 400, स्वेटर के लिए 200 रुपए और जूते-मोजे के लिए 160 रुपए दिए जाते हैं। छठी से आठवीं तक के छात्रों के जूते-मोजे की पूरी राशि राज्य सरकार देती है। 9वीं से लेकर 12वीं तक के बच्चों को इसके लिए 1200 रुपए दिए जाते हैं। हालांकि इन पैसों में वो सब कुछ नहीं खरीदे जा सकते हैं।

सड़क हादसे में युवक की मौत, सड़क पर बवाल

धनबाद में गुस्साए लोगों ने अस्पताल में तोड़फोड़ की

धनबाद, एजेंसी। आठ लेन सड़क पर 99 कोलांचल सिटी के पास शुक्रवार की रात दो बाइक की टक्कर में बारामुड़ी खटाल में रहने वाले 26 वर्षीय नंदू राय की मौत हो गई। मौत की खबर पर बारामुड़ी से काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। शव को अशर्फी अस्पताल परिसर में खड़े ऑटो में पड़ा देख वह भड़क गए। गुस्साए लोगों ने पहले 8 लेन सड़क को जाम कर दिया। आने जाने वाले वाहन सवारों को पीटा। इसके बाद अशर्फी अस्पताल में घुसकर इमरजेंसी में तोड़फोड़ शुरू कर दी। तोड़फोड़ के दौरान एक डॉक्टर और 3-4 अस्पताल कर्मी जख्मी हो गय। गेट और अस्पताल परिसर में खड़ी दो एंबुलेंस का शीशा तोड़ दिया। सूचना पर धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर दलबल के साथ पहुंचे। पुलिस को देख उपद्रवी ईंट-पत्थर चलाने लगे।

इसमें धनबाद थाना के दरोगा चरणजीत सिंह का सिर फट गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया। पुलिस ने उपद्रवियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। पुलिस एक्शन के बाद वहां अफरातफरी मच गई। उपद्रवी मौके से भाग निकले। पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। उपद्रव करने वालों को चिन्हित कर पुलिस उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करेगी।

8 लेने की सर्विस लेन में दो बाइक की सीधी टक्कर में नंदू की मौत हो गई। वहीं, बारामुड़ी खटाल का श्याम यादव (17) व नंदन यादव (16) गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी श्याम और नंदन के मुताबिक वे दूध बांटकर विनोद बिहारी चौक की ओर लौट रहे थे।

इसी दौरान विनोद बिहारी चौक की ओर से भूली मोड़ की तरफ जा रही बाइक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक सड़क पर गिर गए और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोग तीनों युवक को एक ऑटो से अशर्फी अस्पताल ले गए। वहां नंदू को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, श्याम और नंदन का इलाज अशर्फी अस्पताल में चल रहा है।

ऑटो में नंदू का शॉप पड़ा देखा उग्र हो गया लोग: नंदू की मौत की खबर मिलने के बाद बारामुड़ी बस्ती के सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष अस्पताल पहुंच गए। नंदू को ऑटो में ही पड़ा देखा तो लोग उग्र हो गए। प्रबंधन पर नंदू का इलाज न करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर उत्पात मचाया। अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड से लेकर अस्पताल के अन्य कई जगहों के शीशे दरवाजे डाले। वहीं, अस्पताल के बाहर काफी संख्या में लोगों ने सड़क जाम कर दिया।

इधर तोड़फोड़, उधर खड़ी एसयूवी से टकराया वाहन : एक तरफ जहां युवक की मौत को लेकर हंगामा हो रहा था। वहीं, दूसरी तरफ विनोद बिहारी चौक से मेमको मोड़ जाने वाले सर्विस लेन में खड़ी एसयूवी को दूसरी एसयूवी द्वारा धक्का मारने से फिर अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक सर्विस लेन में एसयूवी खड़ी कर उसे पर सवार लोग हंगामा का कारण जाने के लिए अस्पताल गए थे। इस दौरान विनोद बिहारी चौक के तरफ से दूसरी एसयूवी तेज रफ्तार में खड़ी एसयूवी को धक्का मार कर डिवाइडर पर चढ़ गई। भीड़ का फायदा उठा उसमें सवार लोग मौके से भाग निकले। गाड़ी पर भारत सरकार लिखा हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सवार नशे में थे। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

डायन का आरोप लगाकर बड़े भाई ने छोटे भाई-बहू पर किया जानलेवा हमला, पत्नी का सिर फटा

भुरकुंडा(रामगढ़), एजेंसी। झारखंड में डायन-बिसाही का मामला समाज के लिए कोढ़ बन गया है। आए दिन डायन बिसाही को ले मारपीट व हत्या होती रही है। ऐसा ही एक मामला हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत उरीमारी जामुन टोला में शुक्रवार को सामने आया है। अपने ही सगे बड़े भाई नेपरिवार के साथ मिलकर छोटे भाई व उसकी पत्नी पर जानलेवा हमला बोला है। डायन-बिसाही का आरोप लगाकर जमकर पिटाई की। घटना में पत्नी का सर फट गया है, जबकि पति का हाथ टूट गया है। इस बाबत पीड़िता उरीमारी जामुन टोला रीना देवी ने उरीमारी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी में कहा गया कि पति लक्ष्मण कुमार के बड़े भाई खिरोधर महतो व उसके परिवार के लोग मुझ पर डायन बिसाही का आरोप लगाते हुए आए दिन गाली-गलौज व मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते रहते थे।

गुरुवार की देर शाम खिरोधर महतो व उसकी पत्नी सुनीता देवी, बेटा जीतू कुमार,बेटी जयंती देवी व दामाद सोहन महतो अपने साथ

हथियार लेकर मेरे घर पहुंच मुझे व मेरे पति लक्ष्मण कुमार पर जानलेवा हमला कर दिया।

घटना में मेरा सिर फट गया है साथ ही आंतरिक अंगों में गंभीर चोट लगी है जबकि मेरे पति का दायां हाथ टूट गया है,जो अस्पताल में इलाजरत है।उरीमारी पुलिस ने दम्पति का इंजुरी कराते हुए मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। घटना को लेकर पीड़िता के साथ जामुन टोला सहित अन्य जगहों से भारी संख्या में पहुंचे महिला-पुरूष उरीमारी थाना पुलिस से मामले पर कड़ी कारवाई की मांग कर रहे थे।

मामले पर उरीमारी ओपी प्रभारी रथु उरांव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया।घटना को ले हर पहलू पर बारीकी से जांच-पड़ताल की जा रही है। साथ ही आरोपितों के धर-पकड़ में जुटी है।

सीईओ के. रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। रांची झारखंड में एसआईआर की तैयारी शुरू कर दी गई है। एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार 2003 की मतदाता सूची की मैपिंग होगी। दिल्ली में हुई दो दिवसीय बैठक से लौटने के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। उन्होंने वर्तमान मतदाता सूची का 2003 की मतदाता सूची से फैमिली ट्री बनाते हुए मैपिंग करने का निर्देश दिया। 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची के मतदाताओं की मैपिंग भौतिक रूप से और बीएलओ ऐप के द्वारा होगा। सीईओ ने कहा कि वैसे मतदाता, जिनका 2003 की मतदाता सूची में नाम नहीं है, किंतु उनके माता-पिता का नाम 2003 के मतदाता सूची में है, ऐसे मतदाताओं का बीएलओ द्वारा उनके माता-पिता का विवरण 2003 की मतदाता सूची से निकालकर वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग पूरा कर लें। सभी डॉक्यूमेंट को रेकर्ड के रूप में सुरक्षित रखें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एसआईआर के दौरान सभी डॉक्यूमेंट को परमानेंट डॉक्यूमेंट की तरह रेकर्ड के रूप में सुरक्षित रखें। इसके साथ ही 2003 के भी डॉक्यूमेंट को डिजिटल एवं नॉन डिजिटल रूप में संरक्षित करें। उन्होंने कहा कि एसआईआर के दौरान निर्धारित अंतराल पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर के अलावा सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी व उप निर्वाचन पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

जामताड़ा में एनजीओ की आड़ में चला रहा था सेक्स रैकेट, ग्रामीणों ने हंगामा कर बनाया बंधक

जामताड़ा, एजेंसी। से सटे गोपालपुर गांव जाने वाली सड़क के किनारे बने एक मकान में जामताड़ा शहर का रहने वाला एक युवक सेक्स रैकेट चला रहा था। इस धंधे को चलाने के लिए उसने एक एनजीओ की आड़ ले रखी थी। पिछले कुछ दिनों से जब यहां अलग-अलग लड़कियों के आने-जाने की भनक स्थानीय ग्रामीणों को लगी तो उन्हें शक हुआ।

लगातार अलग-अलग लड़के-लड़कियों के आने-जाने की खबर पाकर आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बुधवार को इस मकान को घेर लिया और मौके से यहां सेक्स रैकेट चला रहे युवक जयकिशन साव को धरदबोचा। इस बीच मौके का फायदा उठाकर वहां मौजूद लड़कियां भाग निकलीं।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही

मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और दोपहर बाद से देर शाम तक हंगामा होता रहा। इस बीच घटना की सूचना स्थानीय मुखिया और जामताड़ा टाउन थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे टाउन थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह काफी देर तक लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास करते रहे।

मौके पर पहुंचे स्थानीय मुखिया सरोज हेम्ब्रम की मौजूदगी में स्थानीय लोगों ने आरोपित को पुलिस के हवाले किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कमरे से कई आपत्तिजनक सामाग्री बरामद की है।

थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि स्थानीय लोगों के आरोपों के आधार पर आरोपित से पूछताछ की गई और मौके से बरामद आपत्तिजनक साक्ष्यों के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है। देर शाम तक आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया जारी रही।

विश्वस्त पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपित के खिलाफ काफी समय से सेक्स रैकेट चलाने के आरोप लगते रहे हैं। सूत्रों की मानें तो यह आरोपित जामताड़ा के अलग-अलग ठिकानों पर सेक्स रैकेट चला चुका है।

लेकिन जब लोगों को मामले की भनक लगती थी वह अपना ठिकाना बदल लेता था। लेकिन इस बार साक्ष्यों के साथ पुलिस ने आरोपित को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से धरदबोचा।

जमशेदपुर के सोनारी-कदमा लिंक रोड पर हादसा:पुलिस वाहन ने मॉर्निंग वॉकर को मारा धक्का, मची अफरा-तफरी, महिला घायल

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सोनारी-कदमा लिंक रोड पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक पुलिस वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे टहल रहे लोगों और खड़ी गाड़ियों से जा टकराया। हादसे में एक महिला घायल हो गई। जबकि कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। घटना सुबह करीब छह बजे की है। बताया जा रहा है कि कार में कुछ पुलिसकर्मी सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शी संगीता कुमारी ने बताया कि रोज की तरह लोग सड़क किनारे टहल रहे थे। तभी तेज रफ्तार में आ रही पुलिस की कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और फुटपाथ पर चढ़ गई। इससे एक महिला गिरकर घायल हो गई। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने घायल महिला को पहुंचाया अस्पताल : घटना की जानकारी मिलते ही कदमा थाना की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को अपने वाहन से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया। घटना के बाद आक्रोशित

स्थानीय लोगों ने सड़क पर हंगामा किया। पुलिसकर्मियों को घेर लिया। लोगों ने वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही कदमा थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया।

बना रहता है हादसे का खतरा : स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय बड़ी संख्या में लोग इस रास्ते पर टहलने और योग करने आते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहन गंभीर हादसों का कारण बन सकते हैं। लोगों ने प्रशासन से इस रोड पर स्पीड ब्रेकर लगाने और यातायात नियंत्रण के उपाय करने की मांग की है। वहीं दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों के मालिकों ने मुआवजे की मांग की है। उनका कहना है कि बिना गलती के उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। चालक से पूछताछ की जा रही है।

घाटशिला उपचुनाव में आजसू की परीक्षा, 2024 हार के बाद एनडीए गठबंधन पर सवालों की नजर

रांची, एजेंसी। उपचुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल के रूप में आजसू पार्टी की भी परीक्षा होगी। इस कारण आजसू पार्टी इस उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा दमखम लगा रही है।

कोल्हान प्रमंडल के आजसू नेताओं सहित स्वयं पार्टी प्रमुख सुदेश महतो वहां चुनाव प्रचार कर रहे हैं। भाजपा को उम्मीद है कि आजसू का वहां जितना भी जनाधार है, उसका लाभ उसके प्रत्याशी को मिलेगा।

यह उम्मीद इसलिए भी है, क्योंकि वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान आजसू ने अपना जनाधार बताते हुए कोल्हान प्रमंडल की जिन सीटों पर अपना दावा किया था, उनमें तीन सीटें आजसू पार्टी को मिली थीं। भले ही तीनों सीटों पर इसकी हार हुई थी।

घाटशिला उपचुनाव में आजसू पार्टी की ओर से पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस तथा हरेलाल महतो भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन से दोनों नेता क्रमशः जुगसलाई विधानसभा सीट तथा ईचागढ़ से प्रत्याशी थे।

कुड़मी मतदाताओं की संख्या 10 हजार : एक ही प्रमंडल में इन विधानसभा क्षेत्रों के होने से घाटशिला में भी इन नेताओं का कुछ न कुछ प्रभाव है। घाटशिला में कुड़मी मतदाताओं की संख्या भी लगभग 10 हजार है। ऐसे में भाजपा को उम्मीद है कि

आजसू के साथ गठबंधन होने से इनके वोट उनके खाते में आएंगे।

हालांकि जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम द्वारा भी यहां प्रत्याशी देने से यह उम्मीद टूट भी सकती है। पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव में भी जेएलकेएम के प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने 8,092 वोट हासिल किए थे।

कहा जाता है कि जेएलकेएम ने ये वोट आजसू पार्टी में सेंध लगाकर हासिल किए थे। रामदास मुर्मू इस बार भी चुनाव मैदान में हैं। घाटशिला उपचुनाव में भाजपा को आजसू के साथ गठबंधन से मिलने वाले लाभ पर इसलिए भी लोगों की नजरें रहेंगी, क्योंकि पिछले वर्ष के विधानसभा चुनाव में आए परिणाम के बाद आजसू पार्टी के साथ गठबंधन पर सवाल उठने लगे थे।

800 करोड़ के जीएसटी घोटाले के आरोपी की जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर जारी रहेगी रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को जमशेदपुर में हुए 800 करोड़ रुपए से अधिक के जीएसटी घोटाले में आरोपी कारोबारी विक्की भालोटिया उर्फ अमित अग्रवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। प्रार्थी ने अपनी जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर एडजुकेटिंग अथॉरिटी (निर्णायक प्राधिकरण) की फाइनल सुनवाई में आदेश जारी करने पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

इस मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। इसके बाद प्रार्थी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से समय की मांग की गई। अदालत ने आग्रह स्वीकार करते हुए विक्की भालोटिया की जब्त संपत्ति के अटैचमेंट पर एडजुकेटिंग अथॉरिटी, पीएमएलए की फाइनल सुनवाई में आदेश पारित करने पर लगी रोक को अगली सुनवाई तक जारी रखा है। अब मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। इससे पहले प्रार्थी की ओर से अदालत को बताया गया था कि एडजुकेटिंग अथॉरिटी, पीएमएलए का कोरम अभी पूरा नहीं है, उसके तीन सदस्यों होने चाहिए थे, लेकिन अभी एक ही सदस्य हैं। ऐसे में उनकी जब्त संपत्ति के अटैचमेंट की फाइनल सुनवाई में आदेश पारित करने पर रोक लगाई जाए। मालूम हो कि शेल कंपनी बनाकर 800 करोड़ से अधिक की जीएसटी घोटाला के मामले में ईडी ने ईसीआईआर दर्ज करके जांच शुरू की थी। इस मामले में शिवकुमार देवड़ा, जमशेदपुर के जुगसलाई का कारोबारी विक्की भालोटिया, कोलकाता के कारोबारी अमित गुप्ता और मोहित देवड़ा को गिरफ्तार किया गया है।

कद्दू के छिलकों से गढ़ी अद्भुत रचना, देवघर के कलाकार को राष्ट्रीय स्तर पर किया गया सम्मानित

देवघर, एजेंसी। कहते हैं यदि मनुष्य का कला के प्रति प्रेम हो तो वह स्वयं उस कला का अंग बन जाता है और जब यह कला किसी कलाकार को अपना बना लेती है, तब संपूर्ण सृष्टि मानो उसकी अंगुलियों पर थिरकने लगती है। देवघर के प्रतिभाशाली कलाकार मार्कण्डेय जजवाड़े ऐसे ही अलौकिक कला-साधक हैं, जिन्होंने कद्दू के छिलकों में सृष्टि का सौंदर्य उकेर दिया है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी इस अनोखी कला के लिए सम्मानित मार्कण्डेय जजवाड़े आज उस मुकाम पर हैं, जहां उनका नाम देवघर ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड का गौरव बन चुका है।

मार्कण्डेय जजवाड़े बताते हैं कि कला उनके जीवन की सांस है। पिता के निधन के बाद उन्होंने साइन बोर्ड पेंटिंग से अपनी जीविका शुरू की। हाथ में तूलिका(सीढ़ी) और रंगों का डब्बा लिए उन्होंने दीवारों को कैनवास बना डाला। धीरे-धीरे यह रंग-राग एक आर्ट गैलरी में परिणत हुआ, जहां उन्होंने स्वयं के साथ अनेक नवोदित कलाकारों को प्रशिक्षित किया और उन्हें पहचान दिलाई।

जब वे अपने प्रयासों से कुछ स्थिर हुए, तो उन्होंने देश के विभिन्न आर्ट गैलरियों का भ्रमण आरंभ किया। दिल्ली के मंडी हाउस की दीर्घा में उनके रचनात्मक भावों ने कई

दर्शकों को चकित किया। यही एक दिन, उन्हें वह प्रेरणा मिली जिसने उनका जीवन बदल दिया।दिल्ली की एक ट्रेन में उन्होंने एक गायक को सितार लेकर बैठे देखा। पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह सितार कद्दू के छिलकों से बना है। बस, यहीं से उनके मन में एक नवीन विचार अंकुरित हुआ कि क्यों न कद्दू और अन्य सब्जियों के छिलकों से मूर्तियों का निर्माण किया जाए।

देवघर लौटकर उन्होंने किसानों से संपर्क साधा और कद्दू एकत्र किए, लेकिन कठिनाई यह रही कि आधे से अधिक कद्दू सड़ जाते थे। फिर भी, जो बचे वही उनकी सृजन-यात्रा का आधार बने। उन्होंने उन आड़े-टेढ़े कद्दू के छिलकों में सृष्टि की रेखाएं ढूंढी और उन्हें रूप दिया। उनके हाथों में छिलके मानो जीवित हो उठते थे। कभी देवी का रूप, कभी शिल्प का सौंदर्य, कभी प्रकृति की मूक व्यंजना। उनकी यह अनूठी कला अब देश की सीमाएं लांघ चुकी हैं। हाल ही में दिल्ली की मणिकर्णिका आर्ट गैलरी में 10 से 20 अक्टूबर तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में मार्कण्डेय जजवाड़े को गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह क्षण न केवल उनके लिए, बल्कि झारखंड के लिए भी गर्व का विषय है।

पर विडंबना यह है कि जहां एक ओर देश-विदेश में उनके शिल्प की जय-जयकार हो रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार और देवघर प्रशासन ऐसे कलाकारों को वह सम्मान और संसाधन नहीं दे पा रहा है, जिसके वे हकदार हैं। संथाल क्षेत्र में अब तक कलाकारों की कृतियों को सहेजने के लिए एक भी सरकारी कला दीर्घा(आर्ट गैलरी) नहीं है। इस अभाव को पूरा करने के लिए मार्कण्डेय जजवाड़े ने अपने ही घर के एक हॉल को गैलरी में रूपांतरित कर दिया है, जिसे उन्होंने संथाल क्षेत्र के समस्त कलाकारों को समर्पित किया है। यह न केवल उनकी सृजनशीलता का प्रतीक है, बल्कि उनके विनम्र हृदय और कला-भक्ति का भी दर्पण है। अब प्रश्न यह उठता है कि जब देवघर की माटी से ऐसे रत्न निकल रहे हैं, तो उन्हें संवारने और संजोने का उत्तरदायित्व कौन लेगा यदि सरकार ऐसे कलाकारों को उचित मंच, संसाधन और संरक्षण दे, तो यह निश्चित है कि झारखंड की कला की दीप्ति विश्व के हर कोने में अपना रोशनी फैलाएगी।

संपादकीय

राजधानी की हवा अब सिर्फ सांस लेने की चुनौती नहीं, चेतावनी है

सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। सीपीसीबी के अनुसार अक्षरधाम और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 403 दर्ज किया गया जो 'गंभीर' श्रेणी में है। हर वर्ष दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण एक बड़ी समस्या के रूप सामने आता है। आज हालत यह है कि इसने लाखों लोगों की सेहत को जोखिम में डाल दिया है। सवाल यह है कि हर वर्ष कुछ महीने एक ही स्थिति रहने के बावजूद सरकार इस समस्या को काबू क्यों नहीं कर पा रही है।

हर बार चंद कदम उठाए जाते हैं और जैसे ही मौसम बदलता है, सरकार हाथ पर हाथ रख कर बैठ जाती है, यह जानते हुए भी कि अगले साल भी यही समस्या होगी। इस समय दिल्ली में पिछले तीन दिनों से वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। हालांकि इसकी एक वजह हवा की गति कम होना बताया जा रहा है। गौरतलब है कि शीर्ष न्यायालय ने निर्धारित समय में और एक निश्चित मापदंड के साथ हरित पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। मगर जिस तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया, उससे साबित हो गया कि नागरिकों में दायित्व बोध का किस हद तक अभाव है। नतीजा यह कि बुधवार को दिल्ली से लेकर नोएडा और गाजियाबाद तक वायु गुणवत्ता सूचकांक तीन सौ से ऊपर चला गया।

अन्य इलाकों से भी प्रदूषण के इसी तरह बेलगाम होने की खबरें आईं। सवाल है कि मनमानी का नतीजा किसे भुगतना होगा। गौरतलब है कि दिल्ली में बीते सोमवार को वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर चला गया था। इस हवा को बिगाड़ने में निस्संदेह उन लोगों का भी हाथ रहा जो पटाखे छोड़ने की छूट का मनमाना दुरुपयोग कर रहे थे। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में प्रदूषण कम होने की बात सरकारी स्तर पर कही गई है।

जबकि दीपावली के अगले ही दिन आंखों में जलन और घुटन महसूस करने की शिकायतें आम थीं। पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आसमान धुंधला हो चुका था।सरकार प्रदूषण से निपटने के लिए इस बार भी उन्हीं उपायों को अपना रही है, जो बहुत कारगर नहीं रहे हैं। यह बेहद निराशाजनक है कि राजधानी और आसपास बढ़ते प्रदूषण को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। आज जरूरत इस समस्या का ठोस हल निकालने की है। यह नहीं भूलना चाहिए कि यह जीवन जीने के अधिकार से भी जुड़ा मसला है।

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

बिहार चुनाव-मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

(ललित गर्ग)

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है।

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता।

राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है।

जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपना ही बोया काट रहे राष्ट्रपति ट्रंप

'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन वही लोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति की नीतियों से खफा हैं और यह मानते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप एक तानाशाह के रूप में उभरे हैं। इनमें विरोधी पार्टी डेमोक्रेटिक के समर्थक भी हैं।

(अरविंद गुप्ता)

अमेरिका में राजनीतिक विभाजन कितना गहरा हो गया है, इसकी एक बानगी है ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चल रहा विरोध-प्रदर्शन। बीते 18 अक्तूबर को देश भर में करीब 2,700 जगहों पर प्रदर्शन हुए, जिनमें माना जा रहा है कि 70 लाख अमेरिकियों ने शिरकत की। इन प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे और वे 'नो किंग्स' के नारे लगा रहे थे, यानी अमेरिका में कोई राजा नहीं है।

'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन वही लोग कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति की नीतियों से खफा हैं और यह मानते हैं कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप एक तानाशाह के रूप में उभरे हैं। इनमें विरोधी पार्टी डेमोक्रेटिक के समर्थक भी हैं। उनकी नजर में रिपब्लिकन शासन में अमेरिका का लोकतंत्र कमजोर हुआ है और आप्रवासन नीति या 'शटडाउन' जैसे ट्रंप प्रशासन के फैसलों से देश की सेहत लगातार बिगड़ रही है।

गौरतलब है, सरकारी खर्च को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी न मिल पाने के कारण वहां सरकारी सेवाएं ठप हो चुकी हैं और तमाम विभागों के लाखों लोग या तो बिना वेतन के काम कर रहे हैं या उनको जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है, ताकि खर्च में कटौती की जा सके। इतना ही नहीं, स्वास्थ्य और शिक्षा के मद में भी खर्च घटाए गए हैं, साथ ही डेमोक्रेट सरकार के समय जो सुविधाएं लोगों को उपलब्ध थीं, उनमें भी कटौती की गई है। आलोचकों में नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि ट्रंप ने ऐसे कई कार्यकारी आदेशों पर दस्तखत किए हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते और यह काम केवल कांग्रेस कर सकती है। जैसे, टैरिफ को बढ़ाना, जिसका असर महंगाई पर पड़ा है। साफ है, ट्रंप के रुख को अमेरिका के लोग पसंद नहीं कर रहे। जून में भी इसी तरह से 'नो किंग्स' विरोध-प्रदर्शन हुए थे, हालांकि उसका दायरा सीमित था। लिहाजा, देखना अब यह है कि भविष्य में इस तरह के विरोध-प्रदर्शन किस दिशा में आगे बढ़ते हैं? इसका आकलन इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ट्रंप समर्थक इसे 'हेट अमेरिका', यानी अमेरिका-विरोधी बता रहे हैं। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने एआई की मदद से एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वह 'किंग ट्रंप' नामक लड़ाकू विमान में बैठे हुए हैं और प्रदर्शनकारियों पर इंसानी मल गिरा रहे हैं। यह अमेरिका में गहराते ध्रुवीकरण और राजनीतिक विभाजन का संकेत है। इसीलिए यह सवाल उठने लगा है कि बेशक अभी तक प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं और किसी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई है, पर क्या आने वाले दिनों में भी यही स्थिति बनी रहेगी? यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों की एक लंबी और गहरी परंपरा रही है। संविधान संशोधन 'एक' के माध्यम से यहां के हर व्यक्ति को यह अधिकार हासिल है कि वह अपनी मांग को लेकर लोगों को जुटा सकता है और विरोध का बिगुल बजा सकता है।

छठ पूजा में इन गलतियों से रहें दूर, वरना रूठ सकती हैं छठी मैया, जानें क्या करें और क्या नहीं?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर 2025, शनिवार से हुई और यह पर्व 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय होगा और अगले दिन यानी 26 अक्टूबर को खरना किया जाएगा। वहीं, 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और अंत में 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन होगा। छठ पूजा में क्या नहीं करना चाहिए ?

(सुषमा कुमारी)

हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दौरान कुछ खास नियमों का पालन करना अनिवार्य माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं छठ पूजा में क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

लोक आस्था और श्रद्धा का पर्व छठ की शुरुआत 25 अक्टूबर से हो गई है। यह महापर्व चार दिनों तक चलता है और हर दिन का अपना विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस पर्व में छठी मैया और भगवान सूर्य की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। छठ महापर्व नहाए-खाए से शुरू होकर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होता है। आपको बता दें कि शास्त्रों में छठ पूजा से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम बताए गए हैं, जिन्हें पालन करना अत्यंत आवश्यक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन न करने से पूजा का फल नहीं मिल पाता है। ऐसे में आइए जानते हैं छठ पूजा के दौरान क्या करना चाहिए और किन बातों से बचना चाहिए। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर 2025, शनिवार से हुई और यह पर्व 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को नहाय-खाय होगा और अगले दिन यानी 26 अक्टूबर को खरना किया जाएगा। वहीं, 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और अंत में 28 अक्टूबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस महापर्व का समापन होगा। छठ पूजा में क्या नहीं करना चाहिए ?

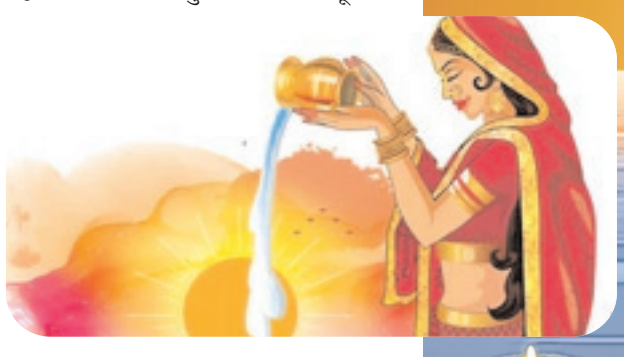

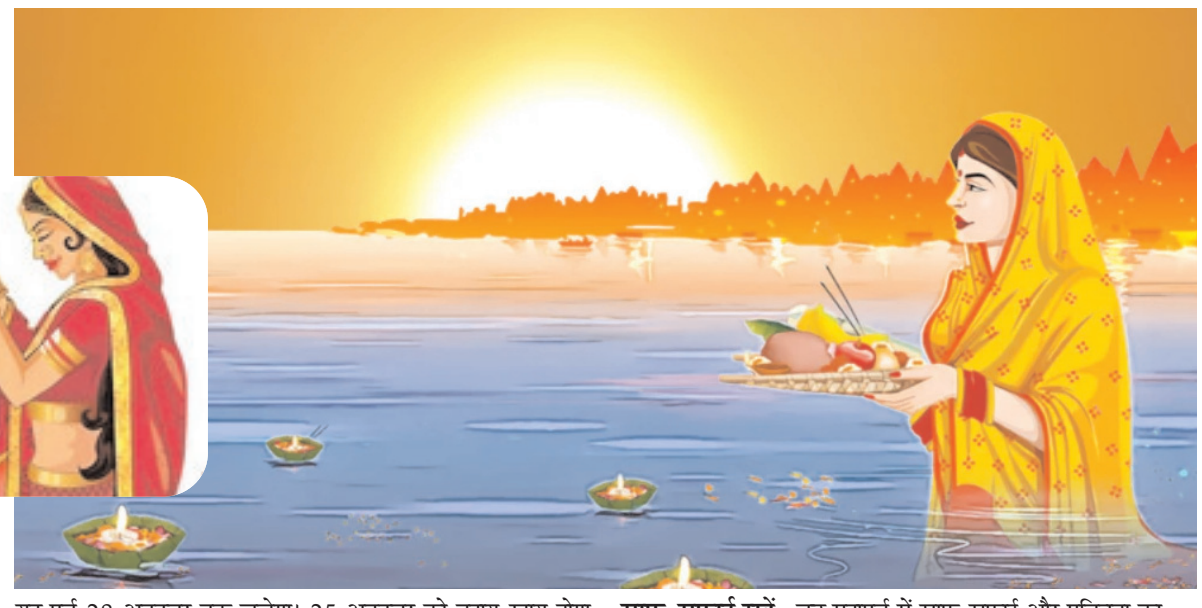

साफ-सफाई रखें- छठ महापर्व में साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष महत्व है। व्रत के दौरान घर, मंदिर और रसोईघर को पूरी तरह स्वच्छ रखना चाहिए। प्रसाद बनाते समय भी स्वच्छता और पवित्रता का विशेष ध्यान रखना अनिवार्य है।

लहसुन, प्याज का सेवन न करें- नहाय-खाय वाले दिन व्रती महिलाओं को सात्विक भोजन करना चाहिए। इस दिन लहसुन, प्याज जैसी तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। छठ पर्व में केवल व्रती ही नहीं, बल्कि उनके परिवार को भी सात्विक भोजन करना चाहिए, ताकि मन में श्रद्धा और भक्ति भाव बना रहे।

पानी का सेवन न करें- खरना वाले दिन से व्रत शुरू हो जाता है। छठ में निर्जला व्रत का विधान है, इसलिए व्रती महिलाओं को लगभग 36 घंटे तक पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में इसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। यदि व्रत के दौरान पानी पी लिया जाए, तो व्रत और पूजा अधूरी मानी जाती है।

ये काम न करें- व्रत रखने से पहले अपनी सेहत का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, जिसके कारण निर्जला व्रत नहीं रखा जा सकता, तो उस स्थिति में व्रत नहीं रखना चाहिए। केवल वही महिलाएं यह व्रत करें, जो इसके नियम का पूरी तरह पालन कर सकें।

फलों को जरूर धोएं- छठ पूजा में प्रयोग होने वाले गेहूं को अच्छे से धोकर सुखाना चाहिए और इसे पशु-पक्षियों से सुरक्षित रखना जरूरी है। छठ महापर्व में पवित्रता का विशेष महत्व है, इसलिए पूजा के सभी फलों को भी धोकर साफ स्थान पर रखना चाहिए।

साफ वस्त्र पहनें- व्रती महिलाओं को चारों दिन स्नान करके साफ वस्त्र पहनने चाहिए और नारंगी रंग का सिंदूर ही लगाना चाहिए। छठ पर्व में यह सिंदूर खास महत्व रखता है।

नई टोकरी का प्रयोग करें- पूजा के लिए हर साल नई टोकरी का प्रयोग करना शुभ माना जाता है। पुरानी या फटी हुई टोकरी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर पीतल की टोकरी या सूप है, तो उसे गंगाजल से शुद्ध कर इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस बात का रखें खास ध्यान- परिवार के सभी सदस्य इस बात का ध्यान रखें कि व्रती महिला या पुरुष के भोजन करने के बाद ही प्रसाद या खाना ग्रहण करना चाहिए। खरना वाले दिन इस नियम का विशेष रूप से पालन करना चाहिए। इस लेख में दी गई किसी भी जानकारी की सटीकता या विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है।

मेयर और पूर्व डिप्टी मेयर की गिरफ्तारी के लिए भाजपा ने निकाला कैंडल मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। भाजपा गया जिला इकाई ने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के उपाध्यक्ष उपेंद्र पासवान के पुत्र शुभाब कुमार की हत्या के विरोध में शुक्रवार को गया शहर में विशाल कैंडल मार्च निकाला। कार्यक्रम का नेतृत्व बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री और विधायक प्रेम कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति स्पष्ट है – अपराधी चाहे कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि न्याय मिलने तक भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। कैंडल मार्च में कार्यकर्ताओं ने हाथों में कैंडल और तख्तियां लेकर मेयर गणेश पासवान और पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव को गिरफ्तार करो और पुलिस प्रशासन खोलो कान, नहीं तो होगा चक्का जाम जैसे नारे लगाए। भाजपा नेताओं ने कहा कि सुभाष कुमार की हत्या कोई साधारण अपराध नहीं, बल्कि राजनीतिक साजिश और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने बताया कि उपेंद्र पासवान ने वर्ष 2022 में ही अपने पुत्र को मिल रही धमकियों की जानकारी पुलिस और न्यायालय को दी थी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। भाजपा ने प्रशासन को 72 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में दोषियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी की प्रमुख मांगों में मेयर गणेश पासवान और कांग्रेस प्रत्याशी मोहन श्रीवास्तव की तत्काल गिरफ्तारी, प्राथमिकी में नामजद अन्य आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मामले की जांच एसआईटी या उच्चस्तरीय समिति से कराने, पीड़ित परिवार को सरकारी सुरक्षा व आर्थिक सहायता देने और कर्तव्यहीन अधिकारियों पर कार्रवाई शामिल है। कैंडल मार्च में मंत्री प्रेम कुमार के साथ भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार, सुनील कुमार सिन्हा, विधानसभा प्रभारी नीरज निश्चल, प्रेम सागर, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष देवानंद पासवान, व्यवसाय मंच संयोजक ऋषि लोहानी, रमेश गुप्ता, गुंजन मिश्रा, राजेश मस्तान, मनीष सोनू, रामपुकार सिंह, रौनक सेठ, पवन कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष करुणा सिंह, प्रदेश नेत्री प्रभावती देवी, महामंत्री नीलम कुमारी, किसान मोर्चा अध्यक्ष शंभू यादव, शिवनारायण चंद्रवंशी, अशोक साहनी, उपेंद्र पासवान, सुशील पासवान, बंटी वर्मा, गौतम, दीपक कुमार और राजनंदन गांधी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने कहा कि दोषियों की गिरफ्तारी से ही जनता का विश्वास शासन-प्रशासन में बहाल होगा।

नगर आयुक्त ने छठ घाटों की तैयारियों का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी को लेकर नगर निगम एवं जिला प्रशासन की तैयारी अंतिम चरण पर है। इसी क्रम में शनिवार को नगर निगम के नगर आयुक्त कुमार अनुराग द्वारा घाटों का निरीक्षण किया गया। वार्ड नं 28 स्थित कटारी तालाब का सर्वप्रथम निरीक्षण किया गया। यह घाट निगम के सबसे अंतिम छोर पर है। निरीक्षण में पाया गया कि साफ सफाई की कार्य घाट पर पूर्ण कर ली गई है। लाइटिंग एवं चेंजिंग रूम के अधिष्ठान का कार्य किया जा रहा था जो अभियंता द्वारा बताया गया कि कल सुबह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके पश्चात सरयू तालाब का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि स्थानीय पार्षद एवं लोगों से सूचना मिली है कि इस बार सरयू तालाब में भी छठ मनाया जाएगा। इसलिए पूर्ण रूप से सरयू तालाब की साफ सफाई कराई गई है एवं बेरीकेडिंग का भी कार्य कराया गया है। साथ ही अतिरिक्त लाइट की भी व्यवस्था कराई गई है। इसके पश्चात रुक्मिणी तालाब, सूर्य पोखर मानपुर एवं राम कुंड का भी निरीक्षण किया गया। ये तीनों तालाबों में गया शहर का मूर्ति विसर्जन होता है जिस कारण आज सुबह तक इन तालाबों में लक्ष्मी पूजा एवं चित्रगुप्त पूजा के पश्चात मूर्ति विसर्जन किया गया। मूर्ति विसर्जन के बाद इसकी सफाई एवं बेरीकेडिंग का कार्य कराया जा रहा है। लाइटिंग एवं कंट्रोल रूम के अधिष्ठान कार्य को पूर्ण करा लिया गया है। साथ ही मानपुर में वार्ड 52 में मल्लाह टोली घाट का भी निरीक्षण किया गया। यहां पर स्थानीय लोगों एवं समिति द्वारा बताया गया कि समतलीकरण के कार्य की अतिरिक्त आवश्यकता है जिस कारण से और सफाई कर्मी एवं जेसीबी की आवश्यकता पड़ेगी। वहां उपस्थित कनीय अभियंता, सहायक अभियंता एवं स्वच्छता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अविलंब घाट की समतलीकरण कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए निगम से अतिरिक्त दो जेसीबी कर्मी के साथ लगाने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि कुल 30 मुख्य घाट एवं कई छोटे घाट में छठ महापर्व को ध्यान में रखते हुए साफ सफाई एवं तैयारी की गई है। 27 एवं 28 तारीख को ध्यान में रखते हुए साफ सफाई का कार्य चिन्हित घाटों पर पूर्ण है एवं अन्य कार्य अंतिम चरण पर है। कई जगह जहां छठ समिति सक्रिय है, वहां इसके अतिरिक्त साज सज्जा घाटों पर समिति द्वारा की जाती रही है।सभी, मुख्य घाटों एवं स्थानों पर आवश्यकता अनुसार पेयजल हेतु अतिरिक्त वाटर टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति की जाएगी। नगर आयुक्त ने बताया कि निगम अंतर्गत घाटों को जोन में बांटा गया है।सभी, जोन में वरीय पदाधिकारियों को नोडल के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

सुधा डेयरी ने छठ पूजा में तीन लाख लीटर दूध और 50 टन घी बिक्री का रखा लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर गया (सुधा) डेयरी ने इस बार मगध प्रमंडल के जिलों में बड़े पैमाने पर दूध और घी की बिक्री का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस बार तीन लाख लीटर दूध और 50 टन घी की बिक्री का लक्ष्य रखा गया है। छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने पहले से ही उत्पादन और वितरण की पूरी तैयारी कर ली है। गया डेयरी के प्रबंध निदेशक हेमेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि छठ पर्व बिहार की आस्था और परंपरा का सबसे बड़ा उत्सव है जिसमें शुद्धता और पवित्रता सर्वोपरि होती है। ऐसे में सुधा डेयरी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह लोगों तक शुद्ध, ताजा और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद पहुंचाए। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी संयंत्रों में विशेष शिफ्ट लगाई गई है और उत्पादन क्षमता को बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि मगध प्रमंडल के सभी जिलों – गया, औरंगाबाद, नवादा, अरवल एवं जहानाबाद में दूध और घी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परिवहन और वितरण नेटवर्क को और सुदृढ़ किया गया है। विभिन्न खुदरा विक्रेताओं और एजेंटों को अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि किसी भी क्षेत्र में आपूर्ति की कमी न हो। देव के प्रसिद्ध छठ मेला में सुधा की ओर से चार विशेष काउंटर लगाए जाएंगे जहां श्रद्धालुओं के लिए घी और दूध उचित दरों पर उपलब्ध रहेंगे। प्रबंध निदेशक ने कहा कि सुधा का उद्देश्य केवल उत्पाद बेचना नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के पर्व को सहज, सुगम और पवित्र बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि सुधा डेयरी बिहारवासियों की अपनी ब्रांड है और हर पर्व-त्योहार में लोगों का विश्वास ही इसकी सबसे बड़ी पूंजी है। छठ पर्व के अवसर पर सुधा पूरी निष्ठा के साथ यह सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालुओं को शुद्ध घी और दूध की कमी न हो।

नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और आस्था का महापर्व छठ शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा शनिवार को नहाय-खाय के साथ श्रद्धा और उल्लास के माहौल में शुरू हो गया। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरूआत भक्तों ने पवित्रता और परंपरा के साथ की। नहाय-खाय के दिन व्रती महिलाएं स्नान कर शुद्धता के साथ भगवान सूर्य की आराधना करती हैं। इस दिन पारंपरिक रूप से चना दाल, कद्दू की सब्जी, अरवा चावल, शुद्ध घी और अगस्त के फूल का विशेष महत्व माना जाता है। आस्था के पर्व को लेकर शेरघाटी नगर परिषद क्षेत्र में छठ पूजा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। नगर परिषद के सहयोग से विभिन्न घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्य रूप से राममंदिर घाट, कोल्डस्टोरेज घाट, पलकिया, मिल्कीबाग, पलिहद कुटीर, आमरसिंह बाग और हमजापुर घाट समेत करीब तीन दर्जन से अधिक घाटों को आकर्षक तरीके से सजाया गया है। नगर परिषद कर्मी लगातार घाटों की सफाई और पानी के बहाव की जांच में जुटे हुए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं स्थानीय लोगों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी घाटों पर सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखने पर जूट गए है। छठ पर्व के प्रति लोगों में गहरा उत्साह देखा जा रहा है। बाजारों में पूजा सामग्री की खरीदारी के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। चार दिवसीय इस महापर्व के अगले चरण में खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य के साथ मंगलवार को पर्व का समापन होगा। वही तैयारी को लेकर शेरघाटी नगर परिषद अध्यक्ष गीता देवी, उपाध्यक्ष तालेश्वर चौधरी उर्फ भोला चौधरी, कार्यपालक पदाधिकारी ऋचा प्रियदर्शी, दीनानाथ पांडेय ने सभी छठ घाटों का निरीक्षण किया और विधि व्यवस्था का जायजा लिया।

लोक आस्था का सबसे पवित्र और महान पर्व है छठ पूजा : डॉ. मनीष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। लोक आस्था का महान पर्व छठ पूजा नहाय खाय के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आरंभ हो गया। आज के दिन व्रती नदी, तालाब एवं पवित्र जलाशयों में स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हुए भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना आरंभ की। यह पर्व न केवल सूर्य उपासना का प्रतीक है, बल्कि पर्यावरण, स्वच्छता, संयम और समर्पण की भी प्रेरणा देता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि छठ पूजा लोक आस्था का सबसे पवित्र और महान पर्व है, जो समाज को एकता, पवित्रता और संयम का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व जन-जन के भावनाओं से जुड़ा हुआ है जहां लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ मिलकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि छठ पूजा का हर चरण वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है – स्वच्छता, जल संरक्षण और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान भास्कर से प्रार्थना है कि वे सभी को स्वास्थ्य, समृद्धि और जीवन में प्रकाश प्रदान करें। इस पर्व से समाज में समरसता, प्रेम और भाईचारे की भावना को और बल मिलता है। छठ महापर्व केवल पूजा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का प्रतीक है जो पीढ़ियों से हमारी परंपरा और विश्वास को मजबूत करता आ रहा है।

शेरघाटी में इंडिया गठबंधन की बैठक

राजद प्रत्याशी प्रमोद वर्मा को जीत दिलाने का लिया संकल्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। शहर के एक निजी मकान में शनिवार को इंडिया गठबंधन के घटक दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति और प्रचार-प्रसार पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सभी दलों के नेताओं ने राजद प्रत्याशी प्रमोद वर्मा को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया और भारी मतों से विजय सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शेरघाटी की जनता परिवर्तन चाहती है और इंडिया गठबंधन विकास, न्याय और सामाजिक समरसता की राजनीति को मजबूत करेगा। सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे गांव-गांव जाकर गठबंधन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं और प्रचार-प्रसार को तेज करें। इस अवसर पर राजद प्रत्याशी प्रमोद वर्मा के साथ रविंद्र यादव, जितेंद्र यादव, लालबहादुर शास्त्री, शकील खां, मो. नाजिम अख्तर, आबिद इमाम, सहीद आलम समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

सड़क नहीं बनने से वोट बहिष्कार का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। प्रखण्ड क्षेत्र के तिलोरी पंचायत अंतर्गत राणापुर गांव के ग्रामीणों ने सड़क नहीं बनने पर वोट बहिष्कार का निर्णय लिया है। इस संबंध में ग्रामीण रंजन यादव, श्रीराम पासवान, मुरली मनोहर जोशी ने बताया कि हमारे गांव से मात्र एक किलो मीटर की दूरी पर स्टेट हाइवे -101 गुजरा है, परन्तु आज तक हमारे गांव को मुख्य सड़क से जोड़ा नहीं गया है। यह सड़क गया शहर के मगध मेडिकल अस्पताल तक जाता है। अगर जुड़ जाता तो ग्रामीणों को सुलभ रूप में बेहतर इलाज प्रदान हो जाता। गांव का मुख्य रास्ता पूर्ण रूप से कच्चा है। बरसात के मौसम में पैदल चलना दुश्वार हो जाता है। ग्रामीणों के बीमार पड़ने पर खटीया पर टांग कर मुख्य सड़क तक मरीजों को ले जाना पड़ता है। हमलोग स्थानीय मुखिया, विधायक, सांसद को अपनी समस्या बताते - बताते थक चुके हैं, परन्तु कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं सिर्फ कोरा आश्वासन देते हैं। ऐसी स्थिति में हम गांव के युवाओं ने निर्णय लिया है कि इस लोकतंत्र में यदि हमारी समस्याओं का निराकरण करने वाले कोई नहीं तो हमलोग वोट क्यों दें। अतः हमलोगों ने वोट बहिष्कार का निर्णय लिया है।

चंद्रवंशी समाज की बैठक में राजद प्रत्याशी अजय दांगी को समर्थन देने का निर्णय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। प्रखंड क्षेत्र के एक निजी होटल में शनिवार की दोपहर 3 बजे चंद्रवंशी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सनोज चंद्रवंशी ने की जबकि संचालन का कार्य छोटू चंद्रवंशी ने संभाला। बैठक में समाज के कई प्रबुद्धजनों ने भाग लिया और टिकारी विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक हालात पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि टिकारी विधानसभा से मुकेश चंद्रवंशी के नामांकन को साजिश के तहत रद्द कराया गया है जिससे समाज में गहरा आक्रोश है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चंद्रवंशी समाज अब टिकारी विधानसभा से राजद प्रत्याशी अजय कुमार दांगी को समर्थन देगा और उनके पक्ष में मतदान करेगा। वक्ताओं ने कहा कि समाज की एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए सभी लोग मिलकर एकजुट होकर राजद प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करें। इसी क्रम में विगत शुक्रवार की सुबह गया जिला जदयू के जिला महासचिव सह पूर्व किसान प्रकोष्ठ अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद चंद्रवंशी ने फेसबुक पर पोस्ट कर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता व सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने टिकारी में राजद प्रत्याशी अजय कुमार दांगी, जिलाध्यक्ष सुभाष यादव और राजद प्रभारी डॉ. रामाशीष कुमार की उपस्थिति में राजद की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में मुकेश चंद्रवंशी, पप्पू चंद्रवंशी, जितेंद्र चंद्रवंशी, मोहन चंद्रवंशी, पिंटू चंद्रवंशी, रंजन, संटू चंद्रवंशी, चंदन चंद्रवंशी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

Format C - 2

(For political party to publish in website, newspapers, TV)

Declaration about criminal antecedents of candidates set up by the party

(as per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name of political party: **Bharatiya Janata Party**

*Name of Election: **Bihar Legislative Assembly Election 2025**

Name of State/UT: **Bihar**

Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	Pending Criminal cases		Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case No. & status of the case(s)	Sections of the acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offences(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed.
1.	96 - BARURAJ	SHRI ARUN KUMAR SINGH	Shri Bhanu Pratap, JM 1st Class Muzaffarpur Brahmapura, Muzaffarpur PS Case no. 66/2012 Pending	U/S 147, 148, 149, 452, 504, 506, 427, 440, IPC & 27 ARMS ACT	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the Election concerned in place of name of constituency.

Format C - 2

(For political party to publish in website, newspapers, TV)

Declaration about criminal antecedents of candidates set up by the party

(as per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.)

Name of political party: **Bharatiya Janata Party**

*Name of Election: **Bihar Legislative Assembly Election 2025**

Name of State/UT: **Bihar**

Sl. No.	Name of Constituency	Name of Candidate	Pending Criminal cases		Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case No. & status of the case(s)	Sections of the acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offences(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed.
1.	200 - Buxar	Shri Anand Mishra	CJM, Patna Gandhi Maidan PS Case No. 815/24 Pending	U/S 191(2), 191(3), 190, 223, 131, 132, 324(4) of B.N.S	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the Election concerned in place of name of constituency.

एलजी वाली लिस्टिंग के संकेत दे रहा यह आईपीओ, 29 अक्टूबर से ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा पाए हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगले हफ्ते एक और मेनबोर्ड आईपीओ ओपन हो रहा है। यह आईपीओ ग्रे मार्केट में एलजी इंडिया की तरह ही प्रदर्शन कर रहा है। हम बात कर रहे हैं ओर्कला इंडिया आईपीओ की। कंपनी का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खुला रहेगा। ओर्कला इंडिया आईपीओ का साइज 1667.54 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 2.28 करोड़ शेयर ऑफर फार सेल के जरिए जारी करेगी। कंपनी के मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी घटाएंगे। ओर्कला इंडिया आईपीओ फ्रेश शेयर नहीं जारी करेगी। जिसका मतलब हुआ कि इश्यू से जुटाए पैसों का प्रयोग कंपनी के काम में नहीं आएगा।इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 145 रुपये के प्रीमियम पर आज ट्रेड कर रहा है। जोकि 19.86 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। अगर ग्रे मार्केट की मौजूदा स्थिति बरकरार रही तो ओरक्ला इंडिया आईपीओ शेयर बाजारों में 875 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। ओर्कला इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड कंपनी ने 695 रुपये से 730 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी ने 20 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14600 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 69 रुपये की छूट दी है। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत और एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा।

सोने की बदौलत विदेशी मुद्रा भंडार फिर पहुंचा 700 अरब डॉलर के पार

- *17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था।*

मुंबई, एजेंसी। याद कीजिए दिवाली से पहले का सप्ताह। बीते शनिवार को धनतेरस था और उससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 को इसका भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इसका फायदा रिजर्व बैंक को मिला। उसके स्वर्ण भंडार में 6.181 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इस वजह से अपने विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई। इससे पहले तो लगातार चार सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी ही हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 4.496 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 2.176 बिलियनकी कमी हुई थी। अब अपना भंडार बढ़ कर 702.280बिलियन तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियनके रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में कमी हुई है। 17 अक्टूबर 2025 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने एफसीए में 1.692 बिलियन की कमी हुई है।

बढ़ ही रहा है गोल्ड रिजर्व

दिवाली से पहले सोने की कीमत आसमान में चली गई थी। धनतेरस से एक दिन पहले यानी 17 अक्टूबर 2025 को 24 कैरेट सोने का भाव 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर बंद हुआ था। इस वजह से रिजर्व बैंक के भंडार में जितना सोना है, उसका भी वैल्यू बढ़ गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक बीते 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने सोने के भंडार में 6.181 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 3.595 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपना सोने का भंडार बढ़ कर यूएसडी 108.546 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का 14.7 फीसदी से कुछ ज्यादा बैठता है।

सरकार ने एनपीएस और यूपीएस के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए दो और निवेश विकल्प जोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दो निवेश विकल्पों, जीवन चक्र और संतुलित जीवन चक्र के विस्तार को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को यह एलान किया। सरकार का यह फैसला केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की ओर से गैर-सरकारी अंशदाताओं के लिए उपलब्ध निवेश विकल्पों के समान व्यापक श्रेणी की लगातार मांग के बाद लिया गया है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये विकल्प सेवानिवृत्ति योजना में लचीलापन बढ़ाने और कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार अपनी सेवानिवृत्ति निधि का प्रबंधन करने की सुविधा देने के लिए तैयार किए गए हैं।

एनपीएस और यूपीएस के अंतर्गत, केंद्र सरकार के कर्मचारी अब निवेश के विभिन्न विकल्पों में से चुन सकते हैं। इसमें डिफ़ॉल्ट विकल्प के तहत पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की ओर से समय-समय पर परिभाषित निवेश का एक डिफ़ॉल्ट पैटर्न तय किया गया है। इसके तहत दूसरा विकल्प स्कीम जी है, जिसमें 100 प्रतिशत निवेश कम जोखिम, निश्चित रिटर्न के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में किया जाएगा। जीवन चक्र (एलसी-25) विकल्प के अंतर्गत अधिकतम इक्विटी आवंटन 25 प्रतिशत होगा, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है।

जर्मनी-यूके को छूट, भारत पर निशाना क्यों सभा में पीयूष गोयल की पश्चिमी नेताओं को हिदायत

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर और अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की चर्चा के बीच केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग सम्मेलन में शुक्रवार को पश्चिमी देशों करारा जवाब दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जर्मनी खुद ही अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है और ब्रिटेन को पहले ही मिल चुका है, तो भारत को क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल की ये बात सुनकर वहां मौजूद यूके की ट्रेड मंत्री क्रिस ब्रायंट ने कहा कि उनकी छूट केवल रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी के लिए है। ऐसे में गोयल ने पलटवार

करते हुए कहा कि भारत के पास भी तो रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी है, फिर हमें क्यों उनकी बात सुनकर बैठक में नेता कुछ देर के लिए चुप रह गए। गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी आर्थिक नीतियों में स्वतंत्र और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखता है और किसी बाहरी दबाव में समझौता नहीं करेगा।

प्रतिबंध लगाकर क्या हासिल करना चाहता है अमेरिका

बता दें कि रूस तेल से खरीद को लेकर अमेरिका लगातार प्रतिबंधों की धमकी दे रहा है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड का मानना है कि भारत जैसे देशों पर दबाव डालने से रूस कमजोर होगा और यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर मजबूर होगा, जबकि हाल ही में यूरोपीय संघ ने तीन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए और अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों रॉसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए। इस दौरान पीयूष गोयल ने इस बात भी जोर दिया कि भारत हमेशा से ही अपनी स्वतंत्र व्यापार नीति पर चलता है और हमारे लिए हमारा राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। उन्होंने कहा कि हम कभी किसी 'डेडलाइन' या 'सिर पर तनी बंदूक' के दबाव में समझौता नहीं करेंगे।

11 अरब डॉलर स्वाहा ! हफ्ते के आखिरी दिन लुट गए एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहा। अमेरिकी शेयर बाजार में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 3.4 प्रतिशत गिरावट आई। इस कारण मस्क की नेटवर्थ में 11 अरब डॉलर यानी करीब 9,66,06,40,00,000 की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 451 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18 अरब डॉलर की तेजी आई है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से 8 की नेटवर्थ में शुक्रवार को तेजी रही।ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन ने इस साल सबसे ज्यादा 151 अरब डॉलर की कमाई की है। एलिसन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 2.82 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 343 अरब डॉलर पहुंच गई। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में फेसबुक के मार्क जकरबर्ग तीसरे (260 अरब), ऐमजॉन के जेफ बेजोस (247 अरब) चौथे, लैरी पेज (227 अरब) पांचवें, सर्गेई ब्रिन (212 अरब) छठे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (.195 अरब) सातवें, स्टीव बालमर (.180 अरब) आठवें, जेंसन हुआंग (.162 अरब) नौवें और माइकल डेल (.159 अरब) दसवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 103 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में 18वें नंबर पर जमे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन की नेटवर्थ में शुक्रवार को 11.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई।

दो दोस्तों ने खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। आजकल फेंके हुए कपड़े और फास्ट फैशन का कचरा लैंडफिल में जमा होता जा रहा है। ऐसे समय में दो युवा उद्यमियों मयंक सिंह और आयुष सक्सेना ने कबाड़ से ऐसा बिजनेस खड़ा किया है जो जबरदस्त कमाई करा रहा है। उनका स्टार्टअप टूयूज्ड लोगों को पुराने कपड़े, चमड़े का सामान, जूते और इलेक्ट्रॉनिक्स रीसायकल करने की सुविधा देता है। इसके बदले में उन्हें क्रेडिट मिलते हैं, जिन्हें वे नकद या वाउचर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

टूयूज्ड की स्थापना साल 2023 मेंलेटफ्लाई डायरेक्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से हुई थी। यह कंपनी गुड़गांव (हरियाणा) में स्थित है। मयंक इसके सीईओ हैं और टेक्नोलॉजी व लॉजिस्टिक्स संभालते हैं। वहीं आयुष सीबीओ हैं और ऑपरेशन्स देखते हैं। शुरुआत में यह बिजनेस-टू-कंज्यूमर मॉडल पर काम कर रहा था, लेकिन अप्रैल 2025 में यह (बिजनेस-टू-बिजनेस) में भी फैल गया।

कैसे काम करती है कंपनी: यह कंपनी उन परिवारों और व्यवसायों से कपड़े इकट्ठा

करती है जो अपने पुराने सामान से छुटकारा पाना चाहते हैं। जो कपड़े पहनने लायक होते हैं, उन्हें लगभग 6,000 खरीदारों और एनजीओ को बेचा जाता है। ये खरीदार टियर-2 और टियर-3 शहरों में सप्लाई करते हैं बड़े ब्रांड के कपड़े उन लोगों के लिए भी किफायती हो जाते हैं जो शायद उन्हें असली कीमत पर नहीं खरीद पाते।

जो कपड़े इस्तेमाल के लायक नहीं होते, उन्हें रीसायकल करके टिकाऊ फैब्रिक बनाया जाता है। यह फैब्रिक उत्तर भारत, पंजाब, कोलकाता, अहमदाबाद और नासिक के खरीदारों को बेचा जाता है। टूस्डग्राहक के टूस्ड वॉलेट में क्रेडिट पॉइंट जोड़ देता है। एक क्रेडिट एक रुपये के बराबर है। इन क्रेडिट पॉइंट्स का इस्तेमाल फ्लिपकार्ट, जोमैटो, स्विगी आदि जैसे लगभग 200 ब्रांड्स से कुछ भी खरीदने के लिए किया जा सकता है। औसतन एक बॉक्स ग्राहक के लिए 400 से 600 रुपये के वाउचर के बराबर होता है।

ऑनलाइन डिलीवरी का ऑप्शन

व्यक्तियों के लिए प्रक्रिया समझाते हुए मयंक कहते हैं कि उन्हें बस ऐप डाउनलोड करना है और ऐप पर ऑर्डर देना है। एक या दो दिन के अंदर उनके दरवाजे पर 24×24 इंच का एक कार्टन डिलीवर किया जाएगा, जिस पर रिवर्स शिपिंग लेबल छपा होगा।टूस्ड अपने ग्राहकों को इस बैग को तैयार करने के लिए कुछ समय देता है। जब यह तैयार हो जाता है, तो लॉजिस्टिक्स पार्टनर आकर उसे दो से तीन दिनों में टूस्ड ऑफिस भेज देता है। जब कार्टन अत्रत्र फैसिलिटी में पहुंचता है, तो वहां की टीम कपड़ों को रंग, आकार और मटेरियल के हिसाब से अलग करती है।टूस्डऐप ग्राहकों को ट्रैकर की सुविधा भी देता है, जिससे वे कार्बन उत्सर्जन कम करने में अपने योगदान का प्रभाव देख सकते हैं। इस कार्टन के बदले में (जिसमें आमतौर पर 15 से 20 कपड़े होते हैं)।

प्रति व्यक्ति अधिक आय के बावजूद दक्षिण भारतीय कर्ज लेने में आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के ग्रामीण, कम शिक्षित और छोटे परिवार कर्ज के बोझ में ज्यादा डूबे हैं। शहरी, अधिक पढ़े-लिखे और तुलनात्मक रूप से बड़े परिवार कर्ज के मोर्चे पर इनसे बेहतर स्थिति में हैं। देश के पुरुषों के मुकाबले महिलाएं बेहतर स्थिति में हैं और उन पर कर्ज काफी कम है।

सांख्यिकी मंत्रालय की अर्धवार्षिक पत्रिका सर्वेक्षण के ताजा अंक में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 15 फीसदी परिवारों पर किसी न किसी तरह का कर्ज है, जबकि शहरों में यह हिस्सा 14 फीसदी है।वहीं, 15 फीसदी गैर-शिक्षित और 15.7 फीसदी प्राथमिक या माध्यमिक तक पढ़े-लिखे परिवार कर्ज में डूबे हुएहैं, जबकि उच्च शिक्षित परिवारों में यह आंकड़ा सिर्फ 13.2 फीसदी है।

अध्ययन के मुताबिक, चार लोगों से कम संख्या वाले देश के 17.8 फीसदी परिवार कर्ज तले दबे हैं।यह अपेक्षाकृत बड़े परिवारों की तुलना में अधिक है।अधिकतम आठ लोगों की संख्या वाले सिर्फ 10 फीसदी परिवारों पर ही किसी न किसी तरह का कर्ज है।महिलाओं के मोर्चे पर यह आंकड़ा सिर्फ 9.1 फीसदी है।इनकी तुलना में देश के 20 फीसदी पुरुषों पर किसी न किसी तरह का बकाया कर्ज है।अध्ययन के मुताबिक, देश के 32 फीसदी स्वरोजगार लोग कर्ज तले दबे हुए हैं, जो सबसे ज्यादा है। कर्ज लेने वाले वेतनभोगियों की हिस्सेदारी 22.8 फीसदी है। 22.5 फीसदी दिहाड़ी श्रमिकों और हेल्पर के रूप में काम करने वाले 13.4 फीसदी लोगों ने कोई न कोई कर्ज ले रखा है। जो लोग कोई कार्य नहीं करते हैं या काम के लिए उपलब्ध हैं।

दो दोस्तों ने पुराने कपड़ों से खड़ा कर दिया करोड़ों का कारोबार

- *रूस के बदले अमेरिका और पश्चिम एशिया से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत, 21 नवंबर से प्रतिबंध लागू*

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की ओर से रूस के दो बड़े तेल उत्पादकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत अब रूस के बदले पश्चिम एशिया, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, कनाडा, ब्राजील आदि से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकता है। हालांकि यहां से ढुलाई की लागत बढ़ जाएगी जिससे आयात बिल में वृद्धि होगी। अभी भारत रोज रूस से 17 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है और केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने की तिथि 21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है। मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी।

भारत के सरकारी और निजी रिफाइनरियां अभी रोसनेफ्ट और लुकोइल से करीब 12 लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदती हैं। इनमें से अधिकांश मात्रा निजी रिफाइनरियों, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी की है।

प्रतिबंध लागू होने के बाद यह खरीद बंद करनी होगी क्योंकि रूस की इन कंपनियों के साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष खरीद करने वाली कंपनियां भी अमेरिकी प्रतिबंध के दायरे में आ जाएंगी। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित

रिटोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल का प्रवाह 16 से 18 लाख बैरल प्रतिदिन बना रह सकता है। लेकिन इसके बाद रोसनेफ्ट और लुकोइल से आने वाले तेल की मात्रा में प्रत्यक्ष गिरावट दिखेगी, क्योंकि भारतीय रिफाइनर अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेंगे।

कंपनियों के पास कम होंगे विकल्प: सूत्रों ने बताया कि रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स, जिसका रोसनेफ्ट के साथ 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध है, इस अनुबंध से बाहर आने वाली पहली कंपनी हो सकती है। इसी तरह यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद पूरी तरह रूसी तेल पर निर्भर नायरा के पास भी बहुत कम विकल्प बचेंगे। रिटोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनर तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के माध्यम से अप्रतिबंधित रूसी तेल प्राप्त करना जारी रखेंगे, हालांकि इसमें पूरी सावधानी बरती जाएगी।

रिलायंस के सामने सबसे बड़ी चुनौती

रिटोलिया ने बताया, रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) सबसे तात्कालिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। रोसनेफ्ट के साथ अपने अनुबंधों के प्रभावित होने के कारण, आरआईएल को परिचालन निरंतरता बनाए रखते हुए ओएफएसी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से तत्काल खरीद की ओर रुख करना होगा। उसे अपनी आपूर्ति और वित्तीय श्रृंखलाओं को फिर से तैयार करना होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. ने कहा, हमने ईयू, ब्रिटेन और अमेरिका की ओर से रूसी कच्चे तेल खरीद और तैयार उत्पाद के यूरोप में निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखा है। रिलायंस अभी नए कंप्लाएंस अनिवार्यताओं समेत अन्य प्रभाव का आकलन कर रही है। हम तैयार उत्पाद के यूरोप निर्यात के बारे में ईयू के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे।

आईपीओ से पहले लेंसकार्ट में दमानी का बड़ा दांव, 90 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के मालिक राधाकिशन दमानी ने एक बड़ा दांव लगाया है। जानकारी के मुताबिक दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में करीब 90 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब लेंसकार्ट अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि लेंसकार्ट का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए अगले सप्ताह खुलेगा। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार लेंसकार्ट नए इक्विटी शेयर जारी कर 2150 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तक एवं निवेशक 13.22 करोड़ शेयर बेचेंगे। आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के तहत कंपनी के प्रमोटर– पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमित कपाही अपने शेयर बेच रहे हैं। निवेशक शेयरधारकों में एसवीएफ द्वद्व लाइटबल्ब (केमेन) लिमिटेड, स्क्रोडरे कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरिशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्च्युनिटीज फंड– द्वद्व, मैक्रिची इनवेस्टमेंट्स, केदारा कैपिटल फंड द्वद्व और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी अपने शेयर बेच रहे हैं। लेंसकार्ट ने बताया था कि आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कंपनी द्वारा संचालित और कंपनी के मालिकाना हक वाले नये स्टोर शुरू करने लीज, किराया और लाइसेंस समझौते के भुगतान के लिए किया जायेगा। इसके साथ ही टेक्नोलॉजी, क्लाउड संबंधी इंफ्रा, ब्रांड के विपणन और कारोबार के प्रमोशन के लिए किया जाएगा। बता दें कि लेंसकार्ट की स्थापना 2008 में की गई। 2010 में एक ऑनलाइन आईवियर प्लेटफॉर्म के रूप में इसने शुरुआत की और 2013 में नयी दिल्ली में अपना पहला बिक्री केंद्र खोला। आईवियर कैटेगरी में देश के सबसे प्रमुख कंज्यूमर ब्रांड में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है।

जीतेंद्र कुमार ने फिल्म भागवत को अपने करियर का सबसे अलग रोल बताया

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 –राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर जीतेंद्र कुमार ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

इस फिल्म के डायलॉग राइटर सुमित सक्सेना मेरे अच्छे दोस्त हैं। हम पहले एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे जो हो नहीं पाया। फिर एक दिन उनका कॉल आया और उन्होंने कहा कि एक फिल्म है, कहानी सुननी है। मैं गया, डायरेक्टर से मिला और कहानी सुनकर तुरंत 'हां' कर दी। जो भी किरदार मैंने अब तक निभाए हैं, यह उन सबसे बिल्कुल अलग था। यही वजह थी कि मैं इस फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड था। मुझे मेरे और कॉप के बीच की केमेस्ट्री बहुत दिलचस्प लगी। इस किरदार के लिए मैंने करीब 5-6 दिन स्क्रिप्ट पढ़ी, टीम के साथ डिस्कशन किए और फिर जाकर परफॉर्म किया।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मैंने डायरेक्टर से पूछा था कि मुझे अपनी ओर से कुछ रिसर्च करनी चाहिए क्या? लेकिन उन्होंने मना कर दिया। बस जितनी ब्रीफिंग मिलती गई, उसी के आधार पर मैंने काम किया।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

मुझे लगता है जब दर्शक फिल्म के हर मोमेंट और हर किरदार को महसूस कर सकें, तो वही हमारी जीत है। अगर वो रियलाइजेशन स्क्रीन से दर्शकों तक ट्रांसलेट हो पाए, तो एक आर्टिस्ट के तौर पर यही सबसे बड़ी सफलता होगी। मुझे लगता है कि फिल्म में आयशा का किरदार जरूर लोगों को इंस्पायर करेगा।

डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने की खबरों पर तापसी ने लगाया विराम

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

हेडलाइन से ज्यादा रिसर्च कर लो! तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। तापसी ने पोस्ट में साफ किया कि वह फिलहाल मुंबई में अपने घर पर हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा- इस उमस भरी मुंबई की सुबह में डोसा खाते हुए सोच रही हूं कि ये सब आखिर है क्या!

हाल ही में एक इंटरव्यू में तापसी ने अपने डेनमार्क वाले घर के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने घर में भारतीय पारिवारिक परंपरा को जिंदा रखा है। उन्होंने कहा था, मैथियास के माता-पिता हमारे साथ ही रहते हैं, उनका अपना फ्लोर है। डेनिश संस्कृति में ये आम बात नहीं है, लेकिन मुझे लगा कि परिवार के साथ रहना ही घर को घर बनाता है।

तापसी ने आगे बताया कि वह काम के हिसाब से भारत और डेनमार्क के बीच समय बांटती हैं- ज्यादातर शूटिंग्स सर्दियों में होती हैं, इसलिए मैं उस वक्त भारत में रहती हूं। जब भारत में गर्मी या बारिश होती है, तब हम डेनमार्क चले जाते हैं। इस तरह दोनों देशों के मौसम और काम के बीच तालमेल बन जाता है।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी

काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

अरशद वारसी ने शाहरुख के साथ अपने रिश्तों पर की बात

अभिनेता अरशद वारसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भागवत- चैप्टर वन राक्षस को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान अरशद ने फिल्म की कहानी, किरदार और आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने स्क्रिप्ट को असली हीरो भी बताया।

स्क्रिप्ट है असली हीरो

स्क्रिप्ट को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए अरशद वारसी ने कहा, 'मैं सिर्फ खराब स्क्रिप्ट को मना करता हूं, जॉनर को नहीं। चाहे एक्शन हो, कॉमेडी, ड्रामा या थ्रिलर, अगर कहानी मजबूत है, तो मैं जरूर करता हूं। कभी-कभी दोस्ती यारी के लिये हां कह देता हूं, लेकिन आमतौर पर स्क्रिप्ट मेरे लिये सबकुछ होती है। कमजोर कहानी पर कोई भी फिल्म टिक नहीं सकती।

बिना कहानी सुने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को हां बोला

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में काम करने के अनुभव पर अभिनेता ने कहा, मैं शाहरुख खान और उनके परिवार से बहुत प्यार करता हूं। वो लोग बेहद अच्छे इंसान हैं। कुछ दिन पहले मैंने शाहरुख से कहा था – आपने मुझे बिगाड़ दिया है। आर्यन के साथ काम करने के बाद ये बात और पक्की हो गयी। उनके घर का माहौल बहुत अपनापन भरा है। सुहाना और आर्यन दोनों बेहद सादे और जमीन से जुड़े बच्चे हैं। मैंने वो सीरीज सिर्फ शाहरुख और उनके बेटे के लिये की थी। सच कहूं तो मुझे आर्यन के लिये बहुत अफसोस है, जो कुछ उसके साथ हुआ। मुझे उसके लिये सच में बहुत सहानुभूति है। वो बहुत अच्छा लड़का है और मैं बस उसके साथ खड़ा रहना चाहता था। आर्यन ने जब मुझसे कैमियो के लिये कहा, तो मैंने बिना कहानी सुने हां कर दी। दो दिन का शूट था, लेकिन बहुत मजा आया।

घमासान में निभाएंगे डाकू का किरदार

अपने दूसरे प्रोजेक्ट 'घमासान' के बारे में बात करते हुए अरशद ने बताया कि तिग्मांशु धूलिया की घमासान में मैंने एक एलीट डकैत का रोल किया है। रोल छोटा है, लेकिन असरदार है। लंबे वक्त बाद ऐसा किरदार किया जिसमें मजा आया। ऐसे रोल करने से याद आता है कि आप सच में एक्टर हैं, वरना कभी कभी लगता है कि बस 26 साल से जोक ही मार रहा हूं।

कभी-कभी अच्छा काम करने की भी मिलती है सजा

अपनी इमेज पर अरशद ईमानदारी से कहते हैं, देखिये, पहली फिल्म में अगर आप खराब काम करते हो, तो लोग आपको अच्छे रोल देंगे। लेकिन अगर पहली ही बार बहुत अच्छा काम कर लिया, तो जिन्दगी भर वही काम मिलता रहेगा। यही इस इंडस्ट्री की हकीकत है। कभी कभी अच्छा काम करने की भी सजा मिलती है।

नए शहर को समझने के लिए एक्ट्रेस सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल, बताया रोम का एक्सपीरियंस

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं।पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताईं। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया। इंटरव्यू में सैयामी ने कहा, मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।

सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी। उन्होंने कहा, कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया।

फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह फिल्म 2016 में बनी मलयालम फिल्म ओप्पम का रीमेक है।

फिल्ममेकर अमर कौशिक ने बताया फिल्म शक्ति शालिनी के लिए कैसे फाइनल हुईं अनीत पड्डा

बॉलीवुड में इन दिनों मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर-कॉमेडी 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा तेज है। फिल्म की सबसे बड़ी खबर यह है कि इसमें लीड रोल निभाने जा रही हैं सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा। हाल ही में जब फिल्म की घोषणा का प्रोमो थिएटर्स में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की 'थामा' के साथ दिखाया गया, तो फैंस काफी एक्साइटेड हो गए। लेकिन सवाल उठ रहा थ- अनीत पड्डा को आखिर इस फिल्म के लिए चुना कैसे गया? इसका जवाब खुद फिल्ममेकर अमर कौशिक ने दिया है।

स्क्रिप्ट लिखते वक्त आया अनीत का नाम बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में अमर कौशिक ने बताया कि जब शक्ति शालिनी की कहानी लिखी जा रही थी, तब उन्हें एहसास हुआ कि फिल्म के किरदार के लिए एक युवा चेहरे की जरूरत है, जो मासूमियत और गहराई दोनों साथ लेकर चले। इसी दौरान उन्होंने सैयारा फिल्म देखी, जिसमें अनीत पड्डा का अभिनय उन्हें इतना प्रभावशाली लगा कि उन्होंने तुरंत उन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया। अनीत ने कहानी सुनी और बिना देर किए फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी।

दिसंबर 2026 में रिलीज होगी फिल्म

शक्ति शालिनी का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है और इसे 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। यह फिल्म मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स (रूाष्ट) की अगली पेशकश होगी। दिलचस्प बात यह है कि अगले साल इस यूनिवर्स से केवल यही एक फिल्म रिलीज होने जा रही है। अमर कौशिक ने कहा, हम नहीं चाहते कि एक ही साल में कई फिल्में लाकर दर्शकों पर बोझ डालें। बेहतर है कि हर फिल्म को उसका पूरा वक्त मिले।

क्या अमर कौशिक खुद करेंगे निर्देशन?

हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि शक्ति शालिनी का निर्देशन खुद अमर कौशिक करेंगे या नहीं। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इस पर अभी चर्चा चल रही है और कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि अमर कौशिक पहले भी 'स्त्री' जैसी सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं, जिसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

अमर कौशिक का अगला सपना

बातचीत के दौरान अमर ने यह भी खुलासा किया कि वो भविष्य में एक हॉरर फिल्म बनाना चाहते हैं, जो इस हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा होगी लेकिन थोड़ी ज्यादा डरावनी होगी। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा- मन तो बहुत है, पर जनता मानेगी क्या? ये यूनिवर्स तो हंसाने और डराने दोनों के लिए है।

अनीत पड्डा का बॉलीवुड सफर

अनीत पड्डा ने सइयारा के जरिए फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनकी सादगी और नैचुरल एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा। शक्ति शालिनी उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इस फिल्म से अनीत का करियर एक नए मुकाम पर पहुंच सकता है।

ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन में भारत ने 11 मेडल जीते

8 गोल्ड और 3 सिल्वर शामिल ; प्रमोद भगत-मानसी ने दो-दो गोल्ड जीते

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल टेबल में टॉप स्थान हासिल किया। पैरा ओलिंपिक चैंपियन प्रमोद भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते, जबकि सुकांत कदम ने एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

भगत ने दो गोल्ड मेडल जीते - प्रमोद भगत ने पुरुष सिंगल्स के एसएल 3 वर्ग के फाइनल में अपने ही साथी खिलाड़ी मनोज सरकार को 21-15, 21-17 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद भगत ने सुकांत कदम के साथ जोड़ी बनाकर पुरुष युगल एसएल 3-एसएल 4 वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। फाइनल में भारतीय जोड़ी ने उमेश विक्रम कुमार और सूर्यकांत यादव की जोड़ी को 21-11, 19-21, 21-18 से मात दी। भगत ने जीत के बाद कहा, मैं दो गोल्ड मेडल जीतकर बहुत खुश हूं। मनोज के खिलाफ मुकाबला कड़ा था क्योंकि हम दोनों एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह जानते हैं। भारत के लिए यह शानदार प्रदर्शन है।

कदम और सूर्यकांत के बीच रोमांचक फाइनल - सुकांत कदम ने पुरुष एकल एसएल4 वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में सूर्यकांत यादव से 21-23, 21-14, 19-21 से करीबी हार का सामना करना पड़ा।

मानसी जोशी ने भी जीते दो गोल्ड जीते - भारत की मानसी जोशी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड मेडल अपने नाम किए। उन्होंने महिला सिंगल्स स्ठ वर्ग में गोल्ड जीता और डबल्स एसएल3-एस5 वर्ग में रुथिक रघुपति के साथ मिलकर खिताब पर कब्जा किया। रुथिक ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में चिराग बरेठा के साथ मिलकर एक और गोल्ड मेडल जीता। मेंस डबल्स में एसएच 6 वर्ग में शिवाराजन सोलाईमलाई ने गोल्ड और सुदर्शन मुथुस्वामी ने सिल्वर मेडल हासिल किए। इसके अलावा यशोधन रवनकोले और धीरज सैनी की जोड़ी ने पुरुष युगल एस5 वर्ग में गोल्ड जीता। विमेंस सिंगल्स एसएल4 + एस5 वर्ग में सरुमाथी ने ऑस्ट्रेलिया की जाश्का गनसन को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

युवराज के 6 छक्कों पर फ्लिंटॉफ का कबूलनामा

कहा- 2007 में मैंने लाइन क्रॉस की थी, युवी ने गुस्सा स्टुअर्ट ब्रॉड पर निकाला

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने आखिरकार 18 साल बाद मान लिया कि 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने युवराज सिंह के साथ हुई बहस में हद पार कर दी थी। फ्लिंटॉफ ने खुलासा किया कि उस दिन उनका गुस्सा ही युवराज के अंदर की आग बन गया, जिसने क्रिकेट इतिहास का सबसे यादगार पल दे दिया- एक ओवर में छह छक्के।

युवराज और फ्लिंटॉफ में तीखी बहस हुई थी - साउथ अफ्रीका में खेले गए 2007 टी20 वर्ल्ड कप के उस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर तक 171 रन बनाए थे। 19वें ओवर से पहले युवराज और फ्लिंटॉफ के बीच तीखी बहस हुई। दोनों ने एकदूसरे से कुछ कड़े शब्द बोले। इसके बाद गुस्से में आए युवराज ने इंग्लिश गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जड़ दिए। भारत ने 20 ओवर में 218/4 रन बनाए और 18 रन से मैच जीत लिया। बाद में यही टीम वर्ल्ड कप की पहली चैंपियन भी बनी।

फ्लिंटॉफ बोले- मैंने पहली बार लाइन क्रॉस की - पॉडकास्ट पर बात करते हुए फ्लिंटॉफ ने उस रात की कहानी साझा की। उन्होंने कहा- युवराज और मैं हमेशा मजाक-मजाक में भिड़ते रहते थे। उस दिन मेरा टखना खराब था, मुझे लगा वो मेरा आखिरी मैच है। मैं बहुत गुस्से में था और मैंने युवराज से बहस में लाइन क्रॉस कर दी।

रो-को को नहीं रोक पाया ऑस्ट्रेलिया

भारत ने तीसरा वनडे 9 विकेट से जीता

रोहित ने 121 और विराट ने 74 रन बनाए, हर्षित ने लिए 4 विकेट

सिडनी (एजेंसी)। रोहित शर्मा की सेंचुरी और विराट कोहली की रिकॉर्ड तोड़ पारी की बदौलत भारत ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हरा दिया। इस हार के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मिचेल मार्श ने लगातार तीसरी बार टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 46.4 ओवर में 236 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए। आप जिस टीम को सपोर्ट कर रहे हों उसके कप्तान के आउट होने पर आप दुखी होंगे। लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। 237 रन के टारगेट को चेज कर रही भारतीय टीम 69 रन पर पहला विकेट गंवा देती है। कप्तान शुभमन गिल आउट हो जाते हैं। फिर भी सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद करीब 30 हजार भारतीय समर्थक खुशी से झूम उठते हैं। कारण यह था कि गिल भले भारतीय समर्थकों की नजर में प्रिंस हों, लेकिन उनके आउट होने के बाद जो बल्लेबाज क्रीज पर आ रहा था वो उनका किंग है। किंग कोहली। विराट कोहली का क्रीज पर स्वागत भारतीय क्रिकेट के एक और सुपरस्टार रोहित शर्मा करते हैं। इन दोनों की पार्टनशिप के हर रन को दर्शक इस तरह सेलिब्रेट करते हैं मानों भारत वर्ल्ड कप फाइनल में टारगेट चेज कर रही हो। वो भूल जाते हैं कि भारतीय टीम सीरीज हार चुकी है। उन्हें पता है आज की जीत सांत्वना के सिवा कुछ नहीं देगी। फिर भी हर रन जश्न का सबब बनता है।

विराट -रोहित ऑस्ट्रेलिया की धरती पर संभवतः आखिरी बार कोई इंटरनेशनल मैच खेल रहे थे - विराट और रोहित ऑस्ट्रेलिया की धरती पर संभवतः आखिरी बार कोई इंटरनेशनल मैच खेल रहे थे। उन्होंने फैंस को निराश भी नहीं किया। रोहित ने 121 और विराट ने 74 रन बनाए। यह रोहित की वनडे करियर की 33वीं सेंचुरी है। वहीं, विराट अब कुमार संगकारा को पीछे छोड़कर वनडे इतिहास के दूसरे सबसे कामयाब बल्लेबाज बन गए। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं। टीम इंडिया 9 विकेट से मैच जीती।

पहले दो घंटे ऑस्ट्रेलिया हावी, अगले 6 घंटे भारत का दबदबा - इस मैच का अंत भले ही भारत के लिए भला हुआ हो लेकिन शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया हावी था। गिल सीरीज में लगातार तीसरा टॉस हारे। वनडे क्रिकेट में लगातार 18वीं बार भारतीय टीम अब टॉस हार चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग चुनी और 33 ओवर में 180 रन बना लिए। सात विकेट बांकी थे और मेजबान टीम 350 से ऊपर का स्कोर अपनी पहुंच में देख रही थी। यहां से बाजी पलटती है। मुकाबले के पहले 2 घंटे भले ही ऑस्ट्रेलिया के नाम रहे हों, अगले 6 घंटे भारत का दबदबा होने वाला था।

हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए - ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जब भारतीय टीम सिलेक्ट हुई थी तब उसमें हर्षित राणा का नाम देखकर बहुत सारे फैंस और एक्सपर्ट्स की भौंहें तन गई थी। पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने यहां तक कह दिया कि हर्षित इसलिए टीम में चुने गए हैं क्योंकि वो कोच गौतम गंभीर के चमचे हैं।

बहरहाल इसी 'चमचे' ने तमाम भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज्यादा चमक बिखेरी। हर्षित ने पहले एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली और मिचेल ओवन के विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई पारी की कमर तोड़ी। इसके बाद जोश हेजलवुड को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलिया के संघर्ष को 236 रन पर विराम दिलवा दिया। जो ऑस्ट्रेलिया एक समय 3 विकेट पर 183 रन बना चुका था वह अगले 53 रन जोड़ने में ऑलआउट हो गया। यह मुमकिन हुआ हर्षित की शानदार गेंदबाजी की बदौलत।

- **भारत के सभी 6 गेंदबाजों ने विकेट लिए** - हर्षित अगर भारतीय बॉलर्स में लीड स्टार बने तो बाकी के पांच गेंदबाजों ने भी अच्छे साइड हीरो की भूमिका निभाई। कप्तान गिल ने कुल 6 गेंदबाजों से बॉलिंग कराई और सभी ने कम से कम एक विकेट जरूर लिया। वाशिंगटन सुंदर ने 2 कामयाबी हासिल की। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिया। प्रसिद्ध और कुलदीप सीरीज में पहली बार खेल रहे थे।
- **गिल लगातार सातवीं पारी में 50 तक नहीं पहुंचे** - 237 रन के साधारण टारगेट के जवाब में भारत की शुरुआत अच्छी रही। रोहित और गिल ने पहले विकेट की पार्टनरशिप में 69 रन जोड़े। गिल 24 रन बनाकर जोश हेजलवुड की गेंद पर आउट हुए। वे लगातार सात वनडे पारियों में हाफ सेंचुरी तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने आखिरी बार 50 का स्कोर बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में पार किया था। तब गिल ने 101 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

प्लेयर ऑफ मैच रोहित ने कहा हमें अनुभव साझा करना होगा

प्लेयर ऑफ द सीरीज बनने के बाद रोहित शर्मा ने कहा- जब मैं टीम में आया था, मुझे याद है कि सीनियर्स ने कैसे हमारी मदद की थी, अब यह हमारा काम है कि हम भी वैसा ही करें। हमें अनुभव साझा करना होगा, गेम प्लान बनाने में उनकी मदद करनी होगी। मुझे ऑस्ट्रेलिया में खेलना पसंद है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में मेरी कई अच्छी यादें रही हैं- बेहतरीन पिच, मैदान और दर्शक। मुझे वह करना पसंद है जो मैं करता हूं और उम्मीद है कि इसे करना जारी रखूंगा। यहां खेलना हमेशा अच्छा लगता है। 2008 की यादें अब भी ताजा हैं। पता नहीं हम दोबारा ऑस्ट्रेलिया आएंगे या नहीं। हम क्रिकेट का आनंद उठाते हैं, चाहे हमें कितनी भी उपलब्धियां क्यों न मिलें। हमने पर्थ में नए सिरे से शुरुआत की थी। पिछले 15-17 साल को भूल कर एक नई शुरुआत करना हमेशा अहम होता है।

विराट कोहली ने कहा- रोहित के साथ बैटिंग करना आसान होता है

रन बना कर अच्छा लगा। रोहित के साथ बैटिंग करना आसान होता है। खुशी है कि हमने आखिरी तक साझेदारी की। हमें भरोसा था कि हम विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। इस देश में आना हमेशा अच्छा लगता है, हमने यहां अपना बेहतरीन क्रिकेट खेला है। (दर्शकों की तरफ देखते हुए) आप लोग शानदार हैं। इस देश में हमें कभी फैंस की कमी महसूस नहीं हुई।

प्लेइंग-11

- **भारत**- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज।
- **ऑस्ट्रेलिया**- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, नाथन एलिस, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा, जोश हेजलवुड।

इंदौर शर्मसार

ऑस्ट्रेलियन महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़, युवक गिरफ्तार

- **महिला खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ**
- **मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी**

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में आईसीसी विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलने आई ऑस्ट्रेलियन टीम की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने पांच थानों की टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे पकड़ लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है। घटना गुरुवार सुबह करीब 11 बजे खजराना रोड की बताई जा रही है। वहीं मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- कड़ी कार्रवाई होगी। दोनों महिला खिलाड़ी होटल रेडिसन ब्लू से पैदल कैफे (द नेबरहुड) की तरफ जा रही थीं। तभी सफेद शर्ट और काली टोपी पहने एक बाइक सवार युवक उनका पीछा करने लगा। कुछ ही देर में आरोपी ने इनमें से एक खिलाड़ी को गलत तरीके से छुआ और मौके से भाग निकला। घबराई दोनों खिलाड़ियों ने तुरंत टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को मैसेज किया और अपनी लाइव लोकेशन भेजी। जानकारी मिलते ही डैनी सिमंस ने टीम के सुमित चंद्रा से संपर्क कर मदद के लिए कार रवाना कर दी और खिलाड़ियों को सुरक्षित होटल पहुंचाया। दोनों खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना-माना नाम हैं।

सीसीटीवी फुटेज से हुई आरोपी अकील की पहचान - सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस की शिकायत पर एमआईजी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने विजय नगर, एमआईजी, खजराना, परदेशीपुरा, कनाड़िया थाने की टीम गठित की। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। आरोपी की पहचान हुई और शुक्रवार शाम को पुलिस ने खजराना निवासी अकील को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि अकील पर पहले से भी आपराधिक केस दर्ज हैं। वह आजाद नगर में रह रहा था। पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी क्रिकेट बोर्ड और जिला प्रशासन को भी दे दी है।

होटल से मैदान के रूट पर सुरक्षा बढ़ाई गई - इस घटना के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। होटल से मैदान तक आने-जाने के रूट पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने इस मामले में नाराजगी व्यक्त करते हुए इंटेलिजेंस विंग को फटकार भी लगाई है।

खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारी को संदेश भेजा था - महिला खिलाड़ियों ने टीम के सुरक्षा अधिकारी डैनी सिमंस को संदेश भेजा था। यह संदेश इमरजेंसी के लिए होता है। यह तब दिया जाता है जब कोई पीछा कर रहा है या पकड़ने की कोशिश कर रहा हो।

हिमाचल में पैराग्लाइडिंग करते वक्त पायलट गिरा

हवा में पैराग्लाइडर का संतुलन बिगड़ने से हादसा; 7 देशों के 59 पायलट ले रहे भाग

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में तीसरा फ्लाइंग फेस्टिवल शनिवार को शुरू हो गया। इस फेस्टिवल के पहले दिन एक पायलट का पैराग्लाइडर असंतुलित हो गया। इससे पायलट जमीन पर गिर गया। उसे हल्की चोटें आई है। शिमला के जुन्गा में तीन दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल में सात देशों के 59 पायलट भाग ले रहे हैं। चीन के टॉप रैंक प्राप्त यानचिन्ह पायलट भी पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं और हवा में अठखेलियां कर रहे हैं।

इंटरनेशनल लेवल पर हिमाचल को पहचान दिलाना मकसद: अरुण - आयोजक अरुण रावत ने बताया कि संतुलन बिगड़ने से पायलट गिरा है। वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि पायलट का नाम पता करने के बात बता पाउंगा। रावत ने कहा- इस बार देश में पहली बार पैराग्लाइडिंग प्री वर्ल्ड कप और प्री एशियन लीग चैंपियनशिप का संयुक्त आयोजन किया किया जा रहा है।

भारतीय महिला बेसबॉल टीम चीन रवाना

इनमें पंजाब की 5 बेटियां, अमृतसर की मनवीर कौर उपकप्तान, एशिया कप में लेंगी हिस्सा

लुधियाना (एजेंसी)। चीन के हांग्जो में महिला बेसबॉल एशिया कप के लिए भारतीय टीम रवाना हो गई। इंडियन बेसबॉल टीम में पंजाब की पांच लड़कियों को जगह मिली है। यही नहीं पंजाब के अमृतसर की मनवीर कौर को टीम में उपकप्तान की जिम्मेदारी भी मिली है। भारतीय महिला बेसबॉल टीम अक्टूबर से 2 नंवबर तक चीन में अलग-अलग देशों के साथ अपने मैच खेलेगी।

भारतीय महिला बेसबॉल की एशिया कप के लिए लुधियाना में भी कुछ देर कैंप किया। पंजाब बेसबॉल टीम के कोच व पंजाब बेसबॉल एसोसिएशन के महासचिव हरबीर सिंह गिल ने बताया कि एशिया कप के लिए 20 खिलाड़ियों का दल रवाना हुआ है, उसमें से पांच पंजाब की हैं। उन्होंने बताया कि महिला टीम का दल लुधियाना में प्रैक्टिस करने के बाद चीन के लिए रवाना हुआ।

एशिया कप ट्रॉफी दुबई से अबू धाबी पहुंची

बीसीसीआई अधिकारी एसीसी मुख्यालय गए तो पता चला; स्टाफ बोला- ट्रॉफी मोहसिन नकवी के पास

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप ट्रॉफी को एशियाई क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के हेडक्वार्टर दुबई से अबू धाबी ले जाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में बीसीसीआई के एक अधिकारी के एसीसी मुख्यालय जाने पर पता चला कि ट्रॉफी अब वहां नहीं है। जब अधिकारी ने इसका पता पूछा, तो स्टाफ ने बताया कि ट्रॉफी अब मोहसिन नकवी के पास अबू-धाबी में है। इससे पहले 21 अक्टूबर को बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में

उठाया जाएगा। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। बाद में, एसीसी चीफ मोहसिन नकवी ने ई-मेल का जवाब देते हुए कहा कि एशिया कप ट्रॉफी ऑफिस आकर ही मिलेगी। बीसीसीआई मेल भेजकर राजनीति कर रहा है। ट्रॉफी एसीसी के ऑफिस में ही रखी हुई है।

भारत ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था - भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी दुबई स्थित एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनकी मर्जी के बिना कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं।

शान मसूद पीसीबी के नए कंसल्टेंट बने

कप्तान रहते संभालेंगे प्रशासनिक जिम्मेदारी; बोर्ड ने नहीं बताया, कप्तानी छोड़ेंगे या नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने मौजूदा टेस्ट कप्तान शान मसूद को एक नई प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपते हुए कंसल्टेंट फॉर इंटरनेशनल क्रिकेट एंड प्लेयर अफेयर्स नियुक्त किया है। मसूद से पहले पीसीबी ने किसी भी सक्रिय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को इस स्तर की भूमिका नहीं दी थी।

डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट बन सकते हैं मसूद - पीसीबी ने बताया कि यह पद अस्थायी तौर पर दिया गया है और आगे चलकर मसूद को डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट भी बनाया जा सकता है। यह भूमिका अधिकतर क्रिकेट बोर्डों में एक सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव (वरिष्ठ प्रशासनिक) पद होती है।

पीसीबी इस पद के लिए पहले से ही आवेदन मांग रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 2 नवंबर रखी गई है। आएसपीएनक्रीइनफो के मुताबिक, मसूद फिलहाल यह काम अंतरिम (क्रिकेटर) तौर पर संभालेंगे।शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-1 से बराबरी पर रही।

पूर्व डायरेक्टर उस्मान वहला को किया गया था सस्पेंड - इस पद पर पहले उस्मान वहला थे, जिन्हें मई 2023 में नियुक्त किया गया था। हालांकि, सितंबर में एशिया कप के दौरान टीम इंडिया से हैंडशेक विवाद के बाद पीसीबी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया था। दरअसल, एशिया कप के लीग मैच में टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय कप्तान का यह कदम पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में था। पीसीबी का आरोप था कि उस्मान वहला ने इस हैंडशेक विवाद पर शिकायत दर्ज कराने में देरी की, जबकि उन्हें टॉस के वक्त ही कार्रवाई करनी चाहिए थी। पीसीबी ने अब तक उनकी स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बताया जा रहा है कि शन मसूद की नई नियुक्ति की जानकारी खिलाड़ियों और वहला को प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित डिनर में दी गई, जो साउथ अफ्रीकी टीम के सम्मान में हुआ था। उस्मान वहला को मई 2023 में डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट नियुक्त किया गया था।

पीसीबी का बयान अस्पष्ट, कप्तानी को लेकर सवाल बरकरार - पीसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में यह नहीं बताया कि मसूद कितने समय तक यह पद संभालेंगे और क्या वे टेस्ट कप्तान बने रहेंगे या नहीं।

- **कप्तान के रूप में मिला-जुला प्रदर्शन** - मसूद पिछले दो साल से पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान हैं। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान ने अब तक केवल एक टेस्ट सीरीज (इंग्लैंड के खिलाफ) जीती है। वे पहले पाकिस्तानी कप्तान बने जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारी।उनके नेतृत्व में पाकिस्तान ने कुल 14 टेस्ट खेले है। जिनमें 10 हारे, 4 जीते।
- **सक्रिय खिलाड़ी का प्रशासनिक रोल- हितों का टकराव संभव** - मसूद की यह नई भूमिका कई सवाल भी खड़े करती है। एक सक्रिय खिलाड़ी होने के नाते वे अब उन खिलाड़ियों के मामलों को भी देखेंगे जिनके साथ वे खुद खेलते हैं या जिनका चयन करते हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इससे हितों के टकराव की स्थिति बन सकती है।

गुरुग्राम के सोहना में ये चार सड़कें बनेंगी स्मार्ट रोड

● सौंदर्यीकरण-चौड़ीकरण संग क्या-क्या होंगे काम

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के पास सोहना में पहली बार चार सड़कों को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। इन मार्गों पर फुटपाथ और साइकिल ट्रैक की सुविधाएं होंगी। एलईडी स्ट्रीट लाइट से सड़कें जगमग होंगी। नगर परिषद सोहना की इस योजना को मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

नगर परिषद ने करीब एक साल पहले शहर की 8 प्रमुख सड़कों को स्मार्ट बनाने की योजना तैयार की थी, लेकिन तकनीकी प्रक्रियाओं और स्वीकृति में देरी के कारण यह योजना अब तक अमल में नहीं आ पाई थी। अब नगर परिषद प्रशासन ने इस दिशा में तेजी लाते हुए पहले चरण में चार मार्गों का चयन किया है। इन चार सड़कों के सौंदर्यीकरण, चौड़ीकरण और आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का काम जल्द शुरू होगा। इस पर करीब 25 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

सड़क पर हरित क्षेत्र भी विकसित होगा - इन मार्गों को आधुनिक स्वरूप देने के लिए न केवल सड़कों को चौड़ा किया जाएगा, बल्कि सड़क किनारे अंडरग्राउंड केबलिंग, एलईडी स्ट्रीट लाइटें, बरसाती जल निकासी व्यवस्था और साइकिल ट्रैक जैसी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। प्रत्येक मार्ग पर पैदल यात्रियों के लिए समर्पित फुटपाथ और ग्रीन बेल्ट भी विकसित की जाएगी। इससे शहर का सौंदर्य बढ़ेगा और यातायात सुगम होगा। दमदमा झील तक जाने वाली रोड को भी स्मार्ट रोड के तौर पर विकसित किया जाएगा। नवंबर से जमीनी स्तर पर काम भी शुरू हो जाएगा। स्मार्ट रोड बनने से दिल्ली-एनसीआर से दमदमा झील घूमने के लिए आने वाले लोगो को चंडीगढ़ की सुखना झील जैसा माहौल मिलेगा। झील में पर्यटकों के लिए नौकायान और एडवचर्स गतिविधियां भी पर्यटन विभाग की तरफ से करवाई जाएगी। स्मार्ट रोड बनने से पर्यटकों को आने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके अलावा पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा होगा। 12 महीने दमदमा झील पानी से लबालब रहे, इसके लिए जीएमडीए की तरफ से योजना तैयार की जा रही है। योजना के तहत गुरुग्राम से बादशाहपुर होते हुए दमदमा झील तक शोधित पानी की पाइप लाइन डाली जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन के द्वारा सर्वे भी किया जा चुका है। इस योजना पर काम भी चल रहा है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि इन स्मार्ट सड़कों के बन जाने से न केवल यातायात व्यवस्था सुधरेगी बल्कि शहर की पहचान एक स्मार्ट और व्यवस्थित शहरी केंद्र के रूप में बनेगी। इनके बनने से आने-जाने में समय की भी बचत होगी। यह परियोजना भविष्य में सोहना को गुरुग्राम की तर्ज पर विकसित करने की दिशा में अहम कदम साबित होगी।

चार मार्ग चुने गए

पहले चरण में जिन सड़कों को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें बालूदा मार्ग पर गुरुग्राम रोड से गोकुलम सोसाइटी तक करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी इस सड़क पर सबसे अधिक 8 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके बाद दमदमा मार्ग पर गुरुग्राम रोड से दौला मोड़ तक बनने वाली सड़क पर 2.5 करोड़ रुपये की लागत आएगी। चुंगी नंबर एक से शहीद भगत सिंह फव्वारा चौक तक तथा फव्वारा चौक से महाराजा अग्रसेन चौक तक के मार्ग को स्मार्ट बनाने पर लगभग 4.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा बस स्टैंड मार्ग, नागरिक अस्पताल मार्ग, शहीद चौक से शिवकुंड गर्म पानी चश्मा तक और ताऊ देवीलाल मार्ग को भी भविष्य के चरणों में शामिल करने की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

छठ पूजा मेरे दिल में हमेशा बहुत खास रही: ऋचा सोनी

मुंबई, एजेंसी। छठ पूजा, उत्तर भारत के कई हिस्सों में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाने वाला एक पवित्र त्योहार है और लोगों के दिलों में एक खास जगह रखता है। यह त्योहार सूर्य देवता या छठी मईया के प्रति शुद्धता, कृतज्ञता और गहरी आस्था का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर, एण्डटीवी के कलाकारों ने छठ के दिव्य पर्व से जुड़े अपने यादगार अनुभव और भावनात्मक संबंध साझा किए। इन कलाकारों में ऋचा सोनी ('घरवाली पेड़वाली' की रीता) और सानंद वर्मा ('भाबीजी घर पर हैं' के डॉ. अनोखे लाल सक्सेना) शामिल हैं। ऋचा सोनी, जोकि आगामी शो 'घरवाली पेड़वाली' में रीता का किरदार निभाती नजर आएंगी, ने कहा, छठ पूजा मेरे दिल में हमेशा बहुत खास रही है। मैंने बचपन से ही अपनी माँ और चाचियों को पूरी श्रद्धा के साथ यह पूजा करते देखा है। ठेकुआ बनाना, अस्त और उदय होते सूर्य को अर्घ्य देना-छठ के समय का माहौल सच में दिव्य होता है, शुद्धता, अनुशासन और आभार से भरा होता है। बचपन में हम अर्घ्य देने के बाद प्रसाद पाने का बेसब्री से इंतजार करते थे। मेरा सबसे पसंदीदा प्रसाद हमेशा फल रहे हैं- खासकर गागर, गन्ना और नारियल। आज भी जब घर से दूर होती हूँ, तो छोटे-छोटे रिचुअल्स करके उन्हीं पलों को दोबारा जीने की कोशिश करती हूँ। छठ पूजा मेरे लिए मेरी जड़ों, आस्था और परिवार से जुड़ने का एक भावनात्मक अनुभव है।

कुरुक्षेत्र अपने आखरी अध्याय के साथ वापस लौट आया है और सिर्फ़ नैटफ्लिक्स पर

मुंबई, एजेंसी। इंतज़ार खत्म हुआ! कुरुक्षेत्र अपने आखरी अध्याय के साथ वापस लौट आया है और सिर्फ़ नैटफ्लिक्स पर इसका प्रसारण हो रहा है। वह धर्मयुद्ध जो सही या गलत के प्रश्नों से शुरू हुआ था, एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर आ पहुँचता है, जहाँ गठबंधन टूटते हैं, किस्मतों के फैसले होते हैं और धर्म की परीक्षा होती है। धर्म के इस युद्ध में कुछ बलिदान तो देना पड़ेगा, - इस रोमांचकारी अंत में 18 योद्धाओं में हर एक योद्धा अपने फैसलों की कीमत चुकाता है और इस तरह यह गाथा पूरी होती है।जेसे जेसे युद्धघोष शांत होते हैं और तीर अपने लक्ष्यों को बेधते हैं, बस एक ही प्रश्न बचता है- कौन रहेगा धर्म पर कायम और कौन होगा महत्वकांक्षा का शिकार ?

कलर्स लेकर आ रहा है नया पारिवारिक ड्रामा 'सेहर होने को है',

मुंबई, एजेंसी। जब भोर की पहली किरणें धरती को स्पर्श करती हैं, तो वे अपने साथ प्रार्थनाओं की रोशनी, उम्मीदों की खुशबू और नए आरंभ का वादा लेकर आती हैं। इसी नई शुरुआत की भावना को अपनाते हुए, कलर्स पेश कर रहा है अपना आगामी पारिवारिक ड्रामा 'सेहर होने को है' — जो लखनऊ की रूहानी पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली गाथा है। इस शो में उभरती हुई कलाकार ऋषिता कोठारी मुख्य किरदार सेहर के रूप में नजर आएंगी, शानदार अभिनेत्री माही विज लंबे समय बाद फिक्शन में वापसी कर रही हैं कौसर के रूप में — जो सेहर की माँ हैं। वहीं टीवी के लोकप्रिय अभिनेता पार्थ समथान निभा रहे हैं माहिद का किरदार। यह शो मुस्लिम संस्कृति की खूबसूरती को बखूबी दर्शाते हुए दर्शकों को एक नई, भावनाओं से भरी और गहराईपूर्ण कहानी पेश करेगा।

बीवी छोड़ गई तो बेटी से करने लगा रेप, फरीदाबाद में हैवान पिता की शर्मनाक करतूत

फरीदाबाद , एजेंसी। दिल्ली से सटे हरियाणा के फरीदाबाद में हैवान बने पिता द्वारा अपनी ही 14 साल की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। पीड़ित लड़की की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए भूपानी थाना पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। रिश्तों को शर्मसार करने वाला यह मामला तब उजागर हुआ जब बच्ची ने अपने पड़ोस की एक बुजुर्ग महिला से दर्द की शिकायत की थी। आरोपी व्यक्ति भूपानी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में अपनी दो बेटियों के साथ रहता था। वह ऑटो चालक है और नशे का आदी है। वह घर में अक्सर लड़ाई-झगड़ा करता है। उसकी पत्नी करीब एक साल पहले झगड़े और मारपीट से परेशान होकर चार बच्चों को लेकर अलग हो गई थी, जबकि दो बेटियां पिता के पास रह गई थीं। पत्नी के छोड़कर चले जाने के बाद नशे का आदी पिता घर में अक्सर गुस्से में रहता था। पुलिस को काउंसलिंग के दौरान, 14 साल की पीड़िता ने बताया कि उसका पिता, जो लगभग हर रात नशे में घर लौटता था, पिछले दो महीनों से उसके साथ रेप कर रहा था। विरोध करने पर उसने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। इसलिए बेटी ने किसी को कुछ नहीं बताया। पिता ने आठ-नौ दिन तक उसके साथ गलत हरकत की। पिता की हरकत से वह बीमार हो गई। करीब पांच दिन पहले किशोरी ने पड़ोस की एक बुजुर्ग महिला को आपबीती सुनाई। वह उसे डॉक्टर के पास लेकर गई। जांच के दौरान डॉक्टर ने बताया कि बच्ची के साथ गलत व्यवहार किया गया है। शिकायत पर पुलिस ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण करवाया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किर लिया। पुलिस ने मजिस्ट्रेट के सामने लड़की के बयान दर्ज कराए थे। पुलिस अब उस आदमी की दूसरी नाबालिग बेटियों की काउंसलिंग कर रहे ही ताकि यह पता चल सके कि क्या उनके साथ भी कोई सेक्सुअल असॉल्ट या टॉर्चर हुआ था।

यूपी के टाइगर रिजर्वस में 1 नवंबर से शुरू होंगे इकोटूरिज्म और जंगल सफारी, ये सुविधाएं

पीलीभीत, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों में वर्ष 2025-26 के लिए इकोटूरिज्म और जंगल सफारी इस साल समय से पहले ही शुरू हो रही है। 15 दिनों पहले ही इसकी शुरुआत करने की घोषणा कर दी गई है। सत्र 15 नवंबर को नहीं बल्कि अब 1 नवंबर से शुरू होगा। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य पर्यटन के लिए अधिक दिन उपलब्ध कराना है। इससे सत्र के दिनों की संख्या बढ़ाकर पर्यटकों की आमद के दबाव को कुछ हद तक कम कर सकती है।

राज्य में इकोटूरिज्म के प्रमुख स्रोतों, विशेष रूप से वन क्षेत्रों में ठहरने की सुविधाओं के प्रबंधन का दायित्व संभालने वाली उत्तर प्रदेश वन निगम (यूपीएफसी) ने भी घोषणा की है कि आगामी जंगल पर्यटन सत्र के दौरान पर्यटक झोपड़ियों और कॉटेज के किराए में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। इसको लेकर उन्होंने सहमति व्यक्त की है। यूपीएफसी के प्रबंध निदेशक, ए.के. सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि आगामी इकोटूरिज्म सत्र के दौरान पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण पर्यटक सुविधाओं के शुल्क स्थिर मिलेंगे।

दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एच. राजामोहन और पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी, मनीष सिंह ने कहा कि चालू वर्ष के मानसून ने भारी बाढ़ और जलप्रलय की विकट स्थिति पैदा कर दी थी, जिससे पीटीआर और दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) के मुख्य वन क्षेत्रों में भारी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें इसके तीन अभिन्न अंग - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य - शामिल हैं। सफारी मार्गों पर मिट्टी की सड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण का काम एक पखवाड़े पहले ही सफारी वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए उन्हें चालू करना काफी चुनौतीपूर्ण था।

हालांकि ये कर दिया गया है और अब पर्यटकों के लिए खोला जाएगा।

हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की मुश्किलें बढ़ीं

गुरुग्राम एजेंसी। चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) सीडी कांड ने हरियाणा की सियासत में एक बार फिर हलचल मचा दी है। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को इस मामले में आरोपी बनाते हुए नारनौल कोर्ट में चालान (आरोपपत्र) पेश किया। 12 साल पुराने इस मामले की जड़ें भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार के कार्यकाल से जुड़ी हैं। उस समय राव नरेंद्र सिंह स्वास्थ्य मंत्री थे। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने एक स्टिंग ऑपरेशन कर राव नरेंद्र पर सीएलयू के बदले करोड़ों की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। इनेलो ने स्टिंग का वीडियो और ऑडियो जारी करते हुए एक सीडी लोकायुक्त को सौंपी थी। स्टिंग में सामने आए थे कई बड़े नाम - लोकायुक्त को शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने मामले की जांच की थी और रिपोर्ट लोकायुक्त को रिपोर्ट सौंपी गई थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद जनवरी 2016 में एंटी करप्शन ब्यूरो गुरुग्राम ने मामला दर्ज किया था। चालान में आरोप है कि राव नरेंद्र सिंह ने पलवल में 30 एकड़ जमीन की सीएलयू मंजूरी के एवज में 30 से 50 करोड़ रुपये की मांग की थी।

आर्गेनिक और प्राकृतिक आहार 25 फीसदी तक बढ़ाते हैं गर्भधारण की संभावना

हार्वर्ड , एजेंसी। मानव विकास की कहानी केवल बुद्धि और तकनीक की नहीं बल्कि ऊर्जा, ताकत और प्राकृतिक सामंजस्य की भी है। खासकर तब, जब बात प्रजनन की आती है। नवीनतम मानवविज्ञान और जैविक अनुसंधान यह संकेत दे रहे हैं कि शिकारी मैदानों (हंटर फील्ड्स) में मनुष्य की शारीरिक क्षमता, ऊर्जा व्यय और ताकत, गर्भधारण की संभावना व चयन के मनोवैज्ञानिक तंत्र को गहराई से प्रभावित करती रही है।

अब आधुनिक अनुसंधान यह भी जोड़ता है कि शरीर सौष्ठव, ऑर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन पद्धति उसी जैविक लय की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यानी जब शरीर अपनी ऊर्जा को कृत्रिम रसायनों से मुक्त रखता है, तब प्रजनन संकेत और हार्मोनल संतुलन अधिक स्वाभाविक रूप से सक्रिय होते हैं। यह भी पाया गया कि जिन महिलाओं ने आर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लिया उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 फीसदी बढ़ गई।

अमेरिका के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन इवोल्यूशनरी बायोलॉजी डिपार्टमेंट और यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के रीप्रोडक्टिव इकोलॉजी सेंटर द्वारा प्रकाशित संयुक्त अध्ययन नेचर ह्यूमन बिहेवियर 2025 के अनुसार मानव समाज के आरंभिक हंटर-गैदरर युग में ऊर्जा व्यय और शारीरिक शक्ति का सीधा संबंध गर्भधारण की दर से पाया गया है। शोध में यह पाया गया कि जिन महिलाओं का शरीर ऊर्जा-संतुलन में था यानी न तो अत्यधिक वसा, न अत्यधिक परिश्रम उनमें अंडोत्सर्जन (ओव्यूलेशन) की संभावना अधिक थी। वहीं पुरुषों में उच्च सहनशक्ति, मजबूत हड्डी घनत्व और लंबे शिकार अभियानों से लौटने के बाद हार्मोनल स्तर में वृद्धि गर्भधारण के अवसर बढ़ाती थी।

आर्गेनिक और प्राकृतिक भोजन लेने वाली माताओं से जन्मे बच्चों में इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) सामान्य तौर पर बेहद मजबूत पाया गया है। स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट और यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया कि ऐसी माताओं के बच्चों में जन्म के बाद संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी स्थितियां औसतन 40 से 45 प्रतिशत कम देखी गईं। हार्वर्ड टीएच चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं का आहार अधिकतर जैविक (ऑर्गेनिक) और प्राकृतिक स्रोतों से था, जैसे बिना कीटनाशक वाले फल, साबुत अनाज, हरी सब्जियां, नट्स, उबला हुआ मीट और प्राकृतिक प्रोटीन उनमें गर्भधारण की संभावना 18 से 25 प्रतिशत अधिक देखी गई। यह अंतर इसलिए होता है क्योंकि ऑर्गेनिक आहार में एंडोक्राइन डिस्टर्बर बहुत कम होते हैं।

चिंता: यूरोप में बर्ड फ्लू की वापसी, कृषि-स्वास्थ्य पर मंडराया गंभीर खतरा

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में बर्ड फ्लू का खतरा एक बार फिर गहराने लगा है। फ्रांस सरकार ने प्रवासी पक्षियों और पोल्ट्री फार्मों में संक्रमण के नए मामलों की पुष्टि के बाद देशभर में राष्ट्रीय चेतावनी स्तर बढ़ा दिया है। उत्तरी फ्रांस के दो व्यावसायिक पोल्ट्री फार्मों और तीन छोटे घरेलू फार्मों में एवियन इन्फ्लुएंजा एच-5-एन-1 के मामले दर्ज किए गए हैं। फ्रांस के कृषि मंत्रालय ने कहा है कि यह संक्रमण केवल पक्षियों तक सीमित नहीं है बल्कि यह पोल्ट्री उद्योग, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। फ्रांस के साथ-साथ नीदरलैंड और स्पेन में भी हाल के हफ्तों में बर्ड फ्लू के मामले दर्ज हुए हैं। नीदरलैंड के एक फार्म में संक्रमण की पुष्टि के बाद लगभग 71,000 पक्षियों को मारना पड़ा, जबकि स्पेन ने अपने निगरानी प्रोटोकॉल को और कड़ा कर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रवासी पक्षी इस वायरस के प्राकृतिक वाहक हैं। बंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के हालिया अध्ययन के अनुसार

एच-5-एन-1 वायरस में आनुवंशिक विविधता बढ़ रही है, जिससे यह अधिक अनुकूलन क्षमता के साथ इंसानों के लिए और खतरनाक बन सकता है। यूरोपियन फूड सेफ्टी अथॉरिटी (ईएफएसए) ने भी चेताया है कि मौसमी प्रवास के साथ यह संक्रमण शीतकालीन पुनरुत्थान चक्र में प्रवेश कर सकता है, जिससे यूरोप में सर्दियों के महीनों में नए प्रकोप देखने को मिल सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल आम जनता के लिए खतरा बहुत कम है। पके हुए चिकन या अंडे खाना सुरक्षित है, क्योंकि वायरस 70 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर नष्ट हो जाता है। हालांकि पोल्ट्री उद्योग से जुड़े लोगों को फार्मों की नियमित सफाई, सैनिटाइजेशन और खुले में पक्षियों के संपर्क से बचने की सख्त सलाह दी गई है। फ्रांस में बर्ड फ्लू के बढ़ते मामलों ने न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया को सतर्क कर दिया है।विशेषज्ञों के अनुसार प्रवासी पक्षी सीमाओं की परवाह किए बिना इसे एक देश से दूसरे देश तक फैला सकते हैं, जिससे यूरोप के कई देशों की पशु-स्वास्थ्य प्रणालियां दबाव में आ गई हैं। बर्ड फ्लू, जिसे वैज्ञानिक रूप से एवियन इन्फ्लुएंजा कहा जाता है, पक्षियों में फैलने वाली एक संक्रामक वायरल बीमारी है। इसका सबसे खतरनाक प्रकार एच-5-एन-1 है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से की अपील- युद्ध के बजाय शांति पर खर्च करें संसाधन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में सुधार को लेकर लंबे समय से मांग चल रही है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद से अपील की है कि विकास और शांति के लिए संसाधनों का उपयोग किया जाए।

महासचिव गुटेरेस ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य पर सुरक्षा परिषद की एक खुली बहस में यह अपील की। हनोई से एक वीडियो लिंक के माध्यम से महासचिव ने अपने भाषण की शुरुआत की। यूएन महासचिव गुटेरेस ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा कि 1946 में, मतदान से पहले सुरक्षा परिषद की पहली मतपेटी निरीक्षण के लिए खोली गई थी। जब पेटी खुली तो सभी को आश्चर्य हुआ कि उसमें पहले से ही एक कागज का टुकड़ा था।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि यह संदेश उस मतपेटी के निर्माता, न्यूयॉर्क के एक स्थानीय मैकेनिक पॉल एंटोनियो का था। उन्होंने कहा था कि वह पूरी दुनिया में स्थायी शांति की कामना करते हैं। गुटेरेस ने कहा, यह संदेश हमें याद दिलाता है कि सुरक्षा परिषद क्यों अस्तित्व में है: यह उन लोगों के लिए है, जो ईमानदार हैं और जिन्होंने पिछले आठ दशकों से युद्ध के संकट से खुद को बचाने के लिए इस संस्था पर भरोसा रखा है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने आगे कहा, इस मंच

पर बैठने का सौभाग्य, सबसे बढ़कर, उन लोगों की आस्था का सम्मान करने का कर्तव्य है। और युद्ध पर अक्सर खर्च होने वाले संसाधनों को विकास और शांति के कार्यों में लगाना है। कई महत्वपूर्ण अवसरों पर, सुरक्षा परिषद ने यह काम पूरा किया है और पिछले आठ दशकों में महाशक्तियों के बीच युद्ध की अराजकता को रोका गया। गुटेरेस ने आगे कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अच्छे काम करने के लिए जरूरी और ताकतवर है, लेकिन इसकी वैधता कमजोर है। हमने अक्सर संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को चार्टर के सिद्धांतों के विरुद्ध काम करते देखा है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, जब ऐसा होता है, तो न केवल तत्काल कार्रवाई रुक जाती है, बल्कि इससे संयुक्त राष्ट्र की पूरी परियोजना में विश्वास भी कम होता है। यह हम सभी को बड़े खतरे में भी डाल देता है। जब एक देश नियमों का उल्लंघन करता है, तो दूसरे देश सोचते हैं कि उन्हें भी ऐसा करने की छूट है और इतिहास हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि यह रास्ता किस ओर ले जाता है।

आजाद वेनेजुएला में पीएम मोदी की मेजबानी के लिए तैयार हूं

बारिनास, एजेंसी। 2025 की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया कोरीना माचादो, पिछले 20 सालों से वेनेजुएला में लोकतंत्र बहाली की लड़ाई लड़ रही हैं उन्होंने भारत की जमकर तारीफ की है। एक गुप्त स्थान से टाइम्स नाउ को दिए इंटरव्यू में (क्योंकि वह पिछले 15 महीनों से छिपकर रह रही हैं) माचादोने कहा, भारत एक महान लोकतंत्र है और दुनिया के लिए एक उदाहरण है। लोकतंत्र को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत, वेनेजुएला का एक बड़ा सहयोगी बन सकता है जब देश में शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता परिवर्तन होगा। माचादो ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने और जल्द ही स्वतंत्र वेनेजुएला में उन्हें आमंत्रित करने की उम्मीद करती हैं। माचादो ने भारत के प्रति अपना गहरा सम्मान जताते हुए कहा, मैं पूरे दिल से भारत की प्रशंसा करती हूं। मेरी बेटी बाल ही में भारत गई थी और उसे यह देश बहुत पसंद आया। उन्होंने बताया कि उनके कई वेनेजुएलन मित्र भारत में रहते हैं और वह खुद भारतीय राजनीति को नजदीक से फॉलो करती हैं। महात्मा गांधी के बारे में उन्होंने कहा, गांधी ने दिखाया कि शांतिपूर्ण कमजोरी नहीं है। अहिंसा से भी आजादी हासिल की जा सकती है। माचादो ने कहा कि वे चाहती हैं कि भारत एक बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में वेनेजुएला के लोगों के अधिकारों के समर्थन में आवाज उठाए।

New page 7_page 12 29.05.2025.qxd 25-10-2025 22:15 Page 1

छठ पूजा को ले अलर्ट रहें सभी पदाधिकारी : उपायुक्त

घाटों पर बैरिकेटिंग, गहरे पानी वाले स्थलों पर प्रशासनिक पदाधिकारी को मुस्तैद रहने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिला प्रशासन ने छठ महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियों के निर्देश जारी किए हैं। उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी के साथ बैठक कर विधि-व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और लोक परंपरा का पर्व है, जिसे जिले में पूरी शांति, सुरक्षा और स्वच्छता के साथ संपन्न कराया जाना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने और प्रत्येक स्थिति पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष रूप से कहा कि गहरे पानी वाले सभी घाटों और तालाबों पर प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात रहेंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हो।

जिले के सभी तालाबों, नदियों और छठ घाटों पर बैरिकेटिंग लगाने के निर्देश दिए गए हैं।खासकर गहरे पानी वाले क्षेत्र में बांस , बल्ला/रस्सी आदि से सुरक्षा घेरा बनाया जाए।

इन स्थलों पर पुलिस बल, गोताखोरों और एनडीआरएफ टीमों की भी तैनाती करें। उपायुक्त ने कहा कि हर घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और मेडिकल टीम की व्यवस्था भी की जाए।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी बीडीओ और सीओ एवं प्रखंड स्तरीय अन्य पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के सभी छठ घाटों का निरीक्षण करें और आवश्यक सुधार कार्य समय पर पूर्ण करें। प्रमुख एवं बड़े घाटों का निरीक्षण एसडीओ और एसडीपीओ स्वयं करेंगे। उन्होंने कहा कि घाटों पर भीड़-भाड़ को देखते हुए प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग बनाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

सभी घाटों पर अनुमंडल पदाधिकारी चास बेरमो ससमय दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करें। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था की स्थिति नहीं बिगड़े, इसके लिए लगातार पेट्रोलिंग की जाए। एसडीओ प्रांजल ढ़ांडा ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र में कुल 63 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी पुलिस बल को प्रतिनियुक्ति किया गया है। वहीं, बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र में कुल 86 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल को प्रतिनियुक्ति किया गया है। साथ ही, उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छठ पूजा समिति के सभी सदस्यों को पहचान पत्र जारी करना सुनिश्चित करें, ताकि प्रशासनिक समन्वय सुचारू रूप से हो सके।

उपायुक्त ने जिला जनसंपर्क विभाग को निर्देश दिया है कि सभी घाटों पर खतरा क्षेत्र, डूब क्षेत्र आदि का स्पष्ट साइनेज लगाया जाए। गहरे पानी वाले हिस्सों को रस्सी और बैरिकेटिंग से घेर दिया जाएगा। श्रद्धालुओं को केवल सुरक्षित क्षेत्र में ही पूजा-अर्चना करने की सलाह दी जाएगी।

भीड़ को देखते हुए पटना के लिए खुल रहीं स्पेशल ट्रेनें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर अपने घर जाने वालों की भीड़ रेलवे स्टेशनों पर उमड़ पड़ी है। धनबाद रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। ट्रेनों में भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष छठ स्पेशल गाड़ियां चलाने का निर्णय लिया है।

धनबाद रेल मंडल के डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पटना जाने वालों की अत्यधिक संख्या को देखते हुए धनबाद से पटना के लिए शनिवार रात 8:30 बजे एक विशेष छठ स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। इसके साथ ही कुल 26 जोड़ी विशेष ट्रेनें पर्व के दौरान चलाई जा रही हैं, जिनमें से 19 ट्रेनों का ठहराव धनबाद रेलवे स्टेशन पर है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने गोमो, कोडरमा और धनबाद रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए हैं। भीड़ नियंत्रण के लिए आरपीएफ और जीआरपी के जवानों को सभी प्लेटफॉर्मों पर तैनात किया गया है। स्टेशन पर स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और पानी की आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

डीआरएम ने अधिकारियों को विशेष रूप से सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और यात्री सुरक्षित एवं सुगमता से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें और भीड़भाड़ में सतर्क रहें।

73 एसीटीटी ने दिया योगदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट में योगदान देने वाले 73 एसीटीटी प्रशिक्षुओं के नए बैच के लिए 25 अक्टूबर को ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में इंडक्शन प्रोग्राम का पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा तथा महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रांजलि उपस्थित थीं। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण ने प्रशिक्षुओं को सुरक्षा शपथ दिलाई।मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने स्वागत अभिभाषण में प्रशिक्षुओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए बोकारो स्टील प्लांट में उनका स्वागत किया तथा सभी प्रशिक्षुओं को अपने पूरे प्रशिक्षण अवधि में नवाचार के साथ अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अंजनी कुमार शरण ने बदलते तकनीकी परिवेश और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप प्रशिक्षुओं को अपनी दक्षता बढ़ाने तथा कार्यस्थल पर शून्य दुर्घटना सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन देते हुए एस.एन. मिश्रा, सहायक प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने प्रशिक्षुओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के नव प्रशिक्षु प्रकोष्ठ के कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

डैम का आज खुलेगा फाटक लोगों से सतर्क रहने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिले में अस्था का महापर्व छठ के अवसर पर गरगा डैम का फाटक विशेष रूप से खोला जाएगा ताकि नदी घाट स्वच्छ हो और पर्व पर छठव्रति सुरक्षित और सहज तरीके से पूजा में हिस्सा ले सकें।

इस बाबत शनिवार शाम अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा ने बताया कि डैम का फाटक रविवार अपराह्न 09:00 से 10:00 बजे तक खोला जाएगा।

उन्होंने आमजन से अनुरोध किया कि इस समय के दौरान नदी तट पर सतर्कता बनाए रखें। उन्होंने आमजनों से डैम के आसपास भीड़ से बचने विशेषकर नीचले इलाके के लोगों को जरूरी ऐहतिहात बरतनेकी अपील की है।

राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के तहत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के तहत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की मुख्य महाप्रबंधक नीता बा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के सहायक महाप्रबंधक एवं लीड ट्रेनर शशांक शेखर ने राष्ट्रीय कर्मयोगी मिशन के महत्व एवं इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि पूर्व में राष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा आयोजित 05 दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के दो अधिकारियों सहायक महाप्रबंधक शशांक शेखर तथा अमित आनंद लीड ट्रेनर के रूप में विकसित हो चुके हैं। इन्हीं लीड ट्रेनर्स द्वारा मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण के दूसरे चरण में संयुक्त रूप से कुल 25 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोकारो स्टील प्लांट के अलावा सेल रेफ्रेक्टरी यूनिट, सेलम स्टील प्लांट तथा कोलियरी डिवीजन के अधिकारियों ने भी भाग लिया। सेल की विभिन्न इकाइयों से आए अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की काफी सराहना की तथा ऐसे उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य प्रशिक्षक शशांक शेखर तथा अमित आनंद ने कर्मयोगी मिशन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह पहल प्रशासनिक एवं कार्यस्थलीय सुधार की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों से प्रशिक्षण के दौरान प्रेरणात्मक व्याख्यान, समूह चर्चा, इंटरैक्टिव सत्र तथा व्यावहारिक अभ्यास जैसे विषयों के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया कि सकारात्मक दृष्टिकोण, संवाद कौशल, टीमवर्क और सेवा-भावना किस प्रकार कार्य संस्कृति को बेहतर बनाते हैं।

नीता बा ने कार्यक्रम के समापन सत्र में कहा कि कर्मयोग की भावना केवल कार्य में दक्षता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक कर्मी को अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सेवा-भाव के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। इस प्रकार के प्रशिक्षण से हम न केवल अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करते हैं, बल्कि देश की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को मास्टर ट्रेनर बनने की बधाई दी साथ ही यह लक्ष्य भी दिया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र तथा अधीनस्थ विभाग में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर मंत्रालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूरा करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सहायक महाप्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण प्रत्येक कर्मचारी को अधिक सक्षम, संवेदनशील और सेवाभावी बनाने में सहायक है।

दाखिल खारिज के लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व संबंधी मामलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिले के दोनों एसडीओ, सभी सीओ, भू-अर्जन पदाधिकारी आदि शामिल हुए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि दाखिल-खारिज, परिसोधन, फोर-एच, भूमि स्थानांतरण तथा अन्य राजस्व मामलों के निष्पादन में तेजी एवं पारदर्शिता लाई जाए।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि एसडीओ चास और एसडीओ बेरमो अपने-अपने अनुमंडल क्षेत्र के सभी अंचल कार्यालयों में रजिस्टर टू का औचक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि दाखिल-खारिज मामलों का अद्यतन संधारण सही रूप से किया गया हो और कोई भी आवेदन अनुचित कारणों से लंबित नहीं रहे।

उपायुक्त ने कहा कि जिले में फिलहाल 131 भू-मापी से संबंधित मामले लंबित हैं। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि 30 दिनों के भीतर इन सभी मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें। प्रदर्शन में सुधार नहीं लाने वाले अधिकारियों के प्रति कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने डीसीएलआर चास - बेरमो एवं सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने - अपने राजस्व न्यायालय में मामलों की नियमित सुनवाई करें तथा न्यायालय के आदेशों को पोर्टल पर ससमय अपलोड करें। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित होंगी।

उपायुक्त ने यह भी कहा कि परिसोधन पोर्टल पर दर्ज मामलों तथा फोर-एच - भूमि हस्तांतरण से संबंधित मामलों का निपटारा प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि बेवजह किसी भी आवेदन को रद्द नहीं किया जाए। हर आवेदक को समुचित सुनवाई का अवसर दिया जाए और निर्णय न्यायसंगत एवं विधि-सम्मत हो।

उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंचल कार्यालयों में आने वाले आम नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करें, उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनें और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ की तैयारी दो नवंबर से पूर्व हो पूरी : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष से उपायुक्त अजय नाथ झा ने लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ ललपनिया राजकीय महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महोत्सव जिले की जनजातीय अस्मिता, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, इसलिए इसकी तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य आगामी 02 नवंबर 2025 से पूर्व पूर्ण कर लिए जाएं ताकि महोत्सव के आयोजन में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आए।

उपायुक्त ने अब तक हुए कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और कहा कि स्थल स्तर पर कार्यों की सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है। उन्होंने एसडीओ बेरमो, गोमिया बीडीओ, सीओ को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से कार्य प्रगति का जायजा लें और पूजा आयोजन समिति की दोनों टीमों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें। उन्होंने ट्रैफिक वाहनों की पार्किंग व्यवस्था को लेकर चास एसडीओ को भी जरूरी दिशा निर्देश दिया।

उपायुक्त ने टैंट सिटी और पुनय थान परिसर के आसपास पंडाल निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, माइकिंग एवं सजावट को लेकर आधारभूत संरचना का कार्य शुरू करें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी निर्माण एवं साज-सज्जा का कार्य जनजातीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को ध्यान में रखते हुए किया जाए, जिससे महोत्सव का मूल स्वरूप बना रहे।

महोत्सव को लेकर वाहन, भोजन, आवासन, स्वागत, उद्घाटन और

समापन समारोह से संबंधित विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है। प्रत्येक कोषांग के नोडल पदाधिकारी को उनके दायित्वों के निर्वहन हेतु निर्देशित किया। उपायुक्त ने सभी नोडल अधिकारियों से कहा कि वे अपनी टीम के साथ बैठक करें, कार्यों की चेक लिस्ट तैयार करें और समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

महोत्सव के दौरान आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइव पेंटिंग, ओपन कल्चरल टीम प्रदर्शन तथा पारंपरिक नृत्य-गीतों का आयोजन किया जाएगा। जिले के विभिन्न प्रखंडों में प्रवेश मार्गों पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्वागत द्वारों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, ताकि आने वाले अतिथियों को जिले की संस्कृति और परंपरा का प्रथम अनुभव प्राप्त हो।

उपायुक्त ने यह भी कहा कि महोत्सव स्थल पर स्वच्छता, पेयजल और चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता पर हो। नगर निकाय, नगर परिषद और स्वास्थ्य विभाग को महोत्सव के दौरान स्वच्छता अभियान, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस सेवा की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने जिलेवासियों और आयोजन समिति के सदस्यों से अपील की कि वे मिलकर इस आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ महोत्सव हमारी जनजातीय आस्था और अस्मिता का प्रतीक है। यह पर्व हमारे जिले की गौरवशाली परंपरा को पूरे राज्य और देश में पहचान दिलाता है। सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक मिल जुलकर इसे भव्य और सफल बनाएं। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, आइटी मैनेजर संजय कुमार एवं वीडियो संवाद के माध्यम से जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

प्रमुख घाटों पर रहेंगे गोताखोर, कार्यरत रहेगा जिला नियंत्रण कक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर लोगों की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने जिले के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण छठ घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की है। साथ ही जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। इसके अलावा सभी अंचल एवं प्रखंड में क्विक रिस्पांस टीम का गठन कर उन्हें एक्टिव रहने का निर्देश दिया है। छठ पूजा के अवसर पर 27 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे से 28 अक्टूबर छठ पर्व की समाप्ति तक कार्यपालक दंडाधिकारी रवींद्रनाथ ठाकुर एवं कार्यपालक दंडाधिकारी लाल बालकिशोर नाथ शाहदेव के नतृत्व में जिला कंट्रोल रूम कार्यरत रहेगा। जिला कंट्रोल रूम का फोन नंबर 0326 - 2311217 तथा 0326 - 2311807 रहेगा। नगर निगम के कतरास, छाताटांड, धनबाद, झरिया, सिंदरी, बाघमारा अंचल तथा एगारकुंड, कलियासोल, पुटकी, तोपचांची, बलियापुर, निरसा, टुंडी, पूर्वी टुंडी, धनबाद, गोविंदपुर एवं चिरकुंडा नगर परिषद के महत्वपूर्ण तालाब व नदी किनारे स्थित छठ घाटों के लिए पदाधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि छठ पर्व के अवसर पर धनबाद अनुमंडल के विभिन्न तालाबों, डैम, नदी आदि में छठ व्रतियों द्वारा स्नान किया जाता है तथा भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। तालाबों एवं नदी के किनारे फिसलन हो जाने एवं अत्यधिक भीड़-भाड़ हो जाने से अफरा-तफरी मचने के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसलिए यह आवश्यक है कि महत्वपूर्ण तालाबों एवं नदी किनारे अवस्थित छठ घाटों पर सतत निगरानी रखी जाय। इस दृष्टिकोण से विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों, कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। साथ ही धनबाद, झरिया, पुटकी, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, एगारकुंड, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी में कयूआरटी का गठन किया है। टीम में संबंधित प्रखंड व अंचल के अंचल अधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा संबंधित थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी रहेंगे। इसके अतिरिक्त लोगों की सुरक्षा के लिए बेकारबांध के राजेंद्र सरोवर, लोको टैंक, खोखन तालाब, मनईटांड छठ तालाब, रानी बांध धैया, झरिया के राजा तालाब, बिग बाजार के सामने सुगियाडीह तालाब, खुदिया नदी गोविंदपुर, छठ तालाब गोविंदपुर, विलेज रोड बड़ा तालाब गोविंदपुर, बड़ा जमुआ देवी मंडप के पास छठ तालाब, रानी तालाब पोद्दारडीह, पंचेत डैम के नीचे एमएच छठ घाट, खुदिया नदी छठ घाट दलदली, गोगना छठ घाट मैथन, राजा तालाब हरिहरपुर, सुंदर तालाब तथा नील कोठी तालाब पुटकी, लाल बंगला छठ घाट डूंगरी झरिया एवं मोहलबनी छठ घाट सहित अन्य महत्वपूर्ण छठ घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की गई है।

मनरेगा के तहत अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन उपायुक्त के गोपनीय कार्यालय कक्ष में किया गया, जहां उपायुक्त ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ दायित्व निर्वहन करने को कहा।

इस अवसर पर उपायुक्त ने अनुबंध के आधार पर कुल सात पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिनमें 02 प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी - राज कमल, रोहित कुमार, 02 तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता के समकक्ष) - राज किशोर महतो, राजकुमार महतो एवं 03 तकनीकी सहायक

(कनीय अभियंता के समकक्ष) - अंकिता अंशुल, विजय कुमार, शशिभूषण बाउरी शामिल हैं। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि इनकी नियुक्ति से जिले में मनरेगा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में और अधिक तेजी आएगी तथा ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

उपायुक्त ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने कार्य क्षेत्र में ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता दें, समयबद्ध ढंग से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और कार्यस्थल पर सद्भाव एवं अनुशासन बनाए रखें। इस अवसर पर डीआरडीए निदेशक सह डीपीएलआर मेनका, वरीय लेखा पदाधिकारी पंकज दूबे, तथा एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

गोष्ठी में बही काव्य रस की फुहार

बोकारो। साहित्यलोक की मासिक रचना गोष्ठी वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति' के आवास पर हुई। वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा की अध्यक्षता व साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित रचना गोष्ठी में कवि-कवयित्रियों ने भक्ति, ऋंगार, पर्व-त्यौहार, देशभक्ति व मानवीय संवेदनाओं पर आधारित रचनाएं सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी। रचनागोष्ठी की शुरूआत सुधा देवी द्वारा प्रस्तुत भगवती वंदना से हुई।

कवयित्री शैलजा झा ने मैथिली कविता खोंता, त्रिया चरित्रम व मिथिला की पहचान पाग, अमन कुमार झा ने डेमोक्रेटिक महक, आसुरी महत्वाकांक्षा, बाबा सोमनाथ व सेंधमारी, विजय शंकर मल्लिक ने हिंदी कविता रोये गोरैया, आए विजया दशमी व मैथिली कविता छ पांच छ पांच मोन करैया, घर बाहर के डोइर घिचैया/खन मोन होइये गामे रही, खन उड़िक परदेश घुमैया..., अरुण पाठक ने हिंदी कविता पत्रकारिता व मैथिली में सद्भावना गीत, बुद्धि नाथ झा ने भगवती वंदना व मन्य निनाद शीर्षक कविता कहू हम सब भारत-सन्तान, आइ हम स्वयं भगवान..सुनाकर सबकी तालियां बटोरी।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) धनबाद द्वारा आज बलियापुर प्रखंड सभागार में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकेश ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। जिला जज ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जा रही निःशुल्क विधिक सहायता एवं त्वरित न्याय की जानकारी दी। चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल डॉ कुमार विमलेंदु ने कारागार में बंदियों के अधिकार के बारे में जानकारी दी। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी ने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस कड़ी में जेएसएलपीएस के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एसएचजी समूह के बीच 30 लाख रुपए के चेक का वितरण किया गया। साथ ही मनरेगा जॉब कार्ड,

राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, आबुआ आवास आदि योजनाओं के लाभार्थियों के बीच लाभों का वितरण किया गया।

मौके पर बलियापुर के बीडीओ प्रभाष चंद्र दास, अंचल अधिकारी मुरारी नायक, प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी के अलावा डालसा सहायक सौरभ सरकार, सहायक एलएडीसीएस नीरज गोयल, शैलेंद्र झा, अधिकार मित्र नवीन कुमार, एजाज अहमद, जगदीप रजक, उमाशंकर मंडल, संतोष सिंह, आनंद चक्रवर्ती, काजल कुमारी, राजू प्रमाणिक, कविता कुमारी, संतोष सिंह, समाज सेवक विजय रजक एवं सखी मंडल, सेविका एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com